

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 80 । पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 19 नवम्बर 2026 (गुरुवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

सोने-चांदी में लगातार छठे दिन गिरावट, 11 महीने के निचले स्तर पर पहुंचा सोना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट का सिलसिला लगातार छठे दिन भी जारी रहा। 18 नवंबर को इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 2,696 रुपये घटकर 1.32 लाख रुपये पर आ गया। वहीं, एक किलोग्राम चांदी की कीमत में 4,665 रुपये की कमी दर्ज की गई और यह घटकर 1.65 लाख रुपये रह गई। लगातार गिरावट के चलते सोना करीब 11 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया है।



उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले सोने का भाव 19 दिसंबर 2025 को 1,31,779 रुपये तक आया था। इसके बाद 22 दिसंबर को यह बढ़कर 1,33,970 रुपये हो गया था। तब से सोने की कीमत 1,31,779 रुपये से नीचे नहीं गई थी। मौजूदा गिरावट ने एक बार फिर बाजार में निवेशकों और खरीदारों का ध्यान खींचा है। सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट की प्रमुख वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर का मजबूत होना और बड़े निवेशकों की ओर से ऊंचे भाव पर बिकवाली करना बताया जा रहा है। डॉलर मजबूत होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की मांग और कीमतों पर दबाव पड़ता है। वहीं, ऊंचे स्तर पर मुनाफा वसूली के कारण भी कीमती धातुओं के भाव नीचे आते हैं। हालांकि, अलग-अलग शहरों में सोने-चांदी के खुदरा भाव एक जैसे नहीं होते।

प्रतापगढ़ में रामकथा में उमड़ा आस्था का सैलाब, दूसरे दिन पहुंचे करीब 2 लाख श्रद्धालु

महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के बेंती स्थित आवास पर आयोजित पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की श्रीराम कथा के दूसरे दिन श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। आयोजकों के अनुसार, कथा सुनने के लिए करीब दो लाख लोग पहुंचे। पहले दिन श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 50 हजार लोगों की क्षमता वाले तीन बड़े पंडाल लगाए गए थे, लेकिन दूसरे दिन तीनों पंडाल पूरी तरह भर गए। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी से पूरा आयोजन स्थल भक्तिमय माहौल में नजर आया। कथा के दौरान धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अयोध्या, मथुरा और काशी से जुड़े धार्मिक विषयों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, 'अयोध्या झांकी है, मथुरा-काशी बाकी है। काशी में भोलेनाथ के बैठने से पहले मथुरा में कन्हैयालाल बैठेंगे।' उन्होंने आगे कहा कि राम के राज्य में रामकथा ही होगी, क्योंकि यह अकबर-बाबर का नहीं, बल्कि रघुवर का देश है। उनके इन बयानों की कथा स्थल पर चर्चा होती रही। दूसरे दिन भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह भी कथा सुनने पहुंचे।



देवदीपावली पर गंगा घाटों पर स्वास्थ्य सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, 84 घाटों पर तैनात रहेंगी मेडिकल टीमें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाराणसी। देवदीपावली पर गंगा के घाटों पर उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था पूरी कर ली है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और किसी भी आकस्मिक स्थिति में तत्काल उपचार उपलब्ध कराने के लिए 84 घाटों को अलग-अलग समूहों में बांटा गया है। प्रत्येक समूह में चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की टीम तैनात रहेगी। इसके अलावा घाटों के आसपास 16 स्थानों पर एंबुलेंस तैयार रहेंगी, जबकि गंगा के दूसरे किनारे पर भी चल चिकित्सा इकाइयों और जल एंबुलेंस की व्यवस्था की गई है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि जिला प्रशासन और मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार सभी 84 घाटों को अलग-अलग समूहों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक समूह में आठ से दस घाट शामिल किए गए हैं। हर समूह में एक अधिकारी के साथ चिकित्सक, औषधिकार, परिचारिका और वार्ड सहायक की टीम तैनात रहेगी। स्वास्थ्यकर्मियों के पास प्राथमिक उपचार के लिए आवश्यक दवाइयों के साथ स्ट्रेचर की सुविधा भी उपलब्ध होगी। इन चिकित्सा दलों की जिम्मेदारी घाटों पर मौजूद श्रद्धालुओं को तत्काल सहायता उपलब्ध कराना होगा। यदि किसी श्रद्धालु की अचानक तबीयत बिगड़ती है, उसे चोट लगती है या किसी अन्य प्रकार की चिकित्सकीय आपात स्थिति पैदा होती है, तो संबंधित दल मौके पर पहुंचकर उपचार शुरू करेगा। जरूरत पड़ने पर मरीज को एंबुलेंस के माध्यम से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जाएगा। घाटों के आसपास बनाए गए 16 जांच एवं सहायता केंद्रों पर एंबुलेंस तैनात रहेंगी। इन्हें हर समय सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आपात स्थिति में बिना देरी मरीज को अस्पताल पहुंचाया जा सके। गंगा नदी में भी दो जल एंबुलेंस तैनात रहेंगी। इनमें आवश्यक दवाइयों के साथ चिकित्सकीय दल मौजूद रहेगा। स्वास्थ्य विभाग राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के सहयोग से इनका संचालन करेगा। इनमें एक जल एंबुलेंस पुलिस और दूसरी एनडीआरएफ की होगी।

राहुल गांधी का दावा- भारत आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा

बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था की खामियां बड़ी वजह; भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने किया पलटवार

कोलंबिया विश्वविद्यालय में युवाओं के भविष्य, चुनावी पारदर्शिता और एसआईआर पर उठाए सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

न्यूयॉर्क/दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि भारत आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है और इसके पीछे बड़े पैमाने पर बेरोजगारी तथा शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी खामियां प्रमुख वजह हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं में बढ़ती निराशा का सबसे बड़ा कारण यह है कि उन्हें अपना भविष्य स्पष्ट नजर नहीं आता। राहुल गांधी ने बुधवार को न्यूयॉर्क स्थित कोलंबिया यूनिवर्सिटी में छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत के दौरान ये बातें कहीं। राहुल इन दिनों अमेरिका के दो दिवसीय दौरे पर हैं। राहुल गांधी के बयान पर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने पलटवार किया। जालंधर में उन्होंने कहा कि राहुल विदेश जाकर भारत की छवि खराब करते हैं। वे भारत की अर्थव्यवस्था को आपदा बता रहे हैं, जबकि भारत नहीं, बल्कि उनकी सोच आपदा है। कोलंबिया यूनिवर्सिटी में हुई बातचीत के दौरान राहुल गांधी ने चुनावी प्रक्रिया, विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान, बेरोजगारी और युवाओं की बदलती सोच सहित कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान पर खर्च को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि इस पर खर्च की गई रकम अनुमान से 20, 30, 40 या 50 गुना तक अधिक थी। उन्होंने सवाल किया कि इतनी बड़ी रकम कहां से आई और अभियान पर हुए खर्च का जवाब मिलना चाहिए। राहुल गांधी ने चुनावी नतीजों और वोटों के अंतर को लेकर भी संदेह जताया। उन्होंने कहा कि अचानक पांच लाख वोटों का अंतर आ जाना संभव नहीं है। कांग्रेस के पास चुनावी नतीजों और वोटों के आंकड़ों को लेकर कई सवाल हैं। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के पास चुनावी धांधली से जुड़े कई सबूत हैं और उन्हें सामने लाने के लिए काम किया जा रहा है। उन्होंने देश की चुनावी व्यवस्था में सुधार को जरूरी बताते हुए कहा कि निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की बुनियाद हैं। चुनावी प्रक्रिया को दुरुस्त किए बिना व्यवस्था में सुधार संभव नहीं है। इसके लिए पारदर्शिता सुनिश्चित करना आवश्यक है। युवाओं की स्थिति पर बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मौजूदा हालात को लेकर उनमें निराशा बढ़ रही है। खासकर मध्यमवर्गीय परिवारों से आने वाले और औपचारिक शिक्षा हासिल करने वाले युवाओं के सामने भविष्य को लेकर अनिश्चितता है। उन्होंने कहा कि इस विषय का अध्ययन किया जा रहा है और इसकी सबसे बड़ी वजह युवाओं को अपने भविष्य की दिशा नजर नहीं आना है। राहुल गांधी ने युवा पीढ़ी और उनके माता-पिता के बीच बढ़ती दूरी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि करियर को लेकर युवाओं की सोच पिछली पीढ़ी से अलग हो रही है। युवा अपने माता-पिता की सलाह और अनुभवों पर सवाल उठा रहे हैं। उनका मानना है कि पिछली पीढ़ी के समय काम आने वाले करियर के तरीके आज के दौर में जरूरी नहीं कि सफल हों। इस वजह से युवाओं और उनके माता-पिता के बीच विचारों का अंतर बढ़ रहा है।

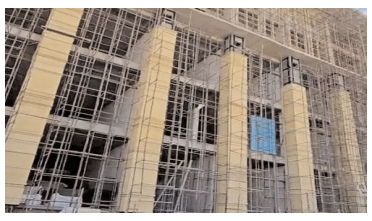


उज्जैन के 284 करोड़ के यूनिटी मॉल पर उठे सवाल, सांसद ने मांगा स्वतंत्र फॉरेंसिक ऑडिट

5300 गुणवत्ता परीक्षण कराने के प्राधिकरण के दावे के बावजूद अनिल फिरोजिया ने मुख्यमंत्री से मुख्य सचिव तक को लिखा पत्र; कंक्रीट, इस्पात, छत की तकनीक और आईआईटी इंदौर की रिपोर्ट के मूल दस्तावेज मांगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। केंद्र सरकार की सहायता से उज्जैन में बन रहे मध्यप्रदेश के पहले यूनिटी मॉल के निर्माण की गुणवत्ता को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। निर्माण कार्य में कथित गड़बड़ियों की शिकायतों के बाद अब सांसद अनिल फिरोजिया ने एक बार फिर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठाई है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उज्जैन संभागायुक्त और मुख्य सचिव को आठ पृष्ठों का पत्र लिखकर करीब 15 बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी मांगी है। सांसद ने निर्माण में इस्तेमाल कंक्रीट, इस्पात, पोस्ट-टेंशनिंग स्लैब और आईआईटी इंदौर की रिपोर्ट से जुड़े मूल दस्तावेज उपलब्ध कराने की मांग की है। साथ ही स्वतंत्र तीसरे पक्ष से फॉरेंसिक संरचनात्मक जांच कराने पर जोर दिया है। महाकालेश्वर मंदिर के समीप हरिफाटक मार्ग पर उज्जैन विकास प्राधिकरण (यूडीए) के माध्यम से इस यूनिटी मॉल का निर्माण कराया जा रहा है। परियोजना की कुल लागत 284 करोड़ रुपये बताई गई है। निर्माण की गुणवत्ता को लेकर



शिकायतें सामने आने के बाद सांसद फिरोजिया ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात कर उन्हें पूरे मामले से अवगत कराया था। इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराने और जांच में दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों तथा निर्माण एजेंसी के विरुद्ध कार्रवाई का भरोसा दिया था। इस बीच निर्माण कार्य में गड़बड़ी की शिकायतों पर उज्जैन विकास प्राधिकरण ने अपना पक्ष रखते हुए दावा किया था कि मॉल के निर्माण के दौरान गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए 5300 परीक्षण कराए गए हैं। प्राधिकरण के इस दावे के बाद सांसद ने मंगलवार को आठ पृष्ठों का पत्र जारी कर कई तकनीकी सवाल उठाए। उनका कहना है कि केवल परीक्षणों की संख्या बताना पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि परीक्षण किन परिस्थितियों में, किस प्रक्रिया के तहत और किन मानकों के आधार पर किए गए। सांसद ने तकनीकी समीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए स्वतंत्र विशेषज्ञ संस्था से फॉरेंसिक संरचनात्मक परीक्षण कराने की मांग की है। उन्होंने कंक्रीट और इस्पात की गुणवत्ता, पोस्ट-टेंशनिंग स्लैब से संबंधित तकनीकी विवरण तथा आईआईटी इंदौर की रिपोर्ट के मूल अभिलेख मांगे हैं। उनका जोर इस बात पर है कि जांच की प्रक्रिया पारदर्शी हो और सभी तकनीकी निष्कर्षों की पुष्टि स्वतंत्र रूप से की जा सके। अब इस मामले में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि 5300 गुणवत्ता परीक्षणों के दावे के बावजूद निर्माण की गुणवत्ता को लेकर संदेह क्यों बना हुआ है? क्या संबंधित दस्तावेज सार्वजनिक किए जाएंगे और क्या स्वतंत्र जांच से सभी सवालों का स्पष्ट जवाब मिल पाएगा? 284 करोड़ रुपये की इस महत्वपूर्ण परियोजना में निर्माण की गुणवत्ता, सार्वजनिक धन की जवाबदेही और तकनीकी पारदर्शिता सुनिश्चित करना अब प्रशासन के सामने बड़ी जिम्मेदारी है।

मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस सीट दिलाने के नाम पर 30 लाख की ठगी, अंतरराज्यीय गिरोह के तीन आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुरुग्राम। मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस में दाखिला दिलाने का सपना दिखाकर अभिभावकों से लाखों रुपये ठगने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का गुरुग्राम पुलिस ने पर्दाफाश किया है। थाना सदर पुलिस ने बिहार और दिल्ली के रहने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने सेक्टर-48 स्थित एक नामी व्यावसायिक भवन में परामर्श कार्यालय खोल रखा था। इसी कार्यालय के माध्यम से एक व्यक्ति को उसके बेटे का प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेज में दाखिला दिलाने का भरोसा देकर 30 लाख रुपये ठग लिए गए। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिहार के गोपालगंज जिले के मोहम्मदपुर नीलामी, बरौली निवासी बंटी कुमार तिवारी, पटना के फुलवारी गांव निवासी अभिषेक आनंद और दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर स्थित हौजरानी निवासी मोहम्मद जुबेर के रूप में हुई है। मामले की शुरुआत उस समय हुई, जब पीड़ित ने थाना सदर में शिकायत देकर बताया कि वह अपने बेटे का एमबीबीएस में दाखिला कराना चाहते थे। इसी सिलसिले में उनका संपर्क सेक्टर-48 स्थित जेएमडी मेगापोलिस में संचालित 'द एडमिशन सॉल्यूशन' नामक संस्था के संचालकों से हुआ। आरोपियों ने उन्हें भरोसा दिलाया कि वे उनके बेटे का एक नामी मेडिकल कॉलेज में दाखिला सुनिश्चित करा देंगे। इसके बदले उन्होंने 30 लाख रुपये ले लिए। पीड़ित को उम्मीद थी कि तय समय पर बेटे के दाखिले की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी, लेकिन जब वह आवंटन पत्र लेने के लिए कार्यालय पहुंचे तो आरोपियों ने टालमटोल शुरू कर दी। संदेह होने पर उन्होंने दस्तावेजों और दाखिले से संबंधित जानकारी की जांच कराई। तब पता चला कि दाखिले का आश्वासन फर्जी था और उन्हें दिए गए दस्तावेज भी वास्तविक नहीं थे। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस को पता चला है कि आरोपी कथित तौर पर अलग-अलग राज्यों में इसी तरह के परामर्श कार्यालय खोलकर मेडिकल कॉलेजों में दाखिला दिलाने के नाम पर विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को निशाना बनाते थे। मोटी रकम वसूलने के बाद वे या तो कार्यालय बंद कर फरार हो जाते थे या फिर फर्जी आवंटन पत्र थमाकर पीड़ितों को गुमराह करते थे। पुलिस रिकॉर्ड की जांच में आरोपियों के खिलाफ हरियाणा के अलावा अन्य राज्यों में भी धोखाधड़ी के मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई है।



हाईकोर्ट के आदेश पर न्यू सांगानेर रोड पर 800 मीटर क्षेत्र में चला बुलडोजर, शादी वाले मैरिज गार्डन का सजावटी द्वार भी हटाया;

जयपुर में जेडीए की बड़ी कार्रवाई, 80 से अधिक मकान-दुकानों के अवैध निर्माण ध्वस्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। न्यू सांगानेर रोड पर बुधवार को जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 80 से अधिक मकान और दुकानों के अवैध निर्माण हटाए। उच्च न्यायालय के आदेश के बाद यह कार्रवाई गुर्जर की थड़ी के पास मेट्रो के पिलर संख्या 84 से सोडाला तिराहे की ओर पिलर संख्या 107 तक करीब 800 मीटर क्षेत्र में की गई। इस दौरान सड़क की निर्धारित 100 फीट सीमा में आने वाले होटल, विवाह स्थल, अस्पताल, मकान और दुकानों के आगे बने अवैध हिस्सों को ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के दौरान रैंप, रेलिंग, टिनशेड, सीढ़ियां, चारदीवारी और भवनों के आगे के हिस्से तोड़े गए। होटल लजीज के सामने का हिस्सा भी ध्वस्त किया गया। जेडीए की टीम ने सड़क सीमा में बाधा बन रहे निर्माणों को हटाकर रास्ते को निर्धारित चौड़ाई के अनुरूप विकसित करने की कार्रवाई की। इस कार्रवाई का सबसे भावुक दृश्य कलकत्ता मैरिज गार्डन में देखने



को मिला। यहां बुधवार को शादी का आयोजन होना था और जोधपुर से बारात आने वाली थी। लेकिन जेडीए की कार्रवाई के दौरान विवाह स्थल का सजावटी द्वार और सजावट भी हटा दी गई। जिस युवती की शादी होनी है, उसके माता-पिता और परिवार के सदस्य इस घटनाक्रम से बेहद दुखी नजर आए। शादी की तैयारियों के बीच हुई कार्रवाई ने परिवार की खुशियों पर असर डाला। कार्रवाई का विरोध कर रहे व्यापारियों और स्थानीय लोगों की पुलिस से धक्का-मुक्की भी हुई। लोगों ने प्रशासन पर मनमानी करने का आरोप लगाते हुए नाराजगी जताई। मकानों के हिस्से टूटते देख कई महिलाएं भावुक हो गईं। एक महिला रोते हुए कहने लगी कि जीवनभर की कमाई से मकान बनाया था, जिसे अब तोड़ दिया गया। मौके पर लोगों की भीड़ जमा रही और कार्रवाई को लेकर विरोध के स्वर सुनाई दिए। जेडीए की यह कार्रवाई अभियान का दूसरा चरण था। इससे पहले 5 अक्टूबर को पहले चरण में गुर्जर की थड़ी से विवेक विहार तक करीब 700 मीटर क्षेत्र में 50 मकान और दुकानों के अवैध निर्माण हटाए गए थे। दरअसल, गुर्जर की थड़ी चौराहे से सोडाला तिराहे तक लगभग 2.4 किलोमीटर लंबे मार्ग पर कुल 260 अवैध निर्माण हटाए जाने हैं। यह सड़क 100 फीट चौड़ी निर्धारित है, लेकिन अतिक्रमण के कारण कई स्थानों पर इसकी वास्तविक चौड़ाई घटकर 40 से 60 फीट तक रह गई है। जेडीए की कार्रवाई का उद्देश्य सड़क की निर्धारित चौड़ाई बहाल करना है। हालांकि, कार्रवाई के दौरान सामने आए विरोध और शादी समारोह से जुड़ी परेशानी ने प्रशासनिक कार्रवाई के मानवीय पहलुओं पर भी सवाल खड़े किए हैं।

सेना में 2023 के वर्दी बदलाव वापस, 1 दिसंबर से लौटेगी रेजिमेंटों की पुरानी पहचान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने वरिष्ठ अधिकारियों की वर्दी में वर्ष 2023 में किए गए बदलावों को वापस लेने का निर्णय लिया है। इससे सेना की अलग-अलग रेजिमेंटों और कोर की पारंपरिक पहचान एक बार फिर दिखाई दे सकेगी। इस संबंध में 13 नवंबर के पत्र पर आधारित आंतरिक आदेश जारी किया गया है, जिसे 1 दिसंबर से लागू किया जाएगा। नए निर्णय के तहत ब्रिगेडियर और उससे ऊपर के अधिकारी अपनी अधिकृत वर्दी के साथ अपनी मूल रेजिमेंट या कोर से जुड़े पारंपरिक प्रतीक और पहचान चिह्न लगा सकेंगे। नए आदेश के अनुसार, गोरखा राइफल्स के जनरल एक बार फिर अपनी विशिष्ट पहचान वाली टोपी पहन सकेंगे। स्पेशल फोर्सेज के वरिष्ठ अधिकारियों को मैरून रंग की बेरेट और बख्तरबंद रेजिमेंट के अधिकारियों को काली बेरेट पहनने की अनुमति होगी। इस फैसले से उन अधिकारियों को अपनी पारंपरिक सैन्य पहचान प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा, जिनकी वर्दी से वर्ष 2023 में ऐसे प्रतीक हटा दिए गए थे। दरअसल, वर्ष 2023 में सेना ने वरिष्ठ नेतृत्व के लिए एकरूपता और समान पहचान विकसित करने के उद्देश्य से वर्दी के कई सामानों को एक जैसा कर दिया था। इस व्यवस्था के तहत अधिकारियों की मूल रेजिमेंट और सेवा से जुड़े विशिष्ट पहचान चिह्न हटा दिए गए थे। अब इस नीति को वापस लेने के फैसले को सेना की पारंपरिक रेजिमेंटल पहचान को फिर से महत्व देने की दिशा में कदम माना जा रहा है। दूसरी ओर, भीषण गर्मी को देखते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) भी अपने कमांडो की वर्दी में बदलाव की तैयारी कर रहा है। वीआईपी सुरक्षा में तैनात कमांडो की प्रसिद्ध काली वर्दी को अधिक आरामदायक और हवा के अनुकूल बनाने की सिफारिश की गई है। इसके लिए नायको कपड़े से नई वर्दी तैयार करने का प्रस्ताव है। इस कपड़े में नायलॉन और सूती रेशों का मिश्रण होता है, जिससे हवा का आवागमन आसान होता है और शरीर की नमी बाहर निकलने में मदद मिलती है। इस बदलाव की जरूरत अप्रैल में विजयवाड़ा में सामने आई घटना के बाद महसूस हुई। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की सुरक्षा में तैनात एक कमांडो करीब 44 डिग्री तापमान में ड्यूटी के दौरान बेहोश हो गया था।



कुलगाम में लश्कर कमांडर लतीफ भट ढेर!

सीआरपीएफ प्रमुख ने ठंडे मौसम में ठंडे अंदाज में दी बधाई, छह महीने में लश्कर के चार कमांडर मारे गए

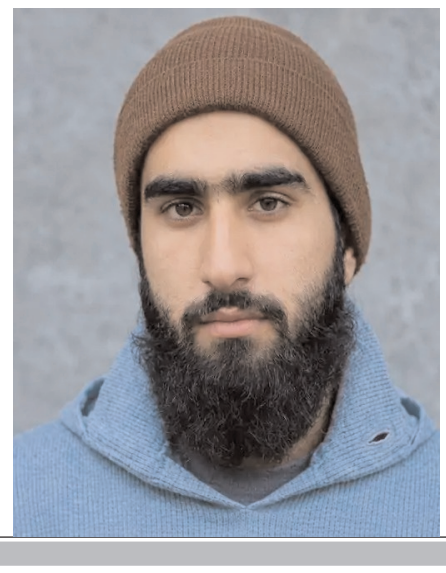
लतीफ पर था 15 लाख रुपये का इनाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

कुलगाम। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी लतीफ भट के मारे जाने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और सीआरपीएफ प्रमुख ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने सुरक्षाबलों की सराहना की। सीआरपीएफ प्रमुख ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'बधाई हो दोस्तों! कुछ व्यंजन ठंडे परोसे जाने पर ही सबसे अच्छे लगते हैं, वो भी ठंड के मौसम में।' उन्होंने अपनी पोस्ट में मुठभेड़ का सीधा जिक्र नहीं किया। वहीं, गृह मंत्री अमित शाह ने भी सुरक्षाबलों की तारीफ की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि पूरे अभियान के दौरान सभी सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतरीन तालमेल देखने को मिला। देश जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना, सीआरपीएफ और खुफिया एजेंसियों के बहादुर जवानों को सलाम करता है। 22 वर्षीय लतीफ भट पर पुलिस ने 15 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। वह वर्ष 2025 की शुरुआत में अपने घर से लापता हो गया था। इसके बाद उसके परिवार ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बाद में पाकिस्तान में बैठे ऑपरेटिव सज्जाद गुल ने उसे लश्कर-ए-तैयबा और उसके सहयोगी नेटवर्क टीआरएफ में भर्ती किया था। लतीफ ने अशमुजी के सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से 12वीं तक पढ़ाई की थी। इसके बाद उसने कुछ समय तक कुलगाम के सरकारी डिग्री कॉलेज में भी अध्ययन किया। बाद में वह बढ़ई का काम करने लगा। बताया गया है कि उमर निसार डार ने लतीफ को छह महीने तक पनाह दी थी। दोनों ने सीआरपीएफ पोस्ट पर हमले से पहले कई इलाकों की रेकी की थी। पिछले छह महीनों में जम्मू-कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा के



चार कमांडर मारे गए हैं। इनमें लतीफ भट के अलावा जाकिर अहमद गनई, यासिर और मूसा उर्फ आसिफ फौजी शामिल हैं। जाकिर अहमद गनई 8 जुलाई 2026 को शोपियां में मारा गया था। यासिर 4 सितंबर को ऑपरेशन असधर के दौरान मारा गया, जबकि मूसा उर्फ आसिफ फौजी 30 सितंबर को बडगाम में ऑपरेशन शेरुवाली के दौरान मारा गया था। लतीफ भट के मारे जाने के साथ ही इस अवधि में मारे गए लश्कर कमांडरों की संख्या चार हो गई है।



आनंद के वार्ड नंबर 7 में नलों से आ रहा दूषित पानी, दुर्गंध से परेशान रहवासी; शिकायतों के बावजूद समस्या का समाधान नहीं

आनंद। मिल्क सिटी के नाम से पहचाने जाने वाले आनंद शहर में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति को लेकर सवाल उठ रहे हैं। आनंद नगर निगम के वार्ड नंबर 7 के निवासी पिछले कई दिनों से नलों के माध्यम से आ रहे बेहद दूषित, गंदे और दुर्गंधयुक्त पानी से परेशान हैं। पीने के लिए स्वच्छ पानी जैसी बुनियादी सुविधा भी उपलब्ध नहीं होने से स्थानीय लोगों में जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति भारी नाराजगी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आनंद के वार्ड नंबर 7 के विभिन्न इलाकों में पिछले कुछ दिनों से नल खोलते ही स्वच्छ पेयजल के बजाय नाली जैसा काला, मटमैला और तेज दुर्गंध वाला पानी आ रहा है। पानी की स्थिति इतनी खराब है कि इसे पीने के साथ-साथ घर के सामान्य कामकाज, कपड़े और बर्तन धोने के लिए भी इस्तेमाल करना मुश्किल हो रहा है। इसके चलते गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को मजबूरी में महंगे दामों पर मिनरल वाटर के जार खरीदने पड़ रहे हैं। इससे परिवारों के घरेलू बजट पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।स्थानीय निवासियों का आरोप है कि इस गंभीर समस्या को लेकर वार्ड के पार्षदों और संबंधित अधिकारियों से कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। लोगों का कहना है कि चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे करके वोट मांगने वाले जनप्रतिनिधि अब जनता की इस बुनियादी समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। नियमित रूप से सभी प्रकार के करों का भुगतान करने के बावजूद लोगों को स्वच्छ पेयजल नहीं मिल पा रहा है।दूषित पानी की आपूर्ति से क्षेत्र में दस्त, उल्टी, पीलिया, टाइफाइड और त्वचा संबंधी बीमारियां फैलने की आशंका जताई जा रही है। विशेष रूप से छोटे बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य को लेकर परिवारों में चिंता बनी हुई है। ऐसे में स्थानीय लोगों का सवाल है कि क्या प्रशासन किसी बड़ी बीमारी के फैलने का इंतजार कर रहा है?वार्ड नंबर 7 के परेशान निवासी अब प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से जवाब मांग रहे हैं कि आखिर उन्हें स्वच्छ पेयजल कब उपलब्ध कराया जाएगा। लोगों की मांग है कि पानी की पाइपलाइनों की तत्काल जांच और मरम्मत कराकर स्वच्छ पानी की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

गुजरात भाजपा में अंदरूनी घमासान की चर्चा: गुटबाजी चरम पर, शाह और पटेल गुट आमने-सामने या पार्टी में बड़े बदलाव की आहट?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। कभी अजेय और अनुशासित मानी जाने वाली गुजरात भाजपा इन दिनों अंदरूनी राजनीतिक खींचतान को लेकर चर्चाओं में है। राज्य के राजनीतिक गलियारों में पार्टी के भीतर गुटबाजी और वर्चस्व की लड़ाई को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। केंद्रीय नेतृत्व के नाम पर बन रहे राजनीतिक समीकरणों में शाह और पटेल गुट के बीच कथित खींचतान तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और नई भाजपा के बीच बढ़ती दूरी को लेकर भी चर्चाएं सामने आ रही हैं। विधानसभा चुनाव में अभी समय बाकी है, लेकिन पार्टी के भीतर चल रही गतिविधियों और राजनीतिक समीकरणों को लेकर प्रदेश की राजनीति में हलचल बनी हुई है। गुजरात भाजपा के संगठन और सरकार में प्रभाव बनाए रखने को लेकर वरिष्ठ नेताओं के अलग-अलग गुटों के बीच अंदरूनी प्रतिस्पर्धा की चर्चाएं हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, पार्टी के भीतर अपने समर्थकों को आगे बढ़ाने और दूसरे गुटों के प्रभाव को सीमित करने की कोशिशों से कार्यकर्ताओं में असंतोष पैदा होने की आशंकाएं जताई जा रही हैं। संगठन के भीतर चल रही इस कथित खींचतान को लेकर यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या पार्टी में नेताओं के बीच वर्चस्व की लड़ाई अब खुलकर सामने आ सकती है। दूसरी ओर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के बीच संबंधों को लेकर भी राजनीतिक चर्चाएं तेज हैं। एक समय जनसंघ और संघ की विचारधारा तथा अनुशासन को पार्टी की बुनियाद माना जाता था। हालांकि, समय के साथ भाजपा की कार्यशैली और संगठनात्मक ढांचे में कई बदलाव आए हैं। इसी बदलाव को लेकर पुराने कार्यकर्ताओं और संघ से जुड़े कुछ वर्गों में असंतोष होने की चर्चाएं सामने आती रही हैं। इसके अलावा पार्टी में दूसरे दलों से शामिल हुए नेताओं और लंबे समय से संगठन के लिए काम कर रहे पुराने कार्यकर्ताओं के बीच भी प्राथमिकता और राजनीतिक महत्व को लेकर असहमति की बातें कही जा रही हैं। पुराने कार्यकर्ताओं के बीच यह भावना होने की चर्चा है कि नए शामिल हुए नेताओं को अधिक महत्व मिलने से उनकी भूमिका सीमित हो रही है। गुजरात की राजनीति में मुख्यमंत्री पद को लेकर जातिगत समीकरणों की चर्चाएं भी लगातार सामने आती रही हैं। आगामी समय में बहुसंख्यक समाज के विभिन्न वर्गों को साधने के लिए कोली, पाटीदार या ठाकोर समुदाय से मुख्यमंत्री बनाए जाने जैसी अटकलें राजनीतिक गलियारों में लगाई जा रही हैं। हालांकि, इन चर्चाओं को लेकर पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा या पुष्टि सामने नहीं आई है। मुख्यमंत्री पद के संभावित चेहरे को लेकर अलग-अलग समुदायों के नामों की चर्चा ने राज्य के राजनीतिक समीकरणों को लेकर बहस तेज कर दी है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात की राजनीति पर प्रभाव और दिल्ली के केंद्रीय नेतृत्व की भूमिका को लेकर भी कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं। राजनीतिक गलियारों में यह सवाल उठाया जा रहा है कि क्या स्थानीय स्तर पर नेताओं को अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत करने के अधिक अवसर मिल रहे हैं। इन अटकलों के बीच सोशल मीडिया और राजनीतिक बैठकों में अनार पटेल के नाम को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। कुछ स्थानों पर यह सवाल उठाया जा रहा है कि क्या भविष्य में अनार पटेल को मुख्यमंत्री पद के संभावित चेहरे के रूप में देखा जा सकता है। हालांकि, इस संबंध में कोई आधिकारिक संकेत या पुष्टि नहीं है। फिलहाल गुजरात भाजपा में गुटबाजी, पुराने और नए कार्यकर्ताओं के बीच कथित असंतोष, संघ के साथ संबंधों तथा मुख्यमंत्री पद के जातिगत समीकरणों को लेकर राजनीतिक चर्चाएं जारी हैं। आने वाले समय में पार्टी संगठन किस तरह इन मुद्दों से निपटता है और नेतृत्व किस प्रकार के राजनीतिक फैसले लेता है, यह देखना महत्वपूर्ण होगा। हालांकि, पार्टी में टूट या बड़े नेतृत्व परिवर्तन की संभावनाओं को लेकर लगाए जा रहे कयासों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।



गुजरात में भर्ती परीक्षाओं की गड़बड़ियों पर पूर्व मंत्री जवाहर चावड़ा ने उठाए सवाल, परीक्षा व्यवस्था को बताया 'सड़ी हुई'

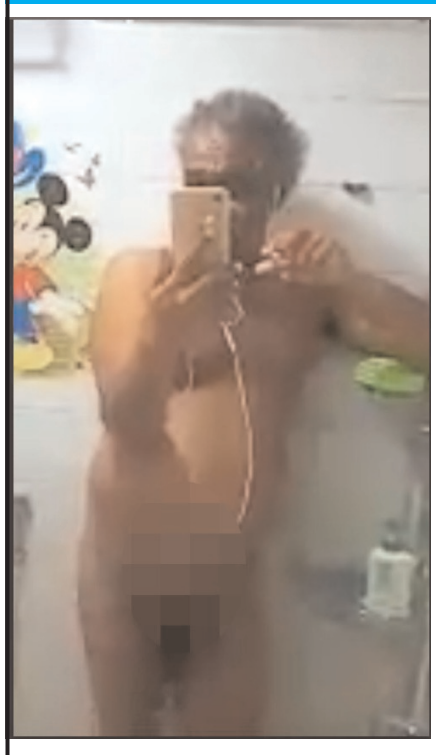
महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/जूनागढ़। गुजरात की राजनीति में भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और बेरोजगारी का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है। माणावदर के पूर्व विधायक और राज्य के पूर्व कैबिनेट मंत्री जवाहर चावड़ा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर प्रशासन और परीक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पूरी व्यवस्था को 'सड़ी हुई' बताते हुए भर्ती परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही गड़बड़ियों पर नाराजगी जताई है। उनके इस बयान के बाद गुजरात के राजनीतिक गलियारों में इस मुद्दे पर चर्चा तेज हो गई है। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में जवाहर चावड़ा ने आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि गुजरात में पिछले कुछ वर्षों के दौरान तलाटी, शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी), मुख्य सेविका, नायब तहसीलदार, लोक रक्षक दल (एलआरडी), कनिष्ठ लिपिक, नीट-यूजी, पीजीवीसीएल, वनरक्षक और ऊर्जा निगम सहित लगभग 18 महत्वपूर्ण प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और बड़े स्तर पर अनियमितताओं के मामले सामने आ चुके हैं। राज्य के लगभग 51 लाख विद्यार्थियों और उनके 2 करोड़ परिजनों की उम्मीदें तथा भविष्य सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं।

सागरचंद्रसागर विवाद से जैन समाज में मचा हाहाकार

साधु वेष की आड़ में धर्म को कलंकित करने वालों पर निष्पक्ष जांच और आर-पार के एक्शन की मांग तेज, 'महानगर मेट्रो' की विशेष पड़ताल

वायरल डिजिटल सामग्री और गंभीर आरोपों से धार्मिक संस्थाओं की साख दांव पर



महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन





गांधीनगर/अहमदाबाद। जैन धर्म की पहचान सदियों से अहिंसा, अपरिग्रह, परम संयम, त्याग और कठोर तपस्या जैसी पवित्र व उच्च आध्यात्मिक परंपराओं से रही है। लेकिन, वर्तमान समय में जैन मुनि सागरचंद्रसागर से जुड़े एक अत्यंत शर्मनाक, संवेदनशील और विवादास्पद प्रकरण ने पूरे गुजरात सहित देशभर के जैन समाज में भूचाल ला दिया है। उनके कथित अनैतिक आचरण, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर तेजी से वायरल हुई विवादास्पद सामग्री तथा उनसे जुड़े गंभीर आक्षेपों ने लाखों श्रद्धालुओं की आस्था को गहरी चोट पहुंचाई है। जिस महान साधु परंपरा की नींव ही आत्मसंयम और पूर्ण पवित्रता पर टिकी हुई है, उस परंपरा की गरिमा को धूमिल करने के इस कथित प्रयास के खिलाफ अब समाज के जागरूक वर्ग, युवा और वरिष्ठ श्रावक-श्राविकाएं तीखे और चुभते हुए सवाल खड़े कर रहे हैं।

कथित ऑडियो रिकॉर्डिंग और वायरल सामग्री से खड़ा हुआ बड़ा बवाल

प्राप्त विस्तृत जानकारी के अनुसार, सागरचंद्रसागर से संबंधित कुछ कथित बातचीत, सनसनीखेज ऑडियो रिकॉर्डिंग और अन्य संदिग्ध डिजिटल सामग्रियां सार्वजनिक होने के बाद से ही जैन संघों और धार्मिक गलियारों में भारी तनाव का माहौल बना हुआ है। हालांकि, इन तमाम सामग्रियों की तकनीकी प्रमाणिकता और पूरे घटनाक्रम की स्वतंत्र फॉरेंसिक जांच होना अभी बाकी है, लेकिन प्राथमिक स्तर पर जिस तरह की गंभीर और चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं, उसने धार्मिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर बड़े सवालिया निशान लगा दिए हैं। समाज के प्रबुद्ध वर्गों का स्पष्ट मानना है कि बिना पुख्ता प्रमाण के किसी पर भी पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर दोष मढ़ना न्यायसंगत नहीं है, परंतु जब इतने गंभीर और संगीन आरोप सामने आ चुके हैं, तब उनकी उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच होना भी उतना ही अनिवार्य है। यदि जांच में इन आरोपों में रत्ती भर भी सच्चाई साबित होती है, तो साधु पद और पवित्र श्वेत वस्त्रों की आड़ में आस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर संरक्षण नहीं मिलना चाहिए।

सामाजिक बहिष्कार और उपाश्रयों में प्रवेश पर रोक की उठी बुलंद मांग

यह विवाद जैसे-जैसे तूल पकड़ रहा है, वैसे-वैसे जैन समाज के विभिन्न फिरकों और क्षेत्रों में आक्रामक विरोध के स्वर तेज होते जा रहे हैं। जागरूक युवाओं और समाज के विभिन्न संगठनों द्वारा इस विवादास्पद व्यक्ति के पूर्ण सामाजिक बहिष्कार करने और तमाम प्रकार की धार्मिक व सामाजिक गतिविधियों से सदैव के लिए दूर रखने की मांग जोर पकड़ रही है। स्थानकों, उपाश्रयों और जैन संघों में प्रवेश देने से लेकर गोचरी (भिक्षा) देने जैसे अत्यंत संवेदनशील और धार्मिक मर्यादा से जुड़े विषयों पर अब खुलेआम और तीखी बहस शुरू हो चुकी है। श्रद्धालुओं का सबसे बड़ा दर्द और आक्रोश इस बात को लेकर है कि इतना बड़ा विवाद खड़ा होने के बावजूद संबंधित धार्मिक संस्थाएं, बड़े ट्रस्टी और संघ के पदाधिकारी अभी तक रहस्यमयी चुप्पी क्यों साधे हुए हैं? समाज को आशंका है कि कहीं इस मामले को भी रफा-दफा करने या पर्दा डालने की कोशिश तो नहीं हो रही है?

सच्चे साधु-साध्वियों की प्रतिष्ठा और परंपरा की अग्निपरीक्षा

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे पीड़ादायक और चिंताजनक पहलू यह है कि जो हजारों साधु-साध्वी भगवंत आज भी कठोर नियमों का पालन करते हुए, नंगे पांव विहार कर, संयम और त्याग के कठिन मार्ग पर चलकर समाज का मार्गदर्शन कर रहे हैं, उनकी निर्मल प्रतिष्ठा पर भी इस एक प्रकरण की वजह से आंच आ रही है। किसी एक व्यक्ति के संदिग्ध आचरण के कारण पूरी गौरवशाली और पवित्र साधु परंपरा को संदेह के कटघरे में खड़ा करना कतई उचित नहीं है। परंतु इस महान परंपरा की अस्मिता, शुचिता और सम्मान को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए यह बेहद जरूरी हो गया है कि ऐसे विवादास्पद तत्वों की पहचान कर उन्हें समय रहते व्यवस्था से बाहर का रास्ता दिखाया जाए।

सुलगते सवाल: जवाबदेही किसकी और ठोस कार्रवाई कब?

'महानगर मेट्रो' के माध्यम से समाज आज सीधे तौर पर यह सवाल पूछ रहा है कि इस कथित डिजिटल सामग्री की सत्यता की जांच आखिरकार कौन करेगा? क्या इसके लिए कोई स्वतंत्र न्यायिक या विशेषज्ञ समिति गठित की जाएगी? जैन संघों के प्रमुख और ट्रस्टी अब आंखें मूंदकर बैठने के बजाय कब खुलकर मैदान में उतरेंगे? और यदि जांच में आरोप सही साबित होते हैं, तो इतने समय तक मौन रहने और संरक्षण देने की जिम्मेदारी किसकी तय की जाएगी? आस्था और समर्पण के इस पवित्र क्षेत्र में अब जनता केवल खोखले आश्वासन या लीपापोती नहीं, बल्कि आर-पार की कड़ी कार्रवाई और दूध का दूध व पानी का पानी करने वाला स्पष्ट न्याय चाहती है।

महानगर मेट्रो की विशेष टिप्पणी:

धार्मिक आस्था किसी भी सभ्य और संस्कारित समाज की प्राणवायु होती है। इसकी रक्षा के लिए न तो किसी निर्दोष को बिना प्रमाण दोषी ठहराया जाना चाहिए और न ही गंभीर अपराधों व अनैतिकता पर धर्म की आड़ में पर्दा डाला जाना चाहिए। यदि समय रहते पारदर्शी जांच, निष्पक्ष कार्रवाई और स्पष्ट जवाबदेही तय नहीं की गई, तो आने वाली पीढ़ियों का धार्मिक संस्थाओं से विश्वास बुरी तरह डगमगा जाएगा। जैन समाज के लिए यह समय केवल विवाद को दबाने या शांत करने का नहीं, बल्कि अपनी सदियों पुरानी पवित्र विरासत को कलंकित होने से बचाने की एक ऐतिहासिक अग्निपरीक्षा का समय है।

वडोदरा के नंदेसरी शराबकांड में डीजीपी की बड़ी कार्रवाई, करोड़ों के मामले में एएचटीयू के एएसआई दीपुसिंह निलंबित

महानगर मेट्रो ब्यूरो



वडोदरा। वडोदरा शहर और जिले के पुलिस विभाग में अब तक के बड़े शराबकांडों में गिने जा रहे नंदेसरी क्षेत्र के रढ़ियापुरा गांव में सामने आए 1.40 करोड़ रुपये के विदेशी शराब के अवैध कारोबार में रोज नए और चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। राज्य निगरानी प्रकोष्ठ (एसएमसी) की छापेमारी के बाद राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने अवैध शराब के कारोबार में कथित रूप से शराब तस्करों के साथ सांठगांठ रखने और ड्यूटी में गंभीर लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी कार्रवाई के तहत मानव तस्करी निरोधक इकाई (एएचटीयू) में तैनात सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) दीपुसिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इस कार्रवाई के बाद पूरे पुलिस विभाग में हलचल मच गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुछ समय पहले राज्य निगरानी प्रकोष्ठ (एसएमसी) की टीम ने वडोदरा के नंदेसरी पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले रढ़ियापुरा गांव में अचानक छापेमारी की थी। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में विदेशी शराब का जखीरा बरामद किया था। जब्त शराब की कीमत करीब 1.40 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई। इतनी बड़ी मात्रा में अवैध शराब का कारोबार स्थानीय पुलिस थाने की सीमा में संचालित होने के बावजूद स्थानीय पुलिस को इसकी जानकारी नहीं थी या फिर उसने कथित तौर पर इस मामले की अनदेखी की थी। इस पूरे घटनाक्रम को राज्य स्तर पर गंभीरता से लिया गया। एसएमसी की कार्रवाई के बाद शराब के इस अवैध कारोबार में स्थानीय पुलिस की भूमिका और शराब तस्करों के साथ कथित मिलीभगत की जांच शुरू की गई। जांच के दौरान कुछ ऐसे तथ्य और साक्ष्य सामने आए, जिनके आधार पर मानव तस्करी निरोधक इकाई (एएचटीयू) में तैनात एएसआई दीपुसिंह की भूमिका संदेह के घेरे में आ गई। ड्यूटी में गंभीर लापरवाही बरतने और शराब तस्करों को कथित रूप से सहयोग देने से जुड़े प्रारंभिक निष्कर्षों के आधार पर राज्य के पुलिस महानिदेशक ने उनके खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की। राज्य के पुलिस महानिदेशक की इस सख्त कार्रवाई से वडोदरा पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। पुलिस वर्दी की आड़ में अवैध शराब के कारोबार से कथित रूप से जुड़े अन्य पुलिसकर्मियों और अधिकारियों की भूमिका भी अब जांच के दायरे में आ गई है। उच्च स्तर पर चल रही जांच के चलते विभाग के उन कर्मचारियों में भी चिंता बढ़ गई है, जिनकी भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है। आने वाले दिनों में इस मामले में अन्य पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ भी कार्रवाई होने की संभावना जताई जा रही है।

बोडेली के अल्हादपुरा के पास राज्य निगरानी प्रकोष्ठ की बड़ी कार्रवाई, 3.91 लाख की विदेशी शराब सहित 11 लाख से अधिक का माल जब्त



महानगर मेट्रो ब्यूरो

बोडेली। छोटा उदेपुर जिले के सीमावर्ती इलाकों से गुजरात में विदेशी शराब की तस्करी करने वाले कारोबारियों के मंसूबों पर गांधीनगर के राज्य निगरानी प्रकोष्ठ (एसएमसी) की टीम ने एक बार फिर पानी फेर दिया है। बोडेली तहसील के अल्हादपुरा के पास एसएमसी की टीम ने निगरानी कर बर्गमैन गाड़ी के जरिए की जा रही विदेशी शराब की तस्करी का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने 3.91 लाख रुपये से अधिक कीमत की विदेशी शराब और वाहन सहित कुल 11 लाख रुपये से अधिक का सामान जब्त किया है। साथ ही पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांधीनगर राज्य निगरानी प्रकोष्ठ की टीम को पुख्ता सूचना मिली थी कि बोडेली क्षेत्र से एक बर्गमैन गाड़ी के जरिए बड़ी मात्रा में विदेशी शराब की तस्करी की जा रही है। इस सूचना के आधार पर एसएमसी के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम बोडेली तहसील के अल्हादपुरा क्षेत्र में पहुंची और गुप्त रूप से निगरानी शुरू कर दी। इसी दौरान सूचना के अनुसार संदिग्ध बर्गमैन गाड़ी वहां से गुजरती दिखाई दी। पहले से सतर्क एसएमसी की टीम ने वाहन को चारों तरफ से घेरकर रोक लिया। इसके बाद पुलिस ने गाड़ी की तलाशी ली, जिसमें करीब 3,91,000 रुपये से अधिक कीमत की भारतीय निर्मित विदेशी शराब बरामद हुई। पुलिस ने मौके से शराब की तस्करी में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई के दौरान राज्य निगरानी प्रकोष्ठ ने 3.91 लाख रुपये की विदेशी शराब, तस्करी में इस्तेमाल की गई बर्गमैन गाड़ी और अन्य सामान सहित कुल 11 लाख रुपये से अधिक का माल जब्त किया है। एसएमसी की इस अचानक हुई कार्रवाई के बाद स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। वहीं, बोडेली और छोटा उदेपुर क्षेत्र में शराब तस्करों और असामाजिक तत्वों के बीच हलचल मच गई है। फिलहाल पुलिस ने गिरफ्तार किए गए पांचों आरोपियों के खिलाफ निषेध कानून के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि शराब की यह खेप किस राज्य से लाई गई थी, इसके पीछे किन अन्य लोगों की भूमिका है और इसे किसे पहुंचाया जाना था। इस संबंध में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, ताकि शराब तस्करी के पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

बोडेली के शिहोद-वांकी मार्ग पर तेज रफ्तार हाइवा ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, 40 वर्षीय युवक की मौत, एक गंभीर घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बोडेली। छोटा उदेपुर जिले के बोडेली क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से दौड़ने वाले भारी वाहनों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। इसका एक और दुखद उदाहरण बोडेली तहसील के वाघवा गांव की सीमा पर देखने को मिला। शिहोद-वांकी मार्ग पर तेज रफ्तार हाइवा ट्रक ने एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण दुर्घटना में 40 वर्षीय युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि बाइक पर सवार एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे घायल अवस्था में उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बोडेली तहसील के वाघवा गांव की सीमा से गुजरने वाले शिहोद-वांकी मार्ग पर दो युवक मोटरसाइकिल से जा रहे थे। इसी दौरान सामने से तेज रफ्तार में आ रहे हाइवा ट्रक के चालक ने लापरवाही और तेज गति से वाहन चलाते हुए उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सीधे ट्रक के पहियों के नीचे फंस गई। ट्रक की चपेट में आने से मोटरसाइकिल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस दर्दनाक हादसे में बड़े बुटियापुरा गांव निवासी 40 वर्षीय उदेसिंह आपसिंह की गंभीर चोटों के कारण घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, उनके साथ बाइक पर सवार पाटिया गांव निवासी प्रितेश सोमा तड़वी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। बताया जा रहा है कि उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के खेतों और गांवों से बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। दुर्घटना की गंभीरता को देखते हुए बोडेली पुलिस थाने को सूचना दी गई। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने यातायात व्यवस्था सुचारु कराई तथा मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसके साथ ही हाइवा ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। महज 40 वर्ष की उम्र में परिवार के सदस्य की अचानक मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिवार में शोक का माहौल है। दूसरी ओर, स्थानीय क्षेत्र में रेत और बजरी से भरे हाइवा तथा डंपर वाहनों की तेज रफ्तार को लेकर लोगों में भारी नाराजगी है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि भारी वाहनों की अनियंत्रित गति के कारण आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं और निर्दोष लोगों की जान जा रही है।

अहमदाबाद के असारवा वार्ड में बदहाल व्यवस्था: ब्लॉक नंबर 50 में गंदे पानी और खुदी सड़कों से परेशान रहवासी

गंदगी और जलभराव से लोगों का घरों से निकलना मुश्किल, मच्छरजनित बीमारियों का खतरा बढ़ा

बार-बार शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर वार्ड कार्यालय के घेराव की चेतावनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। स्मार्ट सिटी और महानगर के रूप में विकास के बड़े-बड़े दावे करने वाले अहमदाबाद नगर निगम के उत्तर क्षेत्र में आने वाले मेघाणीनगर के असारवा वार्ड की बदहाल स्थिति सामने आई है। यहां ब्लॉक नंबर 50 में लंबे समय से जाम और ओवरफ्लो हो रही नालियों तथा अधूरी खुदाई के बाद छोड़ी गई जर्जर सड़कों के कारण स्थानीय निवासी भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं। बार-बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से लोगों में प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के खिलाफ नाराजगी बढ़ती जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मेघाणीनगर के असारवा वार्ड स्थित ब्लॉक नंबर 50 के निवासियों के लिए घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। क्षेत्र में नालियों की पाइपलाइन जाम होने के कारण गंदा और दुर्गंधयुक्त पानी सड़कों पर फैल रहा है।स्थानीय निवासियों का आरोप है कि इस गंभीर समस्या को लेकर नगर निगम के अधिकारियों और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन आज तक कोई ठोस समाधान नहीं किया गया। बारिश का मौसम हो या सामान्य दिन, यहां के लोगों को कीचड़ और गंदगी के बीच से गुजरने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। विशेष रूप से छोटे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। फिसलन भरी सड़कों के कारण दुर्घटनाओं का खतरा भी बना हुआ है। क्षेत्र में फैली गंदगी और नालियों के गंदे पानी के कारण मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ रहा है। स्थानीय लोगों को मलेरिया, डेंगू और दस्त-उल्टी जैसी बीमारियां फैलने की आशंका सता रही है। ऐसे में लोगों के मन में सवाल उठ रहा है कि चुनाव के समय हाथ जोड़कर वोट मांगने आने वाले स्थानीय पार्षद आखिर कब इस समस्या पर ध्यान देंगे? नियमित रूप से सभी प्रकार के करों का भुगतान करने वाले नागरिकों को बुनियादी सुविधाओं के लिए भी परेशान होना पड़ रहा है। रहवासियों का सवाल है कि उनकी समस्याओं का समाधान आखिर कब होगा और नगर निगम के अधिकारी तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि कब अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे?

72 घंटे ही नहीं, 72 दिन तक भाजपा नेता डेरा डालें, तब भी आदिवासी नहीं होंगे गुमराहः निरंजन वसावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। गुजरात की राजनीति में आदिवासी क्षेत्रों को लेकर बयानबाजी तेज हो गई है। आदिवासी अस्मिता, संस्कृति और संवैधानिक अधिकारों के मुद्दों पर आवाज उठाने वाले नेता निरंजन वसावा ने भाजपा सरकार और उसके नेताओं के आदिवासी क्षेत्रों में प्रस्तावित दौरा कार्यक्रमों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के मंत्री और नेता 72 घंटे ही नहीं, बल्कि 72 दिनों तक आदिवासी क्षेत्रों में डेरा डालकर बैठ जाएं, तब भी अब आदिवासी समाज उनके राजनीतिक प्रयासों से गुमराह नहीं होगा। राजनीतिक हलकों में चल रही चर्चाओं के अनुसार, भाजपा ने आदिवासी क्षेत्रों में जनसंपर्क बढ़ाने और अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने के उद्देश्य से 72 घंटे के विशेष दौरे और रात्रि विश्राम जैसे कार्यक्रमों की योजना बनाई है। इसी मुद्दे पर निरंजन वसावा ने सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वर्षों से आदिवासियों की जमीन, जंगल और जल संसाधनों पर उनके अधिकारों को प्रभावित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव या राजनीतिक जरूरत के समय आदिवासी क्षेत्रों में दौरे कर विकास के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, जबकि योजनाओं का लाभ आम लोगों तक नहीं पहुंच रहा है। निरंजन वसावा ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में आज भी शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सिंचाई जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। युवा बेरोजगारी का सामना कर रहे हैं। ऐसे में नेताओं के दौरे केवल तस्वीरें खिंचवाने और राजनीतिक प्रदर्शन तक सीमित रह जाते हैं। उन्होंने कहा कि अब आदिवासी समाज की युवा पीढ़ी और आम नागरिक अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो चुके हैं और केवल आश्वासनों से प्रभावित नहीं होंगे। उन्होंने संवैधानिक प्रावधानों का उल्लेख करते हुए कहा कि आदिवासी समाज अपने संवैधानिक अधिकारों, पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम यानी पेसा कानून और पांचवीं अनुसूची के पूर्ण क्रियान्वयन की मांग पर अडिग है। उनका कहना है कि आदिवासी समाज अपनी जमीन, संस्कृति और पहचान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। निरंजन वसावा के इस बयान के बाद राज्य के राजनीतिक गलियारों में आदिवासी क्षेत्रों को लेकर भाजपा की रणनीति और सरकार की नीतियों पर बहस तेज हो गई है।

करोड़ों की संपत्ति और व्यापार छोड़ पत्नी व दो बेटियों के साथ दीक्षा लेंगे सूरत के व्यापारी दिलीपभाई भोगर



महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। हीरा और कपड़ा कारोबार के लिए प्रसिद्ध सूरत से एक परिवार के सामूहिक दीक्षा लेने के निर्णय की खबर सामने आई है। शहर के प्रतिष्ठित कपड़ा व्यापारी दिलीपभाई भोगर ने अपनी पत्नी और दो बेटियों के साथ सांसारिक जीवन छोड़कर संयम और आध्यात्म के मार्ग पर चलने का निर्णय लिया है। परिवार के इस फैसले की जानकारी सामने आने के बाद सूरत के व्यापारिक और सामाजिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिलीपभाई भोगर ने अपने पूरे परिवार के साथ सांसारिक मोह-माया और भौतिक सुख-सुविधाओं का त्याग कर आध्यात्मिक जीवन अपनाने का संकल्प लिया है। बताया जा रहा है कि परिवार करोड़ों रुपये की चल-अचल संपत्ति, बंगले, गाड़ियां और कारोबार छोड़कर संयम के मार्ग पर आगे बढ़ने की तैयारी कर रहा है। व्यापारी का अपनी पत्नी और दो बेटियों के साथ सामूहिक रूप से दीक्षा लेने का निर्णय विशेष चर्चा का विषय बना हुआ है। यह खबर सामने आने के बाद सूरत के हीरा और कपड़ा बाजार के व्यापारियों, परिचितों और रिश्तेदारों के बीच हलचल मच गई है। परिवार के इस अप्रत्याशित फैसले से मित्रों और संबंधियों में भावुकता का माहौल है। लोग इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि करोड़ों की संपत्ति और स्थापित व्यापार होने के बावजूद परिवार ने सांसारिक जीवन से दूर होकर आध्यात्मिक मार्ग चुनने का निर्णय कैसे लिया। दिलीपभाई भोगर और उनके परिवार की दीक्षा विधि तथा आगामी धार्मिक आयोजनों को लेकर जैन समाज और सूरत के लोगों में उत्सुकता बनी हुई है। परिवार के इस निर्णय की चर्चा शहर में लगातार हो रही है।

सूरत में दिव्यांग वकील के कार्यालय में घुसकर हमला, मकान बिकवाने के शक में की मारपीट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। हीरा नगरी सूरत में एक दिव्यांग वकील पर उनके ही कार्यालय में घुसकर हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक व्यक्ति ने मकान बिकवाने की आशंका के चलते वकील के साथ मारपीट की और कार्यालय में तोड़फोड़ कर हंगामा मचाया। घटना के बाद सूरत के वकीलों में नाराजगी देखी जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सूरत में वकालत करने वाले एक दिव्यांग वकील अपने कार्यालय में बैठकर रोजमर्रा का काम कर रहे थे। इसी दौरान एक व्यक्ति गुस्से में उनके कार्यालय में घुस आया। आरोपी को शक था कि वकील ने उसका मकान बिकवा दिया है। इसी संदेह और रंजिश के चलते उसने बिना बातचीत या स्पष्टीकरण के वकील पर हमला कर दिया और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। बताया गया है कि वकील के दिव्यांग होने के बावजूद आरोपी ने कोई रहम नहीं दिखाया। उसने कार्यालय में तोड़फोड़ करते हुए हंगामा किया और वकील पर हमला कर दिया। अचानक हुई इस घटना से कार्यालय में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग और अन्य वकील मौके पर पहुंचे तो आरोपी धमकी देकर वहां से फरार हो गया। घायल वकील को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के बाद सूरत के वकील मंडल और न्यायिक क्षेत्र में नाराजगी है। वकीलों ने सवाल उठाया है कि यदि कानून की जानकारी रखने वाला और विशेष रूप से दिव्यांग वकील अपने ही कार्यालय में सुरक्षित नहीं है, तो आम नागरिकों की सुरक्षा का क्या होगा? मामले में स्थानीय पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया की जा रही है।



अहमदाबाद में नशे के कारोबार के खिलाफ पुलिस की सख्त कार्रवाई, ड्रग्स तस्करों और सप्लायरों में बढ़ी हलचल

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। महानगर की युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त में धकेलने वाले ड्रग्स तस्करों और विक्रेताओं के खिलाफ अहमदाबाद पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। 'नो ड्रग्स इन अहमदाबाद' अभियान और राज्य सरकार की नशे के खिलाफ सख्त नीति के तहत पुलिस आयुक्त के निर्देश पर शहरभर में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अपराध शाखा, विशेष अभियान समूह (एसओजी) और स्थानीय पुलिस थानों की टीमों ने मुखबिर तंत्र सक्रिय कर नशीले पदार्थों की तस्करी और बिक्री में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ समय से अहमदाबाद के पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्रों में विशेष रूप से महाविद्यालय परिसरों, कैफे और सुनसान स्थानों के आसपास एमडी (मेफेड्रोन), गांजा, चरस और अफीम जैसे नशीले पदार्थों की बिक्री की शिकायतें सामने आ रही थीं। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए पुलिस ने विशेष कार्ययोजना तैयार की है। तकनीकी निगरानी और स्थानीय स्तर पर जुटाई गई सूचनाओं के आधार पर नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े मार्गों पर निगरानी बढ़ाई गई है और अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई में केवल छोटे विक्रेताओं तक सीमित रहने के बजाय दूसरे राज्यों से अहमदाबाद में नशीले पदार्थों की आपूर्ति करने वाले मुख्य लोगों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए नीचे से ऊपर और ऊपर से नीचे तक की जांच की रणनीति अपनाई जा रही है। इसका उद्देश्य पकड़े गए लोगों से पूछताछ के आधार पर यह पता लगाना है कि उन्हें नशीले पदार्थ किसने उपलब्ध कराए और उनकी आपूर्ति कहां से हुई। पुलिस पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़कर उसके खिलाफ कार्रवाई करने में जुटी है। इसके अलावा, आदतन नशा तस्करों की अवैध संपत्तियों को जब्त करने और उनके खिलाफ पेसा (पीएएसए) तथा स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) के तहत कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है। अहमदाबाद पुलिस की इस मुहिम के बीच नशीले पदार्थों की बिक्री में शामिल लोगों में हलचल बढ़ गई है।

वडोदरा पालिका में भूखंड आवंटन के मुद्दे पर कांग्रेस का प्रदर्शन, यूसुफ पठान को जमीन देने के प्रस्ताव का विरोध

महानगर मेट्रो ब्यूरो



वडोदरा। वडोदरा नगर निगम द्वारा पूर्व क्रिकेटर और सांसद यूसुफ पठान को भूखंड आवंटित करने के प्रस्ताव के विरोध में शहर कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। खंडेराव मार्केट स्थित नगर निगम के मुख्य कार्यालय में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एकत्र होकर सत्तापक्ष और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान धक्का-मुक्की और तनाव की स्थिति बनने पर पुलिस ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वडोदरा नगर निगम के प्रशासन और सत्ताधारी पक्ष की ओर से यूसुफ पठान को भूखंड आवंटित करने की पहल और प्रस्ताव को लेकर कांग्रेस ने विरोध जताया है। कांग्रेस का आरोप है कि शहर के गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार आवास तथा बुनियादी सुविधाओं के लिए लंबे समय से परेशान हैं, जबकि नगर निगम के पदाधिकारी नियमों को दरकिनार कर कीमती जमीन आवंटित करने की तैयारी कर रहे हैं। इसी मुद्दे को लेकर शहर कांग्रेस अध्यक्ष, विपक्ष के नेता सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता तख्तियां और बैनर लेकर नगर निगम कार्यालय पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने नगर निगम की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी कर परिसर में विरोध जताया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कार्यालय के अंदर जाने का प्रयास किया, जिस दौरान पहले से तैनात पुलिसकर्मियों के साथ उनकी धक्का-मुक्की और कहासुनी हुई। स्थिति तनावपूर्ण होने पर पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर पुलिस वाहन में बैठाया। इस दौरान पुलिस और विपक्षी नेताओं के बीच तीखी बहस भी हुई। हिरासत के दौरान कांग्रेस नेताओं ने मीडिया से बातचीत में आरोप लगाया कि वडोदरा की जनता के कर से जुटाए गए धन से बनी संपत्तियों और भूखंडों का मनमाने ढंग से आवंटन स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि विवादित प्रस्ताव तत्काल रद्द नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में आंदोलन तेज किया जाएगा और शहरभर में जन आंदोलन शुरू किया जाएगा। इस घटना के बाद वडोदरा के राजनीतिक गलियारों में भूखंड आवंटन का मुद्दा चर्चा का विषय बन गया है।

अहमदाबाद के दाणीलीमड़ा में पुलिस की कार्रवाई, 132 ग्राम गांजे के साथ शाहरुख शेख गिरफ्तार; फरार हुसैन उर्फ बंगड़ी की तलाश तेज

पुलिस थाने के नजदीक चल रहे नशे के कथित कारोबार का खुलासा, एक आरोपी पकड़ा गया और दूसरे की तलाश में पुलिस की टीमें जुटीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। शहर में नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री और तस्करी के खिलाफ पुलिस की ओर से चलाए जा रहे अभियान के बीच दाणीलीमड़ा क्षेत्र में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गांजे के कथित अवैध कारोबार का खुलासा किया है। स्थानीय पुलिस को मिली सूचना के आधार पर टीम ने क्षेत्र में निगरानी रखकर छापेमारी की और शाहरुख शेख नाम के व्यक्ति को 132 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई के दौरान उसका एक कथित साथी हुसैन उर्फ बंगड़ी पुलिस को देखकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। वहीं फरार आरोपी को पकड़ने के लिए तलाश तेज कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दाणीलीमड़ा क्षेत्र में कुछ लोगों द्वारा कथित तौर पर गांजे की अवैध खरीद-बिक्री और छोटे स्तर पर वितरण किए जाने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना में बताया गया था कि क्षेत्र में कुछ संदिग्ध लोग नशीले पदार्थों के कारोबार से जुड़े हुए हैं। इसके बाद दाणीलीमड़ा पुलिस ने सूचना की गंभीरता को देखते हुए संबंधित इलाके में निगरानी शुरू की। पुलिस टीम ने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी और सूचना के आधार पर कार्रवाई की तैयारी की। इसी दौरान पुलिस ने शाहरुख शेख नाम के व्यक्ति को पकड़कर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से करीब 132 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजे के इस जखीरे को जब्त कर लिया और शाहरुख शेख को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। बरामद नशीले पदार्थ को लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसके खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में इस मामले में हुसैन उर्फ बंगड़ी नाम के एक अन्य व्यक्ति का नाम सामने आया है। बताया गया कि वह भी कथित तौर पर इस गतिविधि से जुड़ा हुआ था। पुलिस की कार्रवाई की भनक लगने पर हुसैन उर्फ बंगड़ी मौके से फरार हो गया। इसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की ओर से आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वह किस स्थान पर छिपा हो सकता है और इस मामले में उसकी वास्तविक भूमिका क्या थी। इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने गिरफ्तार शाहरुख शेख से गांजे की बरामदगी से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर पूछताछ शुरू की है। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि उसके पास मिला गांजा कहां से आया था और वह इसे किस उद्देश्य से अपने पास रखे हुए था। इसके अलावा यह भी जांच की जा रही है कि गांजे की खरीद किस व्यक्ति से की गई थी और इसके पीछे कोई अन्य व्यक्ति या समूह सक्रिय था या नहीं। पुलिस के सामने इस मामले में एक महत्वपूर्ण सवाल गांजे की आपूर्ति के स्रोत का भी है। जांच अधिकारी यह पता लगाने में जुटे हैं कि नशीला पदार्थ शहर के किस हिस्से से लाया गया था। क्या इसकी आपूर्ति केवल दाणीलीमड़ा क्षेत्र तक सीमित थी या इसे शहर के अन्य इलाकों में भी पहुंचाया जा रहा था, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस कथित कारोबार में अन्य कितने लोग शामिल हो सकते हैं और गिरफ्तार आरोपी के संपर्क किन लोगों से थे। दाणीलीमड़ा क्षेत्र में पुलिस थाने के नजदीक नशीले पदार्थों के कथित कारोबार की सूचना सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर भी इस कार्रवाई को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्षेत्र में गांजे की अवैध बिक्री कब से चल रही थी और इसके संबंध में पहले भी कोई शिकायत या सूचना मिली थी या नहीं। जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा सकती है। शहर में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर रोक लगाने के लिए पुलिस की ओर से लगातार कार्रवाई किए जाने की बात कही जा रही है। दाणीलीमड़ा में हुई इस कार्रवाई में एक आरोपी की गिरफ्तारी और दूसरे के फरार होने के बाद जांच का दायरा बढ़ गया है।

12 घंटे के भीतर पुलिस ने पकड़े दुकान में चोरी करने वाले 6 नाबालिग, दो दुकानों से चुराया था सामान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। थाना बसंतपुर पुलिस और साइबर टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दुकानों के ताले तोड़कर चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले 6 नाबालिगों को महज 12 घंटे के भीतर पकड़ लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से 1,000 रुपये नकद और चोरी किया गया सामान बरामद किया है। जानकारी के अनुसार, 17 नवंबर 2026 की रात जिला राजनांदगांव के थाना बसंतपुर क्षेत्र में अज्ञात चोरों ने दुकानों के ताले तोड़कर दो दुकानों में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। घटना की सूचना मिलने पर थाना बसंतपुर में अपराध क्रमांक 549/26 और 550/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2), 331(4), 305 और 3(5) में मामले दर्ज किए गए। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव अंकिता शर्मा के मार्गदर्शन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर और नगर पुलिस अधीक्षक आदित्य कुमार के दिशा-निर्देश पर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। इसके बाद थाना प्रभारी निरीक्षक कौशलेश देवांगन के नेतृत्व में पुलिस टीम ने साइबर टीम के साथ मिलकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर संदिग्धों की तलाश शुरू की गई। पुलिस की तत्परता और प्रभावी कार्रवाई के परिणामस्वरूप चोरी की घटनाओं में संलिप्त 6 विधि से संघर्षरत बालकों को 12 घंटे के भीतर पकड़ लिया गया। पूछताछ में उन्होंने 4 स्थानों पर दुकानों के ताले तोड़ने और 2 स्थानों पर चोरी करने की बात स्वीकार की। उनके कब्जे से चोरी की 1,000 रुपये की नकद राशि और सामान बरामद किया गया है। मामले में नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी कौशलेश देवांगन, उपनिरीक्षक नरेश सार्वा, प्रधान आरक्षक दीपक जायसवाल, आरक्षक भुनेश्वर जायसी सहित अन्य पुलिसकर्मियों और राजनांदगांव साइबर टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। राजनांदगांव पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी दुकानों और प्रतिष्ठानों में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम रखें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल नजदीकी थाने या पुलिस को दें।

वडोदरा में 1.40 करोड़ रुपये के शराबकांड में हेड कांस्टेबल दीपु सिंह निलंबित, द्वारका मुख्यालय भेजे गए

नांदेशरी शराबकांड में पुलिसकर्मी पर गिरी गाज, पहले पीआई ए.ए. वाघेला भी हो चुके हैं निलंबित।



महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा पुलिस विभाग में नांदेशरी के करोड़ों रुपये के विदेशी शराबकांड को लेकर बड़ी कार्रवाई सामने आई है। इस मामले में चर्चा में आए हेड कांस्टेबल दीपु सिंह को आखिरकार निलंबित कर दिया गया है। निलंबन के साथ ही उन्हें देवभूमि द्वारका मुख्यालय में अतिरिक्त कर्मचारी के रूप में उपस्थित होने का आदेश दिया गया है। इस कार्रवाई के बाद वडोदरा पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है। पुलिस विभाग में दीपु सिंह के प्रभाव और उनकी कथित भूमिका को लेकर पहले से ही चर्चाएं चल रही थीं। अब उनके खिलाफ हुई कार्रवाई ने इस पूरे मामले को एक बार फिर सुर्खियों में ला दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला वडोदरा के नांदेशरी जीआईडीसी क्षेत्र के राधियापुरा गांव में पकड़े गए विदेशी शराब के बड़े जखीरे से जुड़ा हुआ है। यहां स्टेट मॉनिटरिंग सेल (एसएमसी) की टीम ने छापेमारी कर करीब 1.40 करोड़ रुपये की कीमत की विदेशी शराब बरामद की थी। इतनी बड़ी मात्रा में शराब मिलने के बाद राज्य के पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया था। इस कार्रवाई ने स्थानीय पुलिस की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए थे। लोगों के बीच यह चर्चा होने लगी थी कि आखिर स्थानीय पुलिस की जानकारी और निगरानी के बावजूद इतने बड़े स्तर पर अवैध शराब का कारोबार कैसे चल रहा था। एसएमसी की छापेमारी के बाद मामले की जांच का दायरा बढ़ाया गया। शराब के इस अवैध कारोबार के पीछे किन लोगों की भूमिका थी और इसे किसका संरक्षण प्राप्त था, इन सवालों को लेकर जांच आगे बढ़ी। इसी दौरान वडोदरा पुलिस के हेड कांस्टेबल दीपु सिंह का नाम भी चर्चा में आया। उन पर शराब के अवैध कारोबार से जुड़े लोगों के साथ कथित संपर्क और इस पूरे मामले में भूमिका को लेकर आरोप लगाए गए। पुलिस विभाग में उनके प्रभाव को लेकर भी कई तरह की चर्चाएं सामने आईं। हालांकि, इन आरोपों की अंतिम पुष्टि जांच के निष्कर्षों के आधार पर ही होगी। इस पूरे प्रकरण में पहले भी पुलिस विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई हो चुकी है। नांदेशरी पुलिस थाने के तत्कालीन पुलिस निरीक्षक ए.ए. वाघेला को इस मामले के सामने आने के बाद निलंबित कर दिया गया था। उस समय से ही यह मामला पुलिस महकमे में चर्चा का विषय बना हुआ था। अब हेड कांस्टेबल दीपु सिंह के निलंबन के बाद कार्रवाई का दायरा और बढ़ गया है। पहले पुलिस निरीक्षक और अब हेड कांस्टेबल पर हुई कार्रवाई ने स्थानीय पुलिस व्यवस्था और अधिकारियों की जवाबदेही को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। राज्य के पुलिस महानिदेशक और उच्च अधिकारियों के स्तर पर लिए गए फैसले के तहत दीपु सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

आणंद सिटी सर्वे कार्यालय में अधिकारियों की मनमानी का आरोप, समय पर नहीं पहुंचने से परेशान हो रहे आवेदक

महानगर मेट्रो ब्यूरो



आणंद। मिल्क सिटी आणंद की सरकारी कार्यालयों में प्रशासनिक लापरवाही और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। आणंद स्थित सिटी सर्वे कार्यालय में अधिकारियों और कर्मचारियों के निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं रहने के कारण आम नागरिकों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। जमीन और संपत्ति से जुड़े जरूरी काम कराने के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों से कार्यालय पहुंचने वाले आवेदकों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। इसके बावजूद कई लोगों के काम पूरे नहीं हो पाते और उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ता है। कार्यालय में निर्धारित समय के दौरान अधिकारियों की कुर्सियां खाली दिखाई देने पर एक जागरूक आवेदक ने पूरी स्थिति का वीडियो बनाकर सार्वजनिक कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद सरकारी कार्यालयों की कार्यप्रणाली और जवाबदेही को लेकर क्षेत्र में चर्चा शुरू हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आणंद सिटी सर्वे कार्यालय में प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिक जमीन और संपत्ति से संबंधित विभिन्न कार्यों के लिए पहुंचते हैं। इनमें प्रॉपर्टी कार्ड बनवाने, संपत्ति के अभिलेखों में सुधार कराने, जमीन से संबंधित रिकॉर्ड की जानकारी लेने और अन्य जरूरी दस्तावेजों से जुड़े कार्य शामिल हैं। इन कामों के लिए लोगों को कई बार पहले से आवेदन करना पड़ता है और जरूरी दस्तावेजों के साथ कार्यालय पहुंचना पड़ता है। कई आवेदक अपना काम छोड़कर सुबह ही कार्यालय पहुंच जाते हैं, ताकि समय पर उनका काम पूरा हो सके। लेकिन आरोप है कि कार्यालय का निर्धारित समय शुरू होने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी अपनी सीटों पर मौजूद नहीं रहते। ऐसे में आवेदकों को यह तक पता नहीं चल पाता कि उनका काम कब होगा और संबंधित अधिकारी कब कार्यालय पहुंचेंगे। बताया जा रहा है कि कुछ आवेदकों को अपने काम के लिए एक ही कार्यालय के कई चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। दूर-दराज से आने वाले लोगों के लिए यह परेशानी और भी बढ़ जाती है, क्योंकि उन्हें आने-जाने में समय और पैसे दोनों खर्च करने पड़ते हैं। कई बार पूरा दिन इंतजार करने के बाद भी संबंधित अधिकारी से मुलाकात नहीं हो पाती। इसके चलते लोगों का रोजगार प्रभावित होता है और उनके जरूरी काम भी अटक जाते हैं। आम नागरिकों का कहना है कि सरकारी कार्यालयों में कामकाज के लिए समय निर्धारित किया जाता है, लेकिन जब जिम्मेदार कर्मचारी ही समय पर उपस्थित नहीं होंगे तो आम जनता को सुविधाएं कैसे मिलेंगी? इसी परेशानी से तंग आकर एक आवेदक ने कार्यालय की वास्तविक स्थिति को अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया। वायरल वीडियो में कार्यालय के भीतर अधिकारियों की खाली कुर्सियां दिखाई देने का दावा किया गया है। आवेदक ने वीडियो के माध्यम से आरोप लगाया कि निर्धारित समय पर अधिकारी कार्यालय में मौजूद नहीं रहते और आम नागरिकों को अपने छोटे-बड़े कामों के लिए बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं। उसका कहना है कि लोग अपनी रोजमर्रा की जिम्मेदारियां छोड़कर सरकारी कार्यालयों में पहुंचते हैं, लेकिन वहां समय पर काम नहीं होने के कारण उन्हें परेशानी झेलनी पड़ती है। वीडियो के जरिए आवेदक ने संबंधित अधिकारियों और प्रशासनिक व्यवस्था का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित करने का प्रयास किया है।

अणगोर में बाल अधिकारों को लेकर जागरूकता रैली, 190 लोगों ने लिया भाग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। आंचल चैरिटेबल ट्रस्ट और एसबीआई फाउंडेशन की ओर से सिरोही के निकट अणगोर गांव के विद्यालय और ग्रामीण समुदाय में बाल अधिकारों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें करीब 190 लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों, अभिभावकों और ग्रामीणों को बाल अधिकारों, शिक्षा, सुरक्षा और बच्चों के सर्वांगीण विकास के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में खांबल के सरपंच हरदयाल सिंह देवड़ा और अणगोर विद्यालय के प्रधानाचार्य ओबा राम मौजूद रहे। इस दौरान जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें बच्चों और ग्रामीणों ने उत्साह से भाग लिया। रैली के माध्यम से शिक्षा के अधिकार, बाल श्रम की रोकथाम, बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता तथा बच्चों की सुरक्षा और सम्मान का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने शिक्षा के अधिकार, बाल श्रम और बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी।

जोधपुर में चुनावी रंजिश में युवक पर जानलेवा हमला, कैंपर चढ़ाकर कुचला पैर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। जिले के पीपाड़ शहर क्षेत्र में ग्राम पंचायत चुनाव की रंजिश को लेकर एक युवक पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। आरोप है कि बदमाशों ने पहले युवक के साथ मारपीट की और फिर कैंपर गाड़ी उसके पैर पर चढ़ा दी, जिससे उसका पैर बुरी तरह कुचल गया। हमलावरों ने हॉकी और लोहे के सरियों से उसके सिर पर भी कई वार किए। गंभीर रूप से घायल युवक का जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल में उपचार किया गया, जहां उसके पैर का ऑपरेशन हुआ। घटना 16 नवंबर की बताई जा रही है।तीन दिन पहले दी थी जान से मारने की धमकीपुलिस को दी गई रिपोर्ट में पीड़ित महेंद्र विश्नोई (23) ने बताया कि घटना से तीन दिन पहले हुणगांव निवासी श्यामलाल विश्नोई ने ग्राम पंचायत चुनाव की रंजिश को लेकर उसे जान से मारने की धमकी दी थी।महेंद्र के अनुसार, 16 नवंबर को वह अपने परिचित प्रमोद कच्छावाह के साथ चिरडाणी गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने गया था। वहां विष्णु ज्याणी, कमलेश विश्नोई और रमेश लेगा ने उसे देखकर गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद महेंद्र और प्रमोद वहां से निकलकर पीपाड़ शहर में माली छात्रावास के पास चाय की दुकान पर पहुंच गए।गाड़ी से टक्कर मारकर हॉकी और सरियों से हमलामहेंद्र ने आरोप लगाया कि कुछ देर बाद तीनों आरोपी थार गाड़ी लेकर वहां पहुंचे और उसे घेरकर थप्पड़-मुक्कों, स्टूल और हॉकी से हमला कर दिया। इस दौरान उसके गले से सोने की चेन भी तोड़ ली गई। इसके बाद आरोपी मौके से चले गए। महेंद्र के अनुसार, जब वह उनके पीछे गया तो आरोपियों ने जवासिया निवासी राहुल और मोहित मुंडेल को फोन कर बुला लिया।आरोप है कि राहुल और मोहित ने अपनी कैंपर गाड़ी से महेंद्र की कार को टक्कर मार दी। इसके बाद कैंपर से हॉकी और लोहे के सरिए निकालकर विष्णु, कमलेश, रमेश, राहुल, मोहित, अभिषेक सहित दो-तीन अन्य लोगों ने उसे घेर लिया और हमला शुरू कर दिया।वीडियो कॉल पर चेहरा दिखाकर गाड़ी चढ़ाने का आरोपपीड़ित ने रिपोर्ट में आरोप लगाया कि हमले के दौरान कमलेश ने वीडियो कॉल करके श्यामलाल को उसका चेहरा दिखाया। इसके बाद श्यामलाल ने वीडियो कॉल पर ही उसे खत्म करने के लिए कहा। यह सब देखकर महेंद्र का साथी प्रमोद डरकर दूर चला गया।महेंद्र का आरोप है कि इसके बाद हमलावरों ने उसके पैर पर कैंपर गाड़ी चढ़ा दी, जिससे पैर बुरी तरह कुचल गया। फिर हॉकी और लोहे के सरियों से सिर पर वार किए, जिससे उसका सिर फट गया। हमलावर उसे अधमरा समझकर मौके से फरार हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने उसे पीपाड़ शहर के अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल रेफर कर दिया।एक आरोपी पकड़ा, अन्य की तलाश जारीमहेंद्र ने आरोप लगाया कि श्यामलाल ने अन्य लोगों के साथ मिलकर उसे जान से मारने की साजिश रची थी। मामले के जांच अधिकारी एएसआई नाथूराम ने बताया कि प्रकरण की जांच की जा रही है।



15 करोड़ का कारोबार छोड़ जैन साधु बनने जा रहा पूरा परिवार, पत्नी और दो बेटियों के साथ लेंगे दीक्षा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। जिले के डांगियावास थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर चोरी हुई स्कॉर्पियो की तलाश में आए युवकों पर बदमाशों ने फायरिंग कर दी। आरोपियों ने अपनी स्कॉर्पियो से युवकों की गाड़ी को कई बार टक्कर मारी, जिससे उनकी गाड़ी अनियंत्रित होकर पलटती हुई खेत में जा घुसी। घटना में चार लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मामले में एक आरोपी मनीष जाट निवासी सालवा कला को पकड़ लिया है, जबकि दूसरे आरोपी सुनील जाट की तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार हनुमानगढ़ जिले के रावतसर से छह युवक स्कॉर्पियो में सवार होकर जोधपुर के सालवा कला पहुंचे थे। युवकों का दावा था कि उनकी सफेद रंग की स्कॉर्पियो करीब दो महीने पहले चोरी हो गई थी। गाड़ी में जीपीएस लगा होने के कारण उन्हें उसकी लोकेशन मिली थी। इसी लोकेशन के आधार पर वे वाहन की तलाश करते हुए यहां पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि चोरी की बताई जा रही स्कॉर्पियो में सवार दो युवकों ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया। आरोपियों ने अपनी गाड़ी से हनुमानगढ़ से आए युवकों की स्कॉर्पियो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गाड़ी अनियंत्रित होकर कई बार पलटी खाते हुए खेत में जा गिरी। बोनट पर लगी गोली, ग्रामीणों ने भी सुनी फायरिंग डांगियावास थानाधिकारी राजूराम के अनुसार दोपहर करीब 1:10 बजे घटना की सूचना मिली थी। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि दूसरी स्कॉर्पियो में सवार मनीष जाट और सुनील जाट ने फायरिंग की थी। एक गोली हनुमानगढ़ से आए युवकों की स्कॉर्पियो के बोनट पर लगी। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों को ग्रामीणों ने बताया कि आरोपियों ने दो से तीन हवाई फायर भी किए थे। हादसे में हनुमानगढ़ से आए सुरेंद्र कुमार, सुधीर कुमार और भानु खान घायल हो गए। वहीं गाड़ी की टक्कर की चपेट में आने से स्थानीय भेड़ पालक बाबूलाल जाट भी घायल हो गया। चारों घायलों को जोधपुर के महात्मा गांधी अस्पताल पहुंचाया गया।घायल का आरोप- पिस्तौल के बट से सिर पर किया वार घायल सुरेंद्र कुमार ने बताया कि वह किसान हैं और उनकी स्कॉर्पियो करीब दो महीने पहले चोरी हुई थी। वाहन में लगे जीपीएस की सहायता से उसकी लोकेशन मिली तो वे गाड़ी लेने जोधपुर पहुंचे। उनके अनुसार चोरी की बताई जा रही गाड़ी एक ढाणी के बाहर खड़ी थी। उन्हें देखकर उसमें सवार लोग गाड़ी भगाने लगे। उन्होंने आरोपियों से रुककर बात करने को भी कहा और पुलिस को सूचना दे दी थी। सुरेंद्र के मुताबिक, इसके बाद उन्होंने गाड़ी का पीछा किया तो बदमाशों ने तीन से चार अन्य गाड़ियां भी बुला लीं। आरोप है कि बदमाशों ने उनकी स्कॉर्पियो का पीछा करते हुए कई बार टक्कर मारी और फायरिंग की। इससे उनकी गाड़ी चार से पांच पलटी खाते हुए खेत में जा गिरी। सुरेंद्र ने आरोप लगाया कि बदमाशों ने पलटी हुई गाड़ी पर भी फायरिंग की और उनके साथ मारपीट की। एक गोली उनके बेटे को छूते हुए निकल गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बदमाशों ने पिस्तौल के बट से उनके सिर पर वार किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार आरोपी की तलाश जारी है।

शांतिवन में नशामुक्ति महाअभियान के तहत सम्मान समारोह

दस करोड़ लोगों को नशामुक्ति की प्रतिज्ञा दिलाने के अभियान में उत्कृष्ट योगदान देने वाले ब्रह्माकुमार भाई-बहनों को स्मृति चिह्न देकर किया सम्मानित, संत-महात्माओं ने आध्यात्मिक शक्ति और राजयोग के महत्व पर दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मुख्यालय शांतिवन स्थित डायमंड हॉल में दस करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान के तहत सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में कर्नाटक जोन में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले ब्रह्माकुमार भाई-बहनों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए संत-महात्माओं और आध्यात्मिक विभूतियों ने नशामुक्ति, मानसिक शांति और सामाजिक बदलाव में आध्यात्मिकता की भूमिका पर विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम में महाराष्ट्र के अहिल्यानगर स्थित श्रीगंगागिरी महाराज संस्थान के मठाधिपति महंत रामगिरी महाराज, मुंबई से आए महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंद सरस्वती महाराज तथा पुणे की साध्वी आचार्य जॉली को शॉल पहनाकर सम्मानित किया गया।र स्वामी प्रेमानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि दुनिया में अनेक मिशन और संस्थाएं कार्य कर रही हैं, लेकिन उनके अनुभव में ब्रह्माकुमारीज ऐसा संगठन है, जहां प्रत्येक व्यक्ति के साथ प्रेम और अपनत्व का व्यवहार किया जाता है। उन्होंने राजयोग ध्यान को मानसिक और शारीरिक परेशानियों से राहत पाने का प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि मानसिक तनाव से परेशान व्यक्ति ब्रह्माकुमारीज संस्थान में आकर शांति और सुकून का अनुभव कर सकता है। दुनिया में लोग भौतिक साधनों से संपन्न हैं, लेकिन यहां से साधना और आध्यात्मिक



अनुभव की संपन्नता लेकर जाएंगे। उन्होंने नवापारा की ब्रह्माकुमारी पुष्पा दीदी की ओर से हर साल बड़े स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने के प्रयासों का भी उल्लेख किया। रामगिरी महाराज ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान तन और मन की शुद्धि के साथ दुनिया में शांति का संदेश देने का कार्य कर रहा है। उन्होंने नशे को जीवन बर्बाद करने वाला बताते हुए कहा कि किसी प्राणी की हत्या कर उसका मांस खाना और शराब का सेवन करना भी व्यसन की श्रेणी में आते हैं। समाज को नशे और बुरी आदतों से दूर रखने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। पुणे की साध्वी आचार्य जॉली ने कहा कि उन्होंने दुनिया के कई संस्थानों का दौरा किया है, लेकिन शांतिवन में उन्हें आत्मा के लिए नई शक्ति, ऊर्जा और शांति का अनुभव हुआ। उन्होंने कहा कि जब नारी शक्ति के साथ आध्यात्मिक शक्ति का समावेश होता है, तब समाज ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।कार्यक्रम में मेडिकल विंग के सचिव एवं दस करोड़ नशामुक्ति महाअभियान के संयोजक डॉ. बनारसी लाल तथा गीता ज्ञान विशेषज्ञ राजयोगिनी बीके ऊषा दीदी भी मौजूद रहीं। कर्नाटक जोन के बेलगाम उपक्षेत्र की निदेशिका बीके अंबिका दीदी और हुबली उपक्षेत्र की निदेशिका निर्मला दीदी का भी उल्लेख किया गया। समारोह में गुलबर्गा उपक्षेत्र की निदेशिका विजया दीदी, मैसूर उपक्षेत्र की निदेशिका बीके लक्ष्मी दीदी, बेंगलुरु वीवीपुरम उपक्षेत्र की निदेशिका बीके अंबिका दीदी, बेंगलुरु सिटी उपक्षेत्र की निदेशिका बीके लीला दीदी और बेंगलुरु कुमारा पार्क उपक्षेत्र की निदेशिका बीके सरोज दीदी को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।इस अवसर पर धार्मिक प्रभाग इंदौर जोन के संयोजक बीके नारायण भाई, राजिम-नवापारा सेवाकेंद्र की प्रभारी बीके पुष्पा दीदी, अहमदनगर के डॉ. दीपक हरके सहित बड़ी संख्या में ब्रह्माकुमार भाई-बहन उपस्थित रहे। समारोह में नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए आध्यात्मिक जागरूकता, आत्मिक शक्ति और सामूहिक सहभागिता का संदेश दिया गया।

राजस्थान में सीजन की पहली बड़ी ठंड, फतेहपुर में पारा 7.4 डिग्री पर पहुंचा

माउंट आबू से भी ठंडा रहा शेखावाटी, बर्फीली हवाओं ने बढ़ाई ठिठुरन; अगले एक सप्ताह मौसम साफ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवाओं के कारण राजस्थान में सर्दी का असर लगातार बढ़ रहा है। प्रदेश के कई शहरों में लगातार दूसरे दिन न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। शेखावाटी क्षेत्र में इस मौसम में पहली बार न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया। सीकर जिले के फतेहपुर में पारा गिरकर 7.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में प्रमुख रूप से सबसे कम रहा। खास बात यह रही कि फतेहपुर में माउंट आबू से भी अधिक ठंड महसूस की गई। माउंट आबू का न्यूनतम तापमान करीब 10.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में अगले एक सप्ताह तक मौसम साफ रहने का अनुमान है। इस दौरान तापमान में हल्का उतार-चढ़ाव हो सकता है, लेकिन सुबह और शाम सर्दी का असर



बढ़ने की संभावना है। दिन में धूप से बढ़ा तापमान, रात में ठंड का असर पिछले 24 घंटों के दौरान मंगलवार को प्रदेशभर में आसमान साफ रहा और दिनभर धूप खिली रही। धूप के कारण कई शहरों में दिन के अधिकतम तापमान में करीब एक डिग्री तक बढ़ोतरी दर्ज की गई। चित्तौड़गढ़ में सबसे अधिक 36 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। इसके अलावा बाड़मेर में 33.6, पाली में 32.6, जोधपुर में 31.8, जैसलमेर में 31.4, टोंक में 31.1 और डूंगरपुर में 31 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। हालांकि दिन में तेज धूप खिलने के बावजूद सर्द हवाओं के कारण लोगों को गर्मी का अहसास नहीं हुआ।

बिना ब्रेक की हल्की साइकिल पर पोलो खेलते हैं खिलाड़ी, राजस्थान में पहली बार राष्ट्रीय प्रतियोगिता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। पोलो का नाम सुनते ही आमतौर पर घोड़ों पर सवार खिलाड़ियों की तस्वीर सामने आती है, लेकिन जोधपुर में इन दिनों एक अलग ही नजारा देखने को मिल रहा है। यहां खिलाड़ी घोड़ों की जगह साइकिल पर सवार होकर हाथ में पोलो स्टिक थामे गोल दागते नजर आ रहे हैं। जोधपुर के पोलो मैदान में राजस्थान में पहली बार राष्ट्रीय साइकिल पोलो पुरुष प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इसमें देश के 22 राज्यों के करीब 500 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला आज खेला जाएगा।इस प्रतियोगिता की खास बात यह है कि इसमें पहली बार वरिष्ठ, कनिष्ठ और उपकनिष्ठ तीनों आयु वर्ग के खिलाड़ी एक साथ भाग ले रहे हैं। साइकिल पोलो देखने में जितना रोमांचक है, इसके नियम और खेलने का तरीका भी उतना ही अलग है। इस खेल में केवल दाएं हाथ से खेलने वाले खिलाड़ियों को ही भाग लेने का अवसर मिलता है। बाएं हाथ से खेलने वाले खिलाड़ी इसमें हिस्सा नहीं ले सकते।एक टीम में आठ खिलाड़ी, मैदान में चार की भूमिकासाइकिल पोलो में प्रत्येक टीम में आठ खिलाड़ी होते हैं, लेकिन एक समय में एक टीम के केवल चार खिलाड़ी ही मैदान में खेलते हैं। सभी खिलाड़ी साइकिल पर सवार होकर पोलो स्टिक की मदद से गेंद को गोल में पहुंचाने का प्रयास करते हैं। इस खेल की एक और अनोखी बात यह है कि मैदान में निर्णायक भी साइकिल पर सवार होकर मुकाबले पर नजर रखते हैं।साइकिल से हटाए जाते हैं कई उपकरणइस खेल में इस्तेमाल होने वाली साइकिल को सामान्य साइकिल की तुलना में हल्का बनाया जाता है, ताकि खिलाड़ी तेजी से साइकिल चला सकें और आसानी से दिशा बदल सकें।

टोंक के किसानों को 25 नवंबर से मिलेगा बीसलपुर बांध का पानी, 82 हजार हेक्टेयर में होगी रबी की सिंचाई

कम बारिश के कारण पिछले वर्षों की तुलना में कम मिलेगा सिंचाई का पानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक। जिले के किसानों को रबी की फसलों की सिंचाई के लिए 25 नवंबर से बीसलपुर बांध का पानी मिलेगा। बुधवार को जिला कलेक्टर टीना डाबी की अध्यक्षता में आयोजित बीसलपुर बांध जल वितरण समिति की बैठक में नहरों में पानी छोड़ने की तारीख और मात्रा को लेकर सहमति बनी। निर्णय के अनुसार करीब 2 टीएमसी पानी नहरों में छोड़ा जाएगा, जिससे लगभग 82 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में रबी की फसलों की सिंचाई हो सकेगी।

कम बारिश के कारण सीमित रहेगा पानी कलेक्टर टीना डाबी ने



बताया कि कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट सहित संगठन के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। बैठक में सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता, नहरों में जल प्रवाह की मात्रा और वितरण व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई। कलेक्टर ने बताया कि इस वर्ष कम बारिश होने के कारण बीसलपुर बांध पूरी क्षमता से नहीं भर पाया है। इसके चलते सिंचाई के लिए आरक्षित पूरा पानी उपलब्ध कराना संभव नहीं होगा। बैठक में किसानों की जरूरतों और बांध में उपलब्ध जलराशि को ध्यान में रखते हुए करीब 2 टीएमसी पानी नहरों में छोड़ने पर सहमति बनी। उन्होंने कहा कि समय और परिस्थितियों के अनुसार जल वितरण व्यवस्था में आवश्यक सुधार के प्रयास किए जाएंगे। किसानों को फसलों की सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता रहेगी। बैठक के दौरान किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट और किसानों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम कलेक्टर टीना डाबी को ज्ञापन भी सौंपा। 25 नवंबर तक पूरी होगी नहरों की सफाई कलेक्टर ने बताया कि नहरों की सफाई का कार्य लगातार जारी है। जिन स्थानों पर अभी तक सफाई पूरी नहीं हुई है, वहां 25 नवंबर तक काम पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि निर्धारित समय पर नहरों नी छोड़ा जा

पाली में संविधान रक्षा मार्च की तैयारियों को लेकर कांग्रेस की बैठक, जयपुर में जुटेंगे कार्यकर्ता



महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार 26 नवंबर को जयपुर में आयोजित होने वाले संविधान रक्षा मार्च की तैयारियों को लेकर मंगलवार को कांग्रेस भवन में बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, मार्च में कार्यकर्ताओं की भागीदारी और आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर चर्चा की गई।जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाड़ा ने कहा कि जयपुर में होने वाले संविधान रक्षा मार्च में पाली जिले से अधिकाधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संगठन के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभाएं।बैठक में वोट चोरी और मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की भी समीक्षा की गई। जिलाध्यक्ष ने मतदाता सूची से हटाए गए मतदाताओं का सत्यापन करने और इस संबंध में जमीनी स्तर पर लगातार निगरानी रखने की आवश्यकता जताई।बूथ स्तर पर वोट रक्षक और बीएलए की नियुक्ति पर जोरनिम्बाड़ा ने बूथ स्तर पर वोट रक्षक और बूथ स्तरीय अभिकर्ताओं (बीएलए) की नियुक्ति करने के जताई

अणगोर गांव में बाल अधिकारों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम, शिक्षा और सुरक्षा का संदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। आंचल चैरिटेबल ट्रस्ट और एसबीआई फाउंडेशन की ओर से सिरोही के निकट अणगोर गांव के विद्यालय और समुदाय में बाल अधिकारों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 190 लोगों ने भाग लेकर बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और सर्वांगीण विकास से जुड़े मुद्दों पर जानकारी प्राप्त की।कार्यक्रम में खांबल के सरपंच हरदयाल सिंह देवड़ा और अणगोर विद्यालय के प्रधानाचार्य ओबा राम मौजूद रहे। आयोजन का उद्देश्य बच्चों, अभिभावकों और ग्रामीणों को बाल अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा बच्चों के लिए सुरक्षित और शिक्षित वातावरण तैयार करना था। कार्यक्रम के दौरान जागरूकता रैली निकाली गई। इसमें बच्चों और ग्रामीणों ने भाग लेकर शिक्षा के अधिकार, बाल श्रम की रोकथाम और बाल विवाह के खिलाफ आवाज उठाने का संदेश दिया। रैली के माध्यम से बच्चों की सुरक्षा, सम्मान और समान अधिकारों के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने शिक्षा का अधिकार, बाल श्रम और बाल विवाह के दुष्परिणाम, बाल शोषण से बचाव तथा बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे के साथ समानता और सम्मान का व्यवहार किया जाना चाहिए। वक्ताओं ने बच्चों से अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और किसी भी प्रकार के शोषण चाहिए।

आबूरोड के वार्ड 35 में पेयजल व्यवस्था का निरीक्षण, पानी के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे

अधिकारियों ने जलापूर्ति, पानी का दबाव और गुणवत्ता परखी, स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के लिए सुधार के दिए निर्देश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

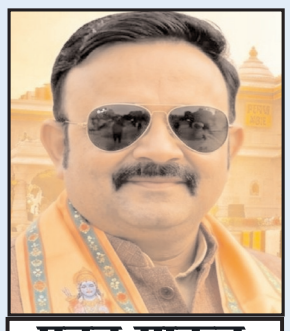
आबूरोड। शहर के वार्ड नंबर 35 में जलदाय विभाग की टीम ने पेयजल व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने जलापूर्ति की स्थिति, पानी के दबाव और गुणवत्ता की जांच की। साथ ही अलग-अलग स्थानों से पानी के नमूने लेकर गुणवत्ता परीक्षण के लिए भेजे गए।निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता



हेमंत, कालूराम, जल गुणवत्ता जांच अधिकारी सुमित, कनिष्ठ अभियंता सचिन, भाजपा नगर महामंत्री दिनेश कुमार और वॉलमैन लक्ष्मीकांत चौहान मौजूद रहे। वार्ड पार्षद कु. आयुषी और पूर्व पार्षद दीपक कुमार ने भी अधिकारियों के साथ वार्ड की पेयजल व्यवस्था का जायजा लिया।इस दौरान वार्ड में जलापूर्ति से जुड़ी समस्याओं और पानी के दबाव की स्थिति पर चर्चा की गई। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि वार्डवासियों को स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। इसके लिए विभागीय अधिकारियों के साथ मिलकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया जा रहा है, ताकि पेयजल संबंधी समस्याओं का समय पर समाधान हो सके और जलापूर्ति व्यवस्था में आवश्यक सुधार किए जा सकें।पानी के नमूनों की जांच रिपोर्ट आने के बाद गुणवत्ता की स्थिति स्पष्ट होगी। अधिकारियों के निरीक्षण का उद्देश्य वार्डवासियों को बेहतर पेयजल सुविधा उपलब्ध कराना और जलापूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना है।



वैश्विक व्यवस्था का बदलता चेहराः अब अर्थव्यवस्था नहीं, रणनीतिक ताकत भी तय करेगी दुनिया का भविष्य



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

कोविड महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापारिक टकराव ने दुनिया को एक नए दौर में पहुंचा दिया है। दशकों तक वैश्वीकरण को आर्थिक विकास, व्यापार विस्तार और समृद्धि का सबसे प्रभावी माध्यम माना जाता रहा, लेकिन अब यह धारणा तेजी से बदल रही है। दुनिया के देश समझने लगे हैं कि केवल एक-दूसरे के बाजारों से जुड़ना और सस्ती आपूर्ति पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। संकट के समय अपनी जरूरतों को पूरा करने की क्षमता, संसाधनों पर नियंत्रण, तकनीकी आत्मनिर्भरता और भरोसेमंद रणनीतिक साझेदारियां भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। इसी बदलती वास्तविकता की ओर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने टोक्यो में आयोजित रायसीना टोक्यो 2026 के उद्घाटन सत्र में दुनिया का ध्यान आकर्षित किया। उनके द्वारा वैश्विक व्यवस्था की पांच प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख वर्तमान अंतरराष्ट्रीय राजनीति और अर्थव्यवस्था को समझने के साथ-साथ आने वाले वर्षों की चुनौतियों का आकलन करने के लिए भी महत्वपूर्ण है। दशकों तक वैश्वीकरण को दुनिया की आर्थिक प्रगति का आधार माना गया। देशों ने व्यापारिक बाधाएं कम कीं, विदेशी निवेश को प्रोत्साहित किया और उत्पादन तथा आपूर्ति की ऐसी व्यवस्था विकसित की, जिसमें अलग-अलग देशों की भूमिका एक-दूसरे से जुड़ती चली गई। किसी देश में कच्चे माल का उत्पादन होता था, दूसरे देश में उसका प्रसंस्करण किया जाता था और तीसरे देश में तैयार वस्तु का निर्माण कर वैश्विक बाजार में पहुंचाया जाता था। इस व्यवस्था से कंपनियों को कम लागत पर उत्पादन करने, उपभोक्ताओं को सस्ती वस्तुएं उपलब्ध कराने और देशों को आर्थिक विकास के नए अवसर मिले। लेकिन इसी प्रक्रिया में कई देशों की निर्भरता भी कुछ चुनिंदा देशों, क्षेत्रों और आपूर्ति मार्गों पर बढ़ती चली गई। वैश्वीकरण की यही निर्भरता संकट के समय बड़ी कमजोरी बनकर सामने आई। कोविड महामारी के दौरान जब कारखाने बंद हुए, बंदरगाहों पर गतिविधियां प्रभावित हुईं और अंतरराष्ट्रीय परिवहन व्यवस्था बाधित हुई, तब दुनिया को समझ आया कि एक क्षेत्र में पैदा हुआ संकट कितनी तेजी से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। दवाइयों, चिकित्सा उपकरणों, इलेक्ट्रॉनिक सामान, औद्योगिक कच्चे माल और रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में आई रुकावटों ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल वैश्विक व्यापार से जुड़ना पर्याप्त नहीं है। किसी भी देश के पास अपनी महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के वैकल्पिक साधन भी होने चाहिए। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय युद्धों और व्यापारिक विवादों ने इस चिंता को और गंभीर बना दिया। रूस-यूक्रेन संघर्ष ने ऊर्जा और खाद्यान्न आपूर्ति की वैश्विक व्यवस्था को प्रभावित किया। ऊर्जा कीमतों में उतार-चढ़ाव, परिवहन लागत में वृद्धि और व्यापारिक अनिश्चितता ने अनेक देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव डाला। वहीं, प्रमुख आर्थिक शक्तियों के बीच शुल्क, तकनीकी प्रतिबंध और बाजार तक पहुंच को लेकर बढ़ते विवादों ने यह दिखाया कि व्यापार अब केवल आर्थिक लाभ का विषय नहीं रह गया है। कई परिस्थितियों में इसका इस्तेमाल राजनीतिक और रणनीतिक दबाव बनाने के साधन के रूप में भी किया जा सकता है। जयशंकर द्वारा संसाधनों और प्रौद्योगिकी के हथियारीकरण की ओर ध्यान दिलाना इसी बदलाव का महत्वपूर्ण संकेत है। पहले प्राकृतिक संसाधनों, ऊर्जा और तकनीक को मुख्य रूप से आर्थिक विकास के साधन के रूप में देखा जाता था। अब इनका महत्व राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति से भी सीधे जुड़ गया है। तेल, गैस, दुर्लभ खनिज, सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण औद्योगिक उपकरण और डिजिटल तकनीक ऐसे क्षेत्र बन गए हैं, जिन पर नियंत्रण रखने वाले देश वैश्विक व्यवस्था में अपनी स्थिति मजबूत कर सकते हैं। यदि किसी देश की अर्थव्यवस्था किसी दूसरे देश से आने वाले महत्वपूर्ण संसाधन पर अत्यधिक निर्भर है, तो संकट के समय यह निर्भरता उसके लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। तकनीक के क्षेत्र में यह प्रतिस्पर्धा और अधिक स्पष्ट दिखाई दे रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, दूरसंचार, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष तकनीक और डिजिटल ढांचे में बढ़त हासिल करने की होड़ तेज हो चुकी है। आधुनिक अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा इन तकनीकों पर निर्भर होता जा रहा है। ऐसे में तकनीकी क्षमता केवल उद्योगों की उत्पादकता बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रक्षा, संचार, वित्तीय लेन-देन और प्रशासनिक व्यवस्था को भी प्रभावित करती है। जिन देशों के पास इन क्षेत्रों में मजबूत घरेलू क्षमता होगी, वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अधिक स्वतंत्र निर्णय लेने की स्थिति में रहेंगे। समुद्री मार्गों और व्यापारिक रास्तों का महत्व भी इसी कारण बढ़ा है। दुनिया का बड़ा हिस्सा समुद्री परिवहन के माध्यम से व्यापार करता है। ऊर्जा आपूर्ति, खाद्यान्न, औद्योगिक कच्चा माल और तैयार उत्पादों की आवाजाही के लिए कुछ महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग बेहद अहम हैं। इन मार्गों पर तनाव, संघर्ष या अवरोध पैदा होने से कई देशों की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है। इसी तरह डिजिटल नेटवर्क, बंदरगाह, ऊर्जा गलियारे और महत्वपूर्ण प्रवेश बिंदुओं पर नियंत्रण भी रणनीतिक ताकत का हिस्सा बनता जा रहा है।

मुख्यमंत्री किसी एक समाज के नहीं, पूरे गुजरात के होते हैंः जातिवाद और समाजवाद के नाम पर राजनीति करने वालों पर उठे सवाल

गुजरात की धरती हमेशा से व्यापार, उद्यम, साहस, मेहनत और सामाजिक समरसता की पहचान रही है। राज्य ने विकास, उद्योग, शिक्षा, व्यापार और आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। गुजरात की विकास यात्रा ने न केवल देश में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ध्यान आकर्षित किया है। हालांकि, पिछले कुछ समय से राज्य की राजनीति और सामाजिक मंचों पर जातिगत समीकरणों, समाज आधारित सम्मेलनों और समाजवाद के नाम पर होने वाली राजनीतिक गतिविधियों को लेकर बहस तेज हुई है। इस बहस के केंद्र में एक महत्वपूर्ण सवाल है कि क्या किसी संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति किसी एक समाज का प्रतिनिधि होता है या उसकी जिम्मेदारी पूरे राज्य की जनता के प्रति होती है? इस संदर्भ में यह विचार महत्वपूर्ण है कि मुख्यमंत्री चाहे किसी भी समाज से आते हों, उनका दायित्व केवल अपने समाज तक सीमित नहीं होता। मुख्यमंत्री पूरे गुजरात का प्रतिनिधित्व करते हैं और राज्य के प्रत्येक नागरिक के हितों की रक्षा करना उनकी संवैधानिक जिम्मेदारी होती है। सत्ता में पहुंचने के बाद किसी व्यक्ति की प्राथमिकता जाति, समुदाय या क्षेत्र विशेष के बजाय पूरे प्रदेश का विकास और जनता का कल्याण होना चाहिए। यही लोकतांत्रिक व्यवस्था की मूल भावना है। सत्ता और पद को किसी एक समाज की उपलब्धि मानने के बजाय इसे पूरे प्रदेश की जनता की जिम्मेदारी और विश्वास के रूप में देखा जाना चाहिए। आज राजनीति में जातिगत पहचान और सामाजिक समीकरणों का इस्तेमाल किस तरह किया जा रहा है, यह चर्चा का विषय बनता जा रहा है। चुनावी माहौल हो या सामान्य राजनीतिक गतिविधियां, कुछ नेता और सामाजिक संगठनों से जुड़े प्रतिनिधि अपने-अपने समाज की संख्या, प्रभाव और राजनीतिक हिस्सेदारी का उल्लेख करते हुए सरकार और राजनीतिक दलों पर दबाव बनाने की कोशिश करते हैं। समाज के अधिकारों और वास्तविक समस्याओं को उठाना लोकतंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन जब सामाजिक पहचान को केवल राजनीतिक दबाव या व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा का माध्यम बना दिया जाता है, तब इसके दूरगामी प्रभावों पर विचार करना जरूरी हो जाता है। राजनीति में समाज और जाति की भूमिका को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता। देश की सामाजिक संरचना में अलग-अलग समुदायों की अपनी पहचान, परंपराएं और समस्याएं हैं। कई बार सामाजिक संगठनों के माध्यम से शिक्षा, रोजगार, प्रतिनिधित्व और विकास से जुड़े मुद्दे सरकार तक पहुंचते हैं। यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। लेकिन सवाल तब उठता है, जब किसी समाज की मांगों को पूरे राज्य के हितों से ऊपर रखने की कोशिश की जाती है। किसी भी समुदाय की समस्याओं का समाधान जरूरी है, लेकिन उसके लिए दूसरे समुदायों के हितों की अनदेखी करना उचित नहीं हो सकता। संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल की जिम्मेदारी पूरे राज्य के प्रशासन को संचालित करना और सभी नागरिकों के हितों का ध्यान रखना है। मुख्यमंत्री किसी एक जाति, वर्ग या समुदाय के मंत्री नहीं होते। उनकी जिम्मेदारी कच्छ के रेगिस्तानी क्षेत्रों से लेकर दक्षिण गुजरात के आदिवासी इलाकों तक, सौराष्ट्र के गांवों से लेकर अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा और राजकोट जैसे बड़े शहरों तक फैली होती है। औदिच्य, पाटीदार, दरबार, दलित, आदिवासी, ओबीसी और अन्य सभी समुदायों के नागरिक राज्य की विकास यात्रा का हिस्सा हैं। इसलिए शासन की योजनाओं और प्रशासनिक फैसलों में समानता, न्याय और जनहित को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। गुजरात के विकास की चर्चा करते समय यह समझना भी जरूरी है कि सरकारी योजनाओं का लाभ किसी एक समाज तक सीमित नहीं रहता। सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, सिंचाई और परिवहन जैसी सुविधाएं पूरे प्रदेश की जरूरतें हैं। जब किसी गांव तक सड़क पहुंचती है, तो उसका लाभ वहां रहने वाले सभी परिवारों को मिलता है। जब नर्मदा का पानी खेतों तक पहुंचता है, तो उससे किसानों की आजीविका मजबूत होती है। इसी तरह बिजली, स्वास्थ्य केंद्र, विद्यालय और सार्वजनिक सुविधाएं समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए महत्वपूर्ण हैं। विकास का वास्तविक उद्देश्य यही है कि राज्य का कोई भी नागरिक मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहे। ऐसे में प्रशासनिक व्यवस्था को जातिगत दबावों से प्रभावित होने से बचाना भी जरूरी है। यदि किसी नेता

वडोदरा में खाकी पर दागः जिस थाने की सीमा में कभी दिखाया रौब, उसी थाने में PSI के खिलाफ दर्ज हुई गंभीर FIR; हत्या के मामले ने लिया नया मोड़



गुजरात पुलिस विभाग से जुड़ा एक संवेदनशील मामला सामने आया है, जिसने वडोदरा शहर और जिले के पुलिस महकमे में चर्चा छेड़ दी है। इस प्रकरण में जिस पुलिस अधिकारी या पुलिस उपनिरीक्षक की भूमिका पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं, उनके खिलाफ उसी पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज होने की बात सामने आई है, जिसके क्षेत्र में पहले उनकी तैनाती रही थी। शुरुआती जांच में क्लीन चिट मिलने के बावजूद मामला दोबारा जांच और कानूनी कार्रवाई के दायरे में आने से पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस मामले से जुड़े पुलिस अधिकारी ने पहले संबंधित थाना क्षेत्र में अपनी सेवाएं दी थीं। इसी क्षेत्र से जुड़े एक विवाद में उनकी भूमिका को लेकर आरोप लगाए गए थे। शुरुआती स्तर पर हुई जांच में उन्हें क्लीन चिट दिए जाने की बात कही गई थी। हालांकि, बाद में पीड़ित पक्ष की ओर से इस जांच पर सवाल उठाए गए और मामले से जुड़े तथ्यों तथा साक्ष्यों के आधार पर उच्च स्तर पर शिकायतें की गईं। इसके बाद प्रकरण ने एक बार फिर गंभीर रूप ले लिया। बताया जा रहा है कि पीड़ित परिवार और न्याय की मांग कर रहे लोगों ने मामले से जुड़े दस्तावेजों तथा अन्य साक्ष्यों के साथ अधिकारियों के समक्ष अपनी बात रखी। समय बीतने के साथ मामले के दस्तावेजों, चिकित्सकीय साक्ष्यों और घटनाक्रम से जुड़े तथ्यों की दोबारा जांच किए जाने की बात सामने आई। इस प्रक्रिया के बाद पहले दी गई क्लीन चिट पर सवाल खड़े हुए और मामले में गंभीर आपराधिक धाराओं के तहत कार्रवाई का रास्ता खुला। शुरुआत में जिस प्रकरण को सामान्य मारपीट या दुर्घटना से जुड़ा मामला माना जा रहा था, उसमें बाद में हत्या अथवा हत्या के प्रयास जैसे गंभीर आरोपों का पहलू सामने आने की बात कही जा रही है। इसी के साथ मामले की दिशा भी बदल गई। पुलिस थाने के रिकॉर्ड में पूर्व में वहां तैनात रहे अधिकारी के खिलाफ गंभीर प्राथमिकी दर्ज होने की खबर ने पूरे पुलिस महकमे का ध्यान इस ओर खींचा है। इस मामले में सबसे अहम सवाल शुरुआती जांच को लेकर उठ रहे हैं। यदि पहली जांच में किसी महत्वपूर्ण तथ्य या साक्ष्य पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया था, तो यह भी जांच का विषय हो सकता है कि ऐसा क्यों हुआ। वहीं, पीड़ित पक्ष की ओर से की गई शिकायतों और बाद में सामने आए साक्ष्यों का निष्पक्ष मूल्यांकन करना भी जरूरी है। किसी भी मामले में केवल आरोपों के आधार पर किसी को दोषी नहीं माना जा सकता। अंतिम निष्कर्ष जांच और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर ही तय होगा। प्रकरण सामने आने के बाद संबंधित पुलिस अधिकारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई, गिरफ्तारी और विभागीय कार्रवाई को लेकर भी चर्चा हो रही है। ऐसे मामलों में आरोपी अधिकारी के पास कानून के तहत अपना पक्ष रखने और न्यायिक राहत प्राप्त करने का अधिकार होता है। बताया जा रहा है कि इस प्रकरण में कानूनी स्तर पर भी लंबी लड़ाई चली है। गिरफ्तारी की आशंका, निलंबन और सेवा से जुड़े संभावित परिणामों के बीच संबंधित पक्षों की ओर से कानूनी रास्ते अपनाए जाने की बात कही जा रही है। यह मामला पुलिस विभाग की जवाबदेही और आंतरिक जांच व्यवस्था के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी निभाने वाले अधिकारियों पर ही जब गंभीर आरोप लगते हैं, तो जांच की निष्पक्षता और पारदर्शिता का महत्व और बढ़ जाता है। ऐसे मामलों में यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि शिकायतों की जांच बिना किसी दबाव के हो और सभी संबंधित साक्ष्यों को उचित महत्व दिया जाए। वडोदरा के पुलिस महकमे में इस प्रकरण को लेकर चर्चा बनी हुई है। शुरुआती जांच में मिली क्लीन चिट, बाद में सामने आए साक्ष्य और उसी थाना क्षेत्र में पूर्व अधिकारी के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी ने मामले को नया मोड़ दे दिया है। अब आगे की जांच और कानूनी प्रक्रिया से ही स्पष्ट होगा कि आरोपों में कितनी सच्चाई है और संबंधित अधिकारी की भूमिका के संबंध में क्या तथ्य सामने आते हैं।

पाटीदार आंदोलन के 14 शहीदों के बलिदान पर राजनीति करने वाले स्वयंभू नेताओं पर उठे सवाल, आनंदीबेन पटेल को लेकर दिए जा रहे बयानों से फिर गरमाई बहस

गुजरात के सामाजिक और राजनीतिक इतिहास में पाटीदार आरक्षण आंदोलन एक ऐसा अध्याय है, जिसकी घटनाएं और उससे जुड़ी पीड़ा आज भी समाज के बीच चर्चा का विषय बनी हुई हैं। आरक्षण की मांग और अपने अधिकारों को लेकर हुए इस आंदोलन के दौरान 14 पाटीदार युवाओं की मौत हुई थी। उस दौर में हुई घटनाओं ने गुजरात की राजनीति को प्रभावित किया और राज्य की तत्कालीन मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल के नेतृत्व को लेकर भी कई सवाल खड़े हुए थे। अब वर्षों बाद कुछ नेताओं की ओर से यह बयान दिया जा रहा है कि पाटीदार आरक्षण आंदोलन के कारण गुजरात ने एक अच्छी मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल को खो दिया और आज भी इसका अफसोस है। ऐसे बयानों के बाद एक बार फिर यह बहस शुरू हो गई है कि उस समय की परिस्थितियों, आंदोलन के दौरान हुई मौतों और राजनीतिक फैसलों की जिम्मेदारी को किस नजरिए से देखा जाना चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि जब आंदोलन अपने चरम पर था और समाज के युवा सड़कों पर उतरकर अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे थे, तब सामाजिक और राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका क्या थी? उस समय लिए गए फैसलों, सरकार और आंदोलनकारियों के बीच संवाद की स्थिति तथा प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर लंबे समय तक चर्चा होती रही। अब जब काफी समय बीत चुका है, तब कुछ नेताओं की ओर से तत्कालीन मुख्यमंत्री को लेकर अफसोस जताने वाले बयान सामने आ रहे हैं। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या उस समय भी इसी तरह की राजनीतिक समझ और दूरदर्शिता दिखाई गई थी, या अब बीती घटनाओं को नए राजनीतिक संदर्भ में प्रस्तुत किया जा रहा है? किसी भी बड़े सामाजिक आंदोलन में समय पर संवाद और जिम्मेदार निर्णयों का विशेष महत्व होता है। जब किसी समाज के युवा अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करते हैं, तब सरकार और सामाजिक नेतृत्व दोनों की जिम्मेदारी होती है कि परिस्थितियों को समझते हुए समाधान का रास्ता निकाला जाए। आंदोलन के दौरान तनाव बढ़ने पर संवाद की कमी और प्रशासनिक निर्णयों का प्रभाव दूरगामी हो सकता है। पाटीदार आरक्षण आंदोलन के दौरान हुई घटनाओं ने भी यही सवाल सामने रखा था कि क्या उस समय सभी पक्षों ने स्थिति को संभालने के लिए पर्याप्त प्रयास किए थे? आज पीछे मुड़कर बयान देना आसान हो सकता है, लेकिन उस दौर में समाज के सामने मौजूद कठिन परिस्थितियों और युवाओं की मांगों को समझना अधिक जरूरी था। समय बीतने के बाद जताया गया अफसोस कितना प्रासंगिक? इस पूरे विवाद में एक पुरानी कहावत बार-बार याद आती है—मरे हुए व्यक्ति के लिए वैद्य बुलाने का क्या अर्थ? इसका आशय यह है कि जब नुकसान हो चुका हो और समय हाथ से निकल गया हो, तब पछतावे से बीती परिस्थितियों को बदला नहीं जा सकता। पाटीदार आंदोलन के संदर्भ में भी यही सवाल उठ रहा है कि जब आंदोलन अपने निर्णायक दौर में था, तब समाज के हितों और युवाओं की मांगों को लेकर कितनी गंभीरता दिखाई गई थी। यदि उस समय संवाद और समझौते के रास्ते प्रभावी ढंग से अपनाए जाते, तो क्या परिस्थितियां अलग हो सकती थीं? यह ऐसा सवाल है, जिसका जवाब आज भी राजनीतिक और सामाजिक चर्चा में तलाशा जाता है। आंदोलन के दौरान 14 युवाओं की मौत ने पाटीदार समाज को गहरा आघात पहुंचाया था। उनके परिवारों के लिए यह केवल राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि जीवनभर का दर्द बन गई। ऐसे में जब वर्षों बाद आंदोलन को लेकर राजनीतिक बयान दिए जाते हैं, तो उन परिवारों की भावनाओं और उस समय की परिस्थितियों को ध्यान में रखना भी आवश्यक है। किसी मुख्यमंत्री के कार्यकाल या राजनीतिक नेतृत्व का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं किया जा सकता कि उनके जाने के बाद किसे उनकी कमी महसूस हुई। इसके लिए उस पूरे कार्यकाल, सरकार के फैसलों, आंदोलन के प्रति अपनाए गए रुख और प्रशासनिक कार्रवाई का निष्पक्ष आकलन जरूरी है।

एनवीडिया ने चीन को एआई चिप की आपूर्ति रोकी, ट्रंप के दौरे के बीच बड़ा फैसला; चीनी बाजार में कंपनी की मजबूत पकड़ पर असर की आशंका

अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी वर्चस्व की लड़ाई के बीच दुनिया की प्रमुख चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया का चीन को एआई चिप की आपूर्ति रोकने का फैसला वैश्विक तकनीकी उद्योग में चर्चा का विषय बन गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे और दोनों देशों के बीच चल रही उच्चस्तरीय बातचीत के दौरान आए इस फैसले को काफी अहम माना जा रहा है। इसका असर केवल एनवीडिया के कारोबार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि चीन की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़ी योजनाओं, डेटा सेंटर उद्योग और वैश्विक चिप बाजार पर भी पड़ सकता है। एनवीडिया लंबे समय से एआई चिप के वैश्विक बाजार में मजबूत स्थिति बनाए हुए है। कंपनी के प्रोसेसर का इस्तेमाल दुनिया की बड़ी तकनीकी कंपनियां अपने डेटा सेंटर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल, क्लाउड सेवाओं और बड़े स्तर पर गणना करने वाली प्रणालियों में करती हैं। चीन भी एनवीडिया के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार रहा है। दिए गए कारोबारी आंकड़ों के अनुसार, चीनी बाजार में बिकने वाली हर तीन में से लगभग एक चिप इसी कंपनी की होती है। ऐसे में चीन को आपूर्ति रोकने का फैसला कंपनी के लिए भी सामान्य कारोबारी निर्णय नहीं माना जा रहा। कंपनी की अंतरिम प्रमुख कोलेट क्रेस ने निवेशकों के साथ बातचीत में बताया कि एनवीडिया फिलहाल चीन को लाइसेंस प्राप्त हॉपर श्रेणी की डेटा सेंटर चिप की आपूर्ति नहीं कर रही है। कंपनी की आगामी कारोबारी योजना में भी चीन के लिए ऐसी किसी नई खेप को शामिल नहीं किया गया है। हालांकि, इस फैसले को स्थायी प्रतिबंध बताया गया है या परिस्थितियों के अनुसार इसमें बदलाव हो सकता है, इस बारे में कंपनी की ओर से कोई स्पष्ट समयसीमा नहीं दी गई है। एनवीडिया की हॉपर श्रेणी की चिप का इस्तेमाल बड़े कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल को प्रशिक्षित करने और उन्हें संचालित करने में किया जाता है। इन प्रोसेसर की मदद से बड़ी मात्रा में उपलब्ध आंकड़ों का तेजी से विश्लेषण किया जा सकता है। आधुनिक एआई सेवाओं, भाषा आधारित प्रणालियों, चित्र और वीडियो तैयार करने वाली तकनीक तथा बड़े डेटा सेंटर के संचालन में इनकी अहम भूमिका होती है। इसलिए इन चिप की आपूर्ति में रुकावट चीन की उन कंपनियों के लिए चुनौती बन सकती है, जो अपने एआई कारोबार का तेजी से विस्तार करना चाहती हैं। इस पूरे घटनाक्रम में एच200 चिप भी महत्वपूर्ण है। यह एनवीडिया की शक्तिशाली हॉपर श्रेणी का प्रोसेसर है, जिसे बड़े एआई मॉडल के प्रशिक्षण और संचालन के लिए तैयार किया गया है। चीन की कई तकनीकी कंपनियां ऐसी उन्नत चिप हासिल करने में रुचि रखती रही हैं, क्योंकि इनके माध्यम से एआई से जुड़ी सेवाओं की क्षमता बढ़ाई जा सकती है। हालांकि, अमेरिका की निर्यात नीति और चीन की अपनी आयात संबंधी शर्तों के कारण इन चिप की बिक्री लगातार जटिल होती गई है। दरअसल, अमेरिका और चीन के बीच उन्नत सेमीकंडक्टर तकनीक को लेकर विवाद नया नहीं है। वर्ष 2022 से अमेरिका ने चीन को अत्याधुनिक चिप और चिप निर्माण से जुड़ी तकनीक के निर्यात पर नियंत्रण लगाना शुरू किया था। इसके पीछे अमेरिकी सरकार की दलील रही है कि अत्याधुनिक कंप्यूटिंग तकनीक का इस्तेमाल सैन्य और रणनीतिक क्षमताओं को मजबूत करने में भी हो सकता है। इसी वजह से अमेरिका ने ऐसी चिप की बिक्री के लिए अलग-अलग नियम और लाइसेंस व्यवस्था लागू की। इन प्रतिबंधों का असर एनवीडिया के कारोबार पर भी पड़ा। चीन में कंपनी के लिए पहले की तरह अपने सबसे उन्नत प्रोसेसर बेचना आसान नहीं रहा। इसके बाद कंपनी ने ऐसे उत्पाद तैयार करने और उपलब्ध कराने की रणनीति अपनाई, जो अमेरिकी निर्यात नियमों के दायरे में रह सकें। लेकिन समय के साथ नियमों में बदलाव और दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव ने इस कारोबार को और कठिन बना दिया। बाद में अमेरिकी प्रशासन ने कुछ शर्तों के साथ एच200 चिप की बिक्री की अनुमति देने का रास्ता खोला था। इसके तहत चुनिंदा चीनी कंपनियों को लाइसेंस और सुरक्षा संबंधी शर्तों के

आज का राशिफल

(गुरुवार) 19 नवम्बर 2026

मेष — दिन की शुरुआत में उलझनें रहेंगी, लेकिन दोपहर बाद किसी अपने की मदद से काम आसानी से पूरे हो जाएंगे।

वृषभ — दफ्तर में सहकर्मियों के साथ मिलकर किया गया काम सफल रहेगा, रुका हुआ पुराना सरकारी काम आज पूरा होगा।

मिथुन — खान-पान का विशेष ध्यान रखें, परिवार के किसी बुजुर्ग की दी गई सलाह आपके भविष्य के लिए बहुत फायदेमंद होगी।

कर्क — नए प्रोजेक्ट की शुरुआत के लिए दिन शुभ है, जीवनसाथी से मिला कोई मनपसंद उपहार आपका दिन खुशनुमा बना देगा।

सिंह — अचानक धन लाभ होने से आर्थिक तंगी दूर होगी, कोर्ट-कचहरी के मामलों में फैसला आपके पक्ष में आ सकता है।

कन्या — कार्यक्षेत्र में तारीफ मिलेगी लेकिन गुप्त शत्रु नुकसान पहुँचा सकते हैं, किसी पर भी आंख मूंदकर भरोसा न करें।

तुला — सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा, शाम को दोस्तों के साथ मनोरंजन में समय बीतेगा।

वृश्चिक — व्यापार में किसी बड़े निवेशक से डील फाइनल हो सकती है, बच्चों के साथ समय बिताने से सारा तनाव मिटेगा।

धनु — पुराने मित्र से अचानक मुलाकात मन को प्रसन्न करेगी, लव लाइफ में चल रहा मनमुटाव बातचीत से सुलझ जाएगा।

मकर — सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों का मान-सम्मान बढ़ेगा, विद्यार्थियों का मन रचनात्मक गतिविधियों में लगेगा।

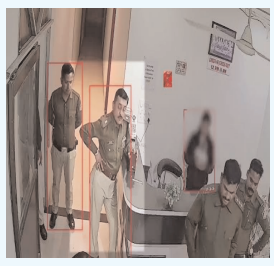
कुंभ — जमीन-जायदाद का सौदा करते समय कागजात अच्छे से जांच लें, भाई-बहनों से अनबन से बचने के लिए वाणी संयम रखें।

मीन — आध्यात्म में मन लगने से मानसिक शांति मिलेगी, व्यवसाय के सिलसिले में की गई छोटी यात्रा भविष्य में बहुत लाभदायक होगी।

' इनके बैग में गांजा रखो और फंसा दो...', होटल में ठहरे कपल को ASP ने धमकाया-

सिवनी में एडिशनल एसपी का CCTV वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो



सिवनी ।मध्य प्रदेश के सिवनी में पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं. यहां एडिशनल एसपी दीपक मिश्रा का एक CCTV वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह होटल में मौजूद एक कपल को गांजे के केस में फंसाने की धमकी देते नजर आ रहे हैं. वीडियो 13 नवंबर का बताया जा रहा है. इस घटना के सामने आने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है. फिलहाल मामले में एसपी कृष्ण लालचंदानी ने टीआई सतीश तिवारी समेत चार को सस्पेंड कर दिया है. जबकि एएसपी दीपक मिश्रा और सीएसपी चंचलेश मरकाम की भूमिका की जांच डीआईजी राकेश सिंह कर रहे हैं. आईजी प्रमोद वर्मा ने आज शाम तक अंतरिम रिपोर्ट और कल तक फाइनल रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं.वायरल CCTV फुटेज बबरिया रोड स्थित एक होटल के रिसेप्शन का बताया जा रहा है. इसमें एडिशनल एसपी दीपक मिश्रा के साथ SDOP चंचलेश मरकाम और टीआई सतीश तिवारी भी दिखाई दे रहे हैं. वीडियो में एडिशनल एसपी होटल में मौजूद एक कपल से कहते नजर आते हैं कि वे अपने घर पर फोन करके परिजनों को बुलाएं. जब कपल इसके लिए तैयार नहीं होता तो वह होटल स्टाफ से कथित तौर पर कहते हैं कि गांजा लाकर लड़के के बैग में रख दो. इससे पहले शनिवार को भी इसी होटल का एक दूसरा ष्टष्ठञ्जङ्क वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था. इसमें टीआई सतीश तिवारी होटल मैनेजर को होटल बंद करा देने की धमकी देते नजर आए थे. लगातार दो वीडियो सामने आने के बाद पुलिस अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं. होटल मालिक संजय सनोडिया ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उनका दावा है कि इस घटना से पहले पुलिस की ओर से उनसे पैसों की मांग की गई थी. इसके बाद वह अपने दोस्त योगेश गढ़वाल बिट्टू के साथ पैसे देने भी पहुंचे थे. हालांकि, आरोप है कि मांग के मुताबिक रकम नहीं देने के कारण उन्हें परेशान किया जा रहा है.अपने दोस्त योगेश गढ़वाल बिट्टू के साथ पैसे देने भी पहुंचे थे. हालांकि, आरोप है कि मांग के मुताबिक रकम नहीं देने के कारण उन्हें परेशान किया जा रहा है.अपने दोस्त योगेश गढ़वाल बिट्टू के साथ पैसे देने भी पहुंचे थे. हालांकि, आरोप है कि मांग के मुताबिक रकम नहीं देने के कारण उन्हें परेशान किया जा रहा है.

मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार ने सरकारी नौकरी को लेकर एक बड़ा फैसला किया है। अब राज्य में तीन बच्चे होने पर भी सरकारी नौकरी की पात्रता बनी रहेगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरी में सेवारत कर्मचारियों के लिए एक बहुत बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंदसौर के गांधी सागर में हुई कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक में राज्य सरकार ने एक ऐतिहासिक फैसला लिया है। सरकार ने मध्य प्रदेश सिविल सेवा नियम 1961 के प्रावधान में संशोधन करने का निर्णय लिया है, जिसके तहत अब दो से अधिक बच्चे होने पर भी उम्मीदवार सरकारी नौकरी के लिए पात्र माने जाएंगे।इस बड़े फैसले के तहत केवल नियुक्ति के नियम ही नहीं, बल्कि मध्य प्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 में भी संशोधन किया जाएगा। इसके तहत शासकीय सेवक के दो से अधिक बच्चे होने को 'कदाचार' की श्रेणी में रखे जाने वाले प्रावधान को बदला जा रहा है। अब यदि किसी शासकीय सेवक या आवेदक के 26 जनवरी 2001 या उसके बाद तीसरी संतान भी हुई है, तो उसे सेवा के लिए अपात्र नहीं माना जाएगा और न ही उसकी नौकरी खतरे में पड़ेगी।



दो से अधिक बच्चे

क्या था 25 साल पुराना नियम?

प्रदेश में 26 जनवरी 2001 से यह सख्त प्रावधान लागू किया गया था कि तीसरा बच्चा होने पर न तो नया व्यक्ति सरकारी नौकरी पा सकेगा और न ही पहले से सेवा में मौजूद कर्मचारी को रखा जाएगा; तीसरी संतान होने पर उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाएंगी।नया व्यक्ति सरकारी नौकरी पा सकेगा और न ही पहले से सेवा में मौजूद कर्मचारी को रखा जाएगा; तीसरी संतान होने पर उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाएंगी।

सड़क खोदी तो निकली रहस्यमयी तिजोरी, इंदौर के लालबाग पैलेस में आखिर क्या छिपा था

ऐतिहासिक लालबाग पैलेस में निर्माण कार्य के दौरान

महानगर मेट्रो ब्यूरो



इंदौर। इंदौर के ऐतिहासिक लालबाग पैलेस में सड़क निर्माण के लिए चल रही खुदाई के दौरान जमीन के भीतर से एक पुरानी तिजोरी मिली है. तिजोरी सामने आने के बाद कर्मचारियों में उत्सुकता बढ़ गई. इसे तत्काल सुरक्षित स्थान पर रखवा दिया गया और अधिकारियों को सूचना दी गई. अब जांच के बाद पता चलेगा कि तिजोरी कितनी पुरानी है और क्या इसका संबंध होलकर राजघराने से है.इंदौर के ऐतिहासिक लालबाग पैलेस में निर्माण कार्य के दौरान जमीन के भीतर से एक पुरानी तिजोरी मिलने के बाद चर्चाएं तेज हो गई हैं. सड़क निर्माण के लिए की जा रही खुदाई में अचानक तिजोरी सामने आई तो मौके पर मौजूद कर्मचारियों के बीच सुगबुगाहट तेज हो गई. तिजोरी को तत्काल खुदाई वाली जगह से हटाकर सुरक्षित स्थान पर रखवा दिया गया. अब इसे लेकर कई सवाल उठ रहे हैं कि क्या यह तिजोरी होलकर राजघराने के समय की है ? क्या कभी इसमें सोना, चांदी, दस्तावेज या कोई कीमती सामान रखा जाता था? फिलहाल तिजोरी की उम्र और उसके इतिहास को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है.लालबाग पैलेस में इन दिनों निर्माण और मरम्मत से जुड़े काम चल रहे हैं. इसी क्रम में सड़क और दीवार से संबंधित कार्य के लिए जमीन की खुदाई की जा रही थी. काम सामान्य तरीके से चल रहा था, तभी कर्मचारियों को जमीन के भीतर दबा एक पुराना ढांचा दिखाई दिया. जब उसे बाहर निकाला गया तो वह तिजोरी निकली. तिजोरी सामने आते ही वहां काम कर रहे लोगों ने इसकी जानकारी संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों को दी. उसे खुदाई वाली जगह से हटाकर सुरक्षित रखवा दिया गया, ताकि निर्माण कार्य के दौरान उसे नुकसान न पहुंचे. फिलहाल तिजोरी को लेकर किसी तरह की छेड़छाड़ या उसे खोलने की जानकारी सामने नहीं आई है. अब अधिकारियों के निरीक्षण के बाद ही आगे की कार्रवाई तय होगी. इंदौर का लालबाग पैलेस होलकर राजवंश के इतिहास और विरासत से जुड़ा प्रमुख स्थल है. ऐसे में यहां मिली तिजोरी को लेकर लोगों के मन में सबसे पहला सवाल यही है कि कहीं इसका संबंध होलकर राजघराने से तो नहीं है. क्या यह राजपरिवार के इस्तेमाल में रही होगी? क्या महल में किसी दौर में इसे महत्वपूर्ण दस्तावेज, आभूषण, नकदी या अन्य कीमती सामान रखने के लिए इस्तेमाल किया जाता था?

भोपाल में यूपी से हो रही थी एमडी ड्रग्स की सप्लाईः क्राइम ब्रांच ने महिला इंजीनियर और बी-फार्मा साथी को दबोचा, 1.50 लाख का माल बरामद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। राजधानी भोपाल में फैल रहे एमडी (मेफेड्रोन) ड्रग्स के जाल का उत्तर प्रदेश कनेक्शन सामने आया है। क्राइम ब्रांच ने कार्रवाई करते हुए शहर में ड्रग्स सप्लाई करने आई एक महिला और उसके साथी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने महिला के पास से 14.19 ग्राम क्रिस्टलनुमा एमडी ड्रग्स बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1.50 लाख रुपए आंकी गई है। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 के तहत मामला दर्ज किया गया है। दोनों आरोपी उच्च शिक्षित, गाजीपुर से लाते थे खेपगिरफ्तार महिला की पहचान श्रद्धा चौकीकर (38) के रूप में हुई है, जो मूल रूप से छिंदवाड़ा की रहने वाली है और पिछले 10 साल से भोपाल में रह रही है। चौंकाने वाली बात यह है कि दोनों आरोपी उच्च शिक्षित हैं– श्रद्धा ने इंजीनियरिंग (बीई) की पढ़ाई की है, जबकि उसका साथी बी-फार्मा डिग्रीधारी है। प्रारंभिक पूछताछ में खुलासा हुआ है कि दोनों भोपाल से करीब 844 किलोमीटर दूर उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से एमडी ड्रग्स की खेप लाकर राजधानी में खपाते थे। निशानदेही पर साकेत नगर से दबोचा गया साथीपुलिस के अनुसार, श्रद्धा खुद भी नशे की आदी हो चुकी थी। क्राइम ब्रांच ने मुखबिर की सूचना पर एमपी नगर जोन-2 स्थित शराब दुकान के पास घेराबंदी कर उसे पकड़ा, जहां तलाशी में उसकी जैकेट से ड्रग्स बरामद हुई। पूछताछ में उसने बताया कि दो दिन पहले ही वह अपने साथी राजेन्द्र राय के साथ उत्तर प्रदेश गई थी और वहां से माल लेकर लौटी थी। महिला से मिले इनपुट के आधार पर क्राइम ब्रांच की दूसरी टीम ने साकेत नगर स्थित रीगल होटल के पास दबिश देकर आरोपी राजेन्द्र राय (37), निवासी नरोजाबाद (जिला उमरिया) को भी गिरफ्तार कर लिया। मोबाइल कॉल डिटेल से खुलेगा पूरा नेटवर्कपुलिस



ने दोनों आरोपियों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं, जिनकी तकनीकी जांच की जा रही है। आज क्राइम ब्रांच की टीम दोनों से कड़ी पूछताछ करेगी ताकि यह पता लगाया जा सके कि गाजीपुर में वे किस मुख्य सप्लायर से माल खरीदते थे और भोपाल में उनके स्थानीय ग्राहक कौन-कौन हैं। पुलिस इस गिरोह के संपर्क में रहने वाले अन्य संदिग्धों की भूमिका की भी जांच कर रही है। दोनों आरोपियों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं, जिनकी तकनीकी जांच की जा रही है। आज क्राइम ब्रांच की टीम दोनों से कड़ी पूछताछ करेगी ताकि यह पता लगाया जा सके कि गाजीपुर में वे किस मुख्य सप्लायर से माल खरीदते थे और भोपाल में उनके स्थानीय ग्राहक कौन-कौन हैं। पुलिस इस गिरोह के संपर्क में रहने वाले अन्य संदिग्धों की भूमिका की भी जांच कर रही है। दोनों आरोपियों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं, जिनकी तकनीकी जांच की जा रही है।

बुधनी में ट्रिपल मर्डर, घर के अंदर पति-पत्नी और बेटे के लहूलुहान शव मिलने से फैली सनसनी, सिर में चोट के निशान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सीहोर। जिले के बुधनी में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की निर्मम हत्या से सनसनी फैल गई है। वार्ड नंबर 12 में घर के अंदर पति राकेश मीणा, उनकी पत्नी और बेटे के शव मिलने से इलाके में दहशत का माहौल है। प्रारंभिक जांच में सिर पर चोट के निशान मिले हैं। आशंका जताई जा रही है कि मंगलवार रात इस वारदात को अंजाम दिया गया। जिले के बुधनी नगर से एक बेहद खौफनाक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। बुधनी के वार्ड नंबर 12 में अज्ञात बदमाशों ने एक ही परिवार के तीन सदस्यों की निर्मम हत्या कर दी। घर के अंदर पति, पत्नी और उनके बेटे के



शव मिलने के बाद से पूरे इलाके में सनसनी और दहशत का माहौल है। इस सनसनीखेज वारदात ने स्थानीय लोगों को झकझोर कर रख दिया है।

अंधेरे में दिया खौफनाक वारदात को अंजाम

पुलिस और स्थानीय लोगों से मिली शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह घटना मंगलवार रात की बताई जा रही है। परिवार के तीनों सदस्य अपने घर में सो रहे थे, तभी किसी वक्त अज्ञात हमलावरों ने इस वारदात को अंजाम दिया। बुधवार सुबह जब घर के अंदर तीन लोगों के शव होने की भनक आसपास के लोगों को लगी, तो देखते ही देखते घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई। इस तिहरे हत्याकांड के बाद से पूरे नगर में भय और आक्रोश का मिला-जुला माहौल देखा जा रहा है।

जांच में जुटी पुलिस, सबूत तलाश रही

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। एसडीओपी रवि शर्मा और थाना प्रभारी सुनील ठाकुर भारी पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया और साक्ष्य जुटाए। एसडीओपी रवि शर्मा ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि मृतकों में राकेश मीणा, उनका बेटा अश्विन और उनकी पत्नी शामिल हैं। शुरुआती जांच में उनके सिर पर चोट के निशान मिले हैं। अधिकारियों का कहना है कि चूंकि इस समय उनके अन्य परिजन मौके पर मौजूद नहीं हैं, इसलिए विस्तृत जानकारी और रंजिश के कारणों का खुलासा जांच के बाद ही हो सकेगा।

NHAI ने वकील के खाते में ट्रांसफर कर दिए 34.32 करोड़ रुपए, 48 घंटे तक किसी अधिकारी को भनक भी नहीं लगी

एनएचआई की बड़ी लापरवाही सामने आई है। एक वकील के खाते में 34 करोड़ 32 लाख रुपए की राशि भेज दी गई और अधिकारियों को 48 घंटे तक भनक भी नहीं लगी। वकील ने खुद जाकर बैंक को जानकारी दी। इसके बाद विभाग तक बात पहुंची तो हड़कंप मच गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। NHAI एनएचआई की बड़ी लापरवाही सामने आई है। एक वकील के खाते में 34 करोड़ 32 लाख रुपए की राशि भेज दी गई और अधिकारियों को 48 घंटे तक भनक भी नहीं लगी। वकील ने खुद जाकर बैंक को जानकारी दी। इसके बाद विभाग तक बात पहुंची तो हड़कंप मच गया इंदौर नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) की एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। विभाग ने गलती से एक वकील के बैंक खाते में 34 करोड़ 32 लाख 94 हजार 346 रुपए ट्रांसफर कर दिए। हैरानी की बात यह है कि इतनी बड़ी रकम गलत खाते में पहुंचने के बाद भी विभाग के अधिकारियों को करीब 48 घंटे तक इसकी जानकारी नहीं मिली। वहीं, जिस वकील के खाते में करोड़ों रुपए आए थे उन्होंने खुद आगे आकर अधिकारियों को इस गलती के बारे में बताया और



पूरी रकम वापस कर दी।

7 नवंबर को खाते में आई राशि जानकारी के मुताबिक 7 नवंबर 2026 को सीनियर एडवोकेट अजय बागड़िया के बैंक खाते में ह्रश्वपत्रिकाञ्ज के जरिए 34 करोड़ 32 लाख 94 हजार 346 रुपए जमा हुए। जब उनके मोबाइल पर बैंक का मैसेज आया तो इतनी बड़ी रकम देखकर वे भी हैरान रह गए। शुरुआत में उन्हें समझ नहीं आया कि अचानक उनके खाते में इतनी बड़ी राशि कहां से आ गई।

एनएचआई से आई थी राशि

इसके बाद उन्होंने बैंक से मिली जानकारी के आधार पर पता लगाया कि यह रकम कहां से भेजी गई है। जांच करने पर सामने आया कि पैसा ह्यढ्ढ की ओर से ट्रांसफर किया गया है। इसके बाद अजय बागड़िया ने हरदा ह्यढ्ढ के प्रोजेक्ट मैनेजर मनीष मीणा से संपर्क किया और उन्हें बताया कि विभाग की ओर से गलती से उनके बैंक खाते में करोड़ों रुपए भेज दिए गए हैं।

अधिकारियों में मचा हड़कंप

यह जानकारी मिलते ही अधिकारियों में हड़कंप मच गया। प्रोजेक्ट मैनेजर मनीष मीणा ने अपनी गलती स्वीकार की और अजय बागड़िया से रकम वापस करने का अनुरोध किया। इसके बाद वकील ने बिना देरी किए 9 नवंबर को पूरी राशि ह्यढ्ढ को लौटा दी।

कैसे हुई इतनी बड़ी चूक

बताया जा रहा है कि ह्यढ्ढ ने अपने मामलों की पैरवी के लिए सीनियर एडवोकेट अजय बागड़िया को नियुक्त कर रखा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर विभाग की ओर से इतनी बड़ी रकम उनके खाते में कैसे पहुंच गई। भुगतान से पहले बैंक खाते का नंबर और दूसरी जरूरी जानकारियां जांचने की जिम्मेदारी अधिकारियों की होती है।

इटावा के मंदिर में दलित पुजारी को पूजा करने से रोकने पर हंगामा, मारपीट में पत्नी और 14 साल के बेटे को आईं चोटें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इटावा। यूपी के इटावा में विट्ठल आश्रम परिसर स्थित काली माता मंदिर में एक दलित पुजारी और उनके परिवार ने मारपीट का आरोप लगाया है। इस घटना में पुजारी के साथ उनकी पत्नी और 14 वर्षीय बेटे को भी चोटें आई हैं। पुजारी ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए पूजा करने से रोकने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है।पीड़ित आकाश कोरी ने बताया कि वह अपनी पत्नी ज्योति कोरी के साथ प्रसिद्ध सिद्ध पीठ टिक्सी मंदिर में साफ-सफाई का कार्य करते हैं। रोजमर्रा की तरह मंगलवार सुबह नौ बजे वह विट्ठल आश्रम परिसर स्थित काली माता मंदिर में पूजा करने के लिए पहुंचे थे। आरोप है कि मंदिर में मौजूद कुछ लोगों ने उनकी जाति का हवाला देते हुए उन्हें पूजा करने से रोक दिया। साथ ही जातिसूचक गालियां देने लगे बीच-बचाव करने पहुंची पत?नी को भी नहीं बख्शा आकाश के मुताबिक, जब उन्होंने जातिगत भेदभाव और अभद्रता का विरोध किया तो आरोपी भड़क गए और उन पर हमला



बोल दिया। पति के साथ मारपीट होते देख ज्योति बीच-बचाव करने पहुंची। उनको भी हमलावरों ने नहीं बख्शा और हाथापाई की। आरोप यह भी है कि दबंगों ने उनके 14 वर्षीय बेटे के साथ भी बेरहमी से लात-घूंसों से मारपीट की, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद आरोपियों ने पूरे परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने और जान से मारने की धमकी भी दी। दोनों पक्षों को थाने में बुलाया गया मंदिर परिसर में हंगामे और मारपीट की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

धीरेंद्र शास्त्री ने लगाई आस्था की डुबकी, हौदेश्वर नाथ धाम में किया जलाभिषेक, राजा भैया के पूर्वजों से जुड़ा पौराणिक मंदिर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रतापगढ़ ।प्रतापगढ़ के कुंडा स्थित बेंती में चल रही श्रीराम कथा के दूसरे दिन बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने पवित्र गंगा नदी में स्नान किया. इसके बाद उन्होंने बेंती स्थित पौराणिक हौदेश्वर नाथ धाम (अवधेश्वर नाथ धाम) पहुंचकर विधि-विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक और पूजन-अर्चन किया प्रतापगढ़ जिले में कुंडा के बेंती में आयोजित श्रीराम कथा के दूसरे दिन कथा शुरू होने से पहले बाबा बागेश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने गंगा नदी में आस्था की डुबकी लगाई. गंगा स्नान के बाद उन्होंने बेंती स्थित पौराणिक अवधेश्वर नाथ धाम (हौदेश्वर नाथ धाम) जाकर विधि-विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक, पूजन-अर्चन और आरती की. धार्मिक अनुष्ठान और कथा से पूर्व आशीर्वाद लेने के उद्देश्य से किए गए इस पूजन के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे, जिसके बाद वह कथा स्थल के लिए रवाना हुए.जयकारों से गूंज उठा पूरा मंदिर परिसर

गंगा में स्नान करने के बाद बाबा



धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री सीधे बेंती स्थित पौराणिक अवधेश्वर नाथ धाम पहुंचे. यहां उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार और पूरे विधि-विधान के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक किया और आरती उतारी. इस दौरान पूरा धाम हर-हर महादेव और जय श्री राम के जयकारों से गूंज उठा.

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के आगमन की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु उनके दर्शन के लिए धाम में उमड़ पड़े. भक्तों ने कथा से पहले बाबा के इस विशेष पूजन को एक बेहद शुभ संकेत बताया.कुंडा के बेंती में स्थित अवधेश्वर नाथ धाम, जिसे स्थानीय स्तर पर हौदेश्वर नाथ धाम के नाम से भी जाना जाता है, क्षेत्र की आस्था का एक बड़ा केंद्र है. इस प्राचीन मंदिर से स्थानीय विधायक राजा भैया और उनके पूर्वज जुड़े रहे हैं.

जादूगर के ही शहर में नहीं मिला ठिकाना, दर-दर भटकती रहीं हॉकी खेलने आईं बेटियां

महानगर मेट्रो ब्यूरो



झांसी।झांसी में आयोजित अस्मिता नॉर्थ जोन महिला हॉकी लीग में हिस्सा लेने पहुंचीं 11 टीमों की खिलाड़ियों को रहने और खाने की परेशानी झेलनी पड़ी. 13 से 17 साल की बेटियों को तीन दिनों तक ठिकाने के लिए भटकना पड़ा. हरियाणा से आई खिलाड़ियों को स्थानीय पार्षद की मदद से ठहरने की जगह तो मिली, लेकिन भोजन का इंतजाम उन्हें खुद करना पड़ा. खिलाड़ी पैसे जुटाकर खाना बना रही हैं. वहीं, स्टेडियम अधिकारियों का कहना है कि रहने और खाने की जिम्मेदारी टीमों की खुद थी. मेजर ध्यानचंद का नाम आते ही दुनिया के नक्शे पर झांसी की पहचान भी चमक उठती है. हॉकी के जादूगर का जन्म भले ही प्रयागराज (तत्कालीन इलाहाबाद) में हुआ था, लेकिन उनका बचपन झांसी की गलियों में बीता और इसी शहर ने उनकी हॉकी प्रतिभा को निखरते देखा. जिस झांसी की पहचान देश को हॉकी की महान विरासत देने वाले मेजर ध्यानचंद से है, उसी शहर में हॉकी खेलने का सपना लेकर पहुंचीं नन्हीं खिलाड़ियों को बुनियादी सुविधाओं के लिए दर-दर भटकना पड़ा. कंधों पर हॉकी किट और हाथों में कपड़ों का बैग लिए ये बच्चियां मैदान पर विरोधी टीम को चुनौती देने आई थीं, लेकिन यहां उनके सामने मुकाबला किसी टीम से नहीं, बल्कि बदइंतजामी से था. रात गुजारने के लिए छत नहीं थी और पेट भरने के लिए दो वक्त के भोजन का इंतजाम भी नहीं. हॉकी के जादूगर की धरती पर इन उभरती खिलाड़ियों की यह बेबसी खेल व्यवस्था पर स्टेडियम में आयोजित अस्मिता नॉर्थ जोन सब-जूनियर एवं जूनियर महिला हॉकी लीग में हिस्सा लेने पहुंचीं 11 टीमों की खिलाड़ियों के लिए ठहरने और खाने की व्यवस्था नहीं की गई. हालात ऐसे बने कि 13 से 17 वर्ष तक की बालिकाओं को तीन दिनों तक अपने बैग लेकर कभी इधर तो कभी उधर ठिकाना तलाशना पड़ा.

'राधे-राधे कमल खिला दें'... श्रीकृष्ण के जरिए अखिलेश को मथुरा की पिच पर लाने का बीजेपी प्लान

महानगर मेट्रो ब्यूरो



वृंदावन।उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए सियासी सरगर्मी तेज हो गई है, जहां मथुरा चिंतन शिविर में बीजेपी नेताओं द्वारा दिए गए 'राधे-राधे, कमल खिला दें' नारे और बयानों को राजनीतिक विश्लेषक सपा प्रमुख अखिलेश यादव को मथुरा की पिच पर लाने की रणनीति मान रहे हैं.उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी माहौल पूरी तरह से गरमा गया है. अयोध्या के बाद अब मथुरा और श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मुद्दे पर सपा को घेरने का प्लान बीजेपी ने बनाया है. मथुरा में चले दो दिन के चिंतन शिविर में बीजेपी ने 'राधे-राधे, कमल खिला दे' नारे के जरिए सपा प्रमुख अखिलेश यादव को 'मथुरा' की सियासी पिच पर लाने का दांव चला है.मिशन-2027 को लेकर बीजेपी ने मथुरा में आयोजित बैठक में रणनीति, संगठन को मजबूत करने और पार्टी कार्यकर्ताओं को नई सियासी दिशा देने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की. इस दौरान यूपी बीजेपी अध्यक्ष पंकज चौधरी ने 'राधे-राधे कमल खिला दे' का उद्घोष किया, जिसके बाद बीजेपी के कई नेता इस नारे का जयकारा लगाते नजर आए.बीजेपी का 'हिंदुत्व का एजेंडा' इस बार मथुरा से निकला है, क्योंकि डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पहले ही दिन कह दिया था कि अब मथुरा की बारी है. श्रीकृष्ण जन्मभूमि के बहाने बीजेपी का अखिलेश यादव को सियासी कठघरे में खड़ा करने का भी प्लान है, क्योंकि यदुवंश के नाम पर अखिलेश यादव बीजेपी के हिंदुत्व की काट तलाशते रहे हैं. ऐसे में अब बीजेपी ने उसी पिच पर उतरते हुए 'राधे-राधे' नारा गढ़कर अखिलेश के वोटबैंक में सेंधमारी का प्लान बनाया है.मथुरा के चिंतन शिविर में बीजेपी के 'राधे-राधे, कमल खिला दे' नारे का उद्घोष सिर्फ चुनावी अपील नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था और राजनीतिक संदेश को एक साथ जोड़ने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है. भावनाओं से गहराई से जुड़ा हुआ है, जबकि 'कमल' बीजेपी का चुनाव चिह्न है अब बीजेपी ने उसी पिच पर उतरते हुए 'राधे-राधे' नारा गढ़कर अखिलेश के वोटबैंक में सेंधमारी का प्लान बनाया है.मथुरा के चिंतन शिविर में बीजेपी के 'राधे-राधे, कमल खिला दे'

फिरोजाबाद हाईवे पर डबल हादसा: एक एक्सीडेंट देखने के चक्कर में दूसरा एक्सीडेंट, तीन की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो



फिरोजाबाद। जिले के थाना शिकोहाबाद क्षेत्र के नेशनल हाईवे पर शहजलपुर के पास मंगलवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई. तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार पति-पत्नी की मौत हो गई. इसी घटना के दौरान दूसरी बाइक पर सवार दो युवक भी हादसे का शिकार हो गए, जिनमें से एक ने दम तोड़ दिया और दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया. रिश्तेदार के घर से लौट रहे दंपति को ट्रक द्वारा रौंदे जाने के बाद मची अफरा-तफरी के कारण यह पूरा हादसा हुआ, जिसके बाद पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया. जानकारी के मुताबिक, बाइक सवार पति-पत्नी अपने किसी रिश्तेदार के यहां से घर वापस लौट रहे थे. इसी दौरान नेशनल हाईवे पर शहजलपुर के पास पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी और उन्हें रौंदते हुए निकल गया. इस घटना के तुरंत बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई. सड़क पर अचानक जमा हुई भीड़ को देखकर वहां से गुजर रहे दूसरी बाइक के सवार ने खुद को बचाने का प्रयास किया. इस दौरान उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई

मुंबई के भिंडी बाजार में 140 साल पुरानी मस्जिद पर बीएमसी का नोटिस, वारिस पठान और अमीन पटेल समेत कई नेता पहुंचे

महानगर मेट्रो ब्यूरो



मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के भिंडी बाजार इलाके में स्थित ऐतिहासिक मुसाफिरखाना मस्जिद को लेकर विवाद गहरा गया है। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) की ओर से हाजी इस्माइल हाजी हबीब मुसाफिरखाना इमारत को खाली कराने और ढहाने से संबंधित नोटिस जारी किए जाने के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी फैल गई। इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर स्थित मस्जिद को भी इस कार्रवाई से प्रभावित होने की आशंका है। इसके विरोध में मंगलवार को सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोग सड़क पर उतर आए। मामले की जानकारी मिलने पर कांग्रेस विधायक अमीन पटेल, एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान और कई मुस्लिम धर्मगुरु भी मौके पर पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने बीएमसी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कार्रवाई पर आपत्ति जताई और नोटिस वापस लेने की मांग की। विवाद के केंद्र में भिंडी बाजार की वह पुरानी इमारत है, जिसे दाऊद इब्राहिम के पुश्तैनी घर से जुड़ा बताया जाता है। इसी इलाके में दाऊद इब्राहिम का बचपन बीता था। हाजी इस्माइल हाजी हबीब मुसाफिरखाना नाम की यह इमारत काफी पुरानी और जर्जर बताई जा रही है। नगर निगम ने इसे खतरनाक घोषित किया है। इसके अलावा, सड़क चौड़ीकरण की योजना के तहत भी इस इमारत की जमीन की आवश्यकता बताई जा रही है। इसी कारण बीएमसी की ओर से इमारत को हटाने की कार्रवाई की तैयारी की गई है। स्थानीय निवासियों की आपत्ति मुख्य रूप से इमारत के भीतर मौजूद मस्जिद को लेकर है। उनका कहना है कि इमारत में करीब 140 साल पुरानी मस्जिद है, जहां लंबे समय से नमाज अदा की जाती रही है। इमारत का अधिकांश हिस्सा खाली हो चुका है, लेकिन भूतल पर स्थित प्रार्थना स्थल अभी भी इस्तेमाल में है।

पूर्वी दिल्ली को मिलेगा पहला स्काईवॉक, निर्माण विहार मेट्रो से पहुंच होगी आसान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली: निर्माण विहार मेट्रो स्टेशन से आसपास के बाजारों और मॉल में आने-जाने वालों को बेहतर कनेक्टिविटी देने के लिए विकास मार्ग पर 240 मीटर लंबा स्काईवॉक बनाया जाएगा। आईटीओ और बेनितो जुआरेज मार्ग पर बने स्काईवॉक के बाद यह दिल्ली का तीसरा सबसे बड़ा स्काईवॉक होगा। यह 4-आर्म स्काईवॉक होगा और प्रत्येक आर्म की लंबाई करीब 60 मीटर होगी। जमीन से स्काईवॉक की ऊंचाई करीब 5.5 से 6 मीटर होगी। यह पूर्वी दिल्ली में पहला स्काईवॉक होगा। स्काईवॉक का डिजाइन फाइनल हो चुका है और अगले एक या डेढ़ महीनों में इसका कंस्ट्रक्शन शुरू हो जाएगा। पीडब्ल्यूडी अफसरों के अनुसार निर्माण विहार मेट्रो स्टेशन के पास विकास मार्ग और पटपड़गंज रोड चौराहा है। इन सड़कों के एक तरफ मॉल है और दूसरी तरफ लक्ष्मी नगर मार्केट है। प्रीत विहार का कमर्शल एरिया भी पास में ही है। इसलिए मेट्रो स्टेशन से उतरने के बाद इन स्थानों पर जाने के लिए चौराहे पर पैदल रोड पार करना मुश्किल होता है। इसलिए चौराहे के आसपास ही 240 मीटर लंबा 4-आर्म स्काईवॉक बनाया जाएगा।



जाम से राहत दिलाएगा स्काईवॉक, पैदल यात्रियों को मिलेगी सहूलियत

प्रत्येक आर्म का कॉरिडोर 3 मीटर चौड़ा रखा जाएगा। चारों आर्म पर बनने वाली सीढ़ियों की चौड़ाई 2 मीटर रखी जाएगी। लिफ्ट की ऊंचाई 12 मीटर तक होगी। यहां स्काईवॉक बनाने की एक वजह विकास मार्ग पर लगने वाला जाम भी है। पीक आवर्स के दौरान पैदल रोड पार करने वालों के चलते गाड़ियों की गति धीमी हो जाती है और कई बार लंबा जाम लग जाता है।प्रस्तावित स्काईवॉक पूर्वी दिल्ली का पहला स्काईवॉक होगा। इसके पहले, आईटीओ और बेनितो जुआरेज मार्ग पर स्काईवॉक बनाया गया है।

द इंडिया बिएनालेः दिल्ली बनेगी वैश्विक कला का केंद्र, 108 दिन तक सजेगा उत्सव, 22 से ज्यादा ऐतिहासिक जगहों पर होंगे कार्यक्रम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली: 108 दिन का 'द इंडिया बिएनाले 2026' दिल्ली को वैश्विक कला और सांस्कृतिक दुनिया के केंद्र में लाने के लिए तैयार हो रहा है। 4 दिसंबर को इसका आगाज होगा, जो 'वेनिस बिएनाले' की तरह भारत की कला, संस्कृति और रचनात्मकता के अलग-अलग आयामों को सामने लाएगा। इसे लेकर जनसेवा सदन में हुई मीटिंग में केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने ' भारत बिएनाले 2026 (तत् त्वम् असि)' की तैयारियों को लेकर समीक्षा की। इस दौरान संबंधित विभागों को आपसी तालमेल के साथ समय सीमा तय करते हुए वर्क प्लान बनाने, व्यवस्था पूरा करने के निर्देश दिए।



सीएम ने बताया, बिएनाले 21 मार्च 2027 तक नई दिल्ली में किया जाएगा। इसे कला, वास्तुकला और डिजाइन के क्षेत्र में देश के सबसे बड़े आयोजनों में से के रूप में पेश किया जा रहा है। 22 से ज्यादा ऐतिहासिक स्मारकों, संग्रहालयों, आर्ट गैलरी, सांस्कृतिक संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों में कई कार्यक्रम होंगे। पुराना किला इसका मुख्य केंद्र होगा। ।

लाल किला, कुतुब मीनार, हुमायूं का मकबरा, सफदरजंग मकबरा, लोदी गार्डन, महरौली, हौज़ खास, अग्रसेन की बावली, राष्ट्रीय संग्रहालय, नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र और ललित कला अकादमी सहित कई स्थल इस उत्सव का हिस्सा बनेंगे।

दुर्लभ कला संग्रह, पारंपरिक कलाओं, फोटोग्राफी प्रस्तुतियों को जगह मिलेगी। सीएम ने तैयारियों को लेकर शहरी विकास विभाग के सचिव को नोडल अधिकारी नियुक्त करने और विभागों में संपर्क अधिकारी नामित करने के निर्देश दिए हैं।

देशभर से आएंगे 108 यूथ आर्टिस्ट

शिक्षा विभाग और दिल्ली के विश्वविद्यालयों को कहा गया है कि इस कार्यक्रम के 'स्टूडेंट बिएनाले' हिस्से के जरिए स्टूडेंट्स को जोड़ा जाए, अकादमिक टूर रखे जाएं। स्टूडेंट्स को वॉलिंटियर्स के रूप मे गाइड और होस्ट की भूमिका भी दी जाएगी। स्टूडेंट बिएनाले के लिए देशभर से 108 युवा कलाकारों का चयन किया गया है। रेखा गुप्ता ने जानकारी दी कि भारत बिएनाले 2026 को पीपीपी मॉडल पर तैयार किया जा रहा है, जिसमे सरकार, कॉरपोरेट, सांस्कृतिक संस्थान, फाउंडेशन, कलाकार, संग्रहालय, आर्ट गैलरीज और इंटरनेशनल पार्टनर्स एक साझा मंच पर आएंगे।

पुणे के टिंबर मार्केट में आधी रात को भीषण आग से मची अफरा-तफरी, 50 से 60 दुकानें जलकर प्रभावित

महानगर मेट्रो ब्यूरो



पुणे। महाराष्ट्र के पुणे स्थित टिंबर मार्केट में मंगलवार देर रात भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लकड़ी के सामान और फर्नीचर से जुड़ी दुकानों वाले इस बाजार में आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते 50 से 60 दुकानें इसकी चपेट में आ गईं। आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर से दिखाई देने लगा। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं। आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल की कुल 27 गाड़ियों को राहत एवं बचाव कार्य में लगाया गया। दमकलकर्मियों ने करीब दो घंटे तक लगातार मशक्कत करने के बाद आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में अब तक किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार, आग लगने की घटना मंगलवार रात करीब 2 बजे की है। पुणे का टिंबर मार्केट लकड़ी और उससे बने सामान की कई दुकानों के लिए जाना जाता है। यहां बड़ी संख्या में लकड़ी, फर्नीचर और अन्य संबंधित सामान का कारोबार होता है। बाजार शहर के घनी आबादी वाले इलाकों में शामिल है। ऐसे में आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग ने तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी। आग की लपटें तेजी से आसपास की दुकानों तक फैल रही थीं, जिससे बड़े इलाके में नुकसान की आशंका पैदा हो गई थी। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, आग ने देखते ही देखते 50 से 60 दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। दुकानों में लकड़ी और अन्य ज्वलनशील सामान मौजूद होने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग ने अतिरिक्त गाड़ियों को भी मौके पर बुलाया। कुल 27 दमकल गाड़ियों की मदद से आग बुझाने का अभियान चलाया गया। दमकलकर्मियों ने बाजार के अलग-अलग हिस्सों में पहुंचकर आग को फैलने से रोकने और प्रभावित दुकानों में लगी लपटों पर काबू पाने का प्रयास किया। आग बुझाने के लिए दमकलकर्मियों ने चारों दिशाओं से पानी की बौछार की। एक साथ कई स्थानों से आग पर पानी डालकर उसकी तीव्रता कम करने की कोशिश की गई। दमकलकर्मियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती आग को आसपास की दुकानों और रिहायशी क्षेत्र तक फैलने से रोकना था। लकड़ी के बाजार में बड़ी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग पर नियंत्रण पाना आसान नहीं था। इसके बावजूद दमकल की टीमों ने लगातार अभियान जारी रखा। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग को पूरी तरह नियंत्रित कर लिया गया। इस घटना में आसपास स्थित रिहायशी कॉलोनी पर भी आग फैलने का खतरा मंडरा रहा था। बाजार के नजदीक मकान और आवासीय परिसर होने के कारण आग के आगे बढ़ने से बड़ी संख्या में लोगों के प्रभावित होने की आशंका थी। हालांकि, दमकलकर्मियों ने समय रहते मोर्चा संभाल लिया और आग को रिहायशी इलाके तक पहुंचने से रोकने में सफलता हासिल की। इससे आसपास रहने वाले लोगों के घरों को आग की चपेट में आने से बचा लिया गया। यदि आग समय रहते नियंत्रित नहीं होती तो बाजार के साथ आसपास के आवासीय क्षेत्र में भी बड़ा नुकसान हो सकता था। आग बुझाने के अभियान के दौरान दमकल विभाग की टीमों ने लगातार स्थिति पर नजर बनाए रखी। प्रभावित दुकानों और आसपास के हिस्सों में आग की लपटों को नियंत्रित करने के बाद यह सुनिश्चित किया गया कि कहीं कोई अन्य स्थान आग की चपेट में न हो। आग पर काबू पाने के बाद भी दमकलकर्मियों ने मौके से अपना अभियान समाप्त नहीं किया, बल्कि वहां कूलिंग की प्रक्रिया शुरू की।

दिल्ली के RML अस्पताल का होगा कायाकल्प

4784 बेड और 116 ऑपरेशन थिएटर की योजना

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली: डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए पूरे परिसर को नए सिरे से विकसित करने की तैयारी है। अस्पताल प्रशासन ने अगले 50 साल की जरूरतों को ध्यान में रखकर नया मास्टर प्लान तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की है। इसके तहत नए भवन, ज्यादा बेड, आधुनिक इलाज की सुविधाएं, बेहतर पार्किंग और मरीजों के तीमारदारों के ठहरने की व्यवस्था की जाएगी। अस्पताल के कायाकल्प की योजना तैयार करने के लिए प्रशासन की तरफ से टेंडर जारी किया है। जानकारी के अनुसार, अस्पताल की ओपीडी में हर महीने करीब 1.25 लाख से 1.65 लाख मरीज पहुंचते हैं। वहीं, 2026 के आखिर तक 2024 के मुकाबले मरीजों की संख्या 17' बढ़ सकती है। मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अस्पताल में इलाज की सुविधाओं का विस्तार जरूरी हो गया है। अस्पताल परिसर की कई इमारतें 50 साल से ज्यादा पुरानी हैं। ऐसे में मरीजों की बढ़ती संख्या के साथ पुरानी इमारतों में इलाज की सुविधाएं बढ़ाना मुश्किल हो रहा है। नए प्लान में अस्पताल को अलग-अलग चरणों में विकसित किया जाएगा, ताकि निर्माण के दौरान भी मरीजों का इलाज प्रभावित न हो और बेड की संख्या कम न करनी पड़े। योजना के पहले चरण में प्लॉट-जी में 1000 बेड का नया अस्पताल बनाया जाएगा। यहां नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेज के साथ हॉस्टल और कर्मचारियों के रहने की व्यवस्था भी होगी। दूसरे चरण में मुख्य अस्पताल परिसर में 2700 बेड का नया अस्पताल बनाने की योजना है। इसके लिए नए टावर बनाए जाएंगे।

4784 बेड, 116 ऑपरेशन थिएटर और आईसीयू की सुविधा

डॉक्टरों और कर्मचारियों के लिए आवास, मेडिकल छात्रों के लिए हॉस्टल और अन्य जरूरी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। पूरी योजना के तहत अस्पताल में कुल 4784 बेड की व्यवस्था प्रस्तावित है। इनमें नए अस्पताल भवनों के साथ पहले से मौजूद कुछ भवनों और सुविधाओं को भी शामिल किया जाएगा। इसके अलावा 116 ऑपरेशन थिएटर और करीब 500 आईसीयू बेड बनाने की योजना है। मरीजों के साथ आने वाले लोगों के लिए अलग से बहुमंजिला भवन बनाने की योजना है। इसमें करीब 420 बेड वाले डॉर्मिटरी के साथ पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग कमरे बनाए जाएंगे। भवन में कैंटीन और रसोई की सुविधा भी होगी।

12वीं पास 21 वर्षीय युवक बना फर्जी आईएएस अधिकारी, सोसाइटी का चेयरमैन बनकर 11 महीने में 35 लाख रुपये ठगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो



पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में फर्जी आईएएस अधिकारी बनकर लोगों को ठगने का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। महज 12वीं पास 21 वर्षीय युवक ने खुद को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) का अधिकारी बताकर न केवल हाउसिंग सोसाइटी के निवासियों का विश्वास जीता, बल्कि इसी फर्जी पहचान के दम पर सोसाइटी का चेयरमैन भी बन गया। इसके बाद उसने सोसाइटी के बैंक खातों और आर्थिक गतिविधियों पर नियंत्रण हासिल कर करीब 11 महीनों के दौरान लगभग 35 लाख रुपये की कथित धोखाधड़ी को अंजाम दिया। आरोपी की पहचान हितेश प्रमोद कुलकर्णी के रूप में हुई है। पुणे पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। जांच में सामने आया है कि आरोपी ने आईएएस अधिकारी बनने के नाम पर ऐसी कहानी तैयार की थी, जिस पर उसके परिवार, पड़ोसियों और हाउसिंग सोसाइटी के लोगों ने भी भरोसा कर लिया था। पुलिस के अनुसार, आरोपी हितेश कुलकर्णी बालेवाड़ी हाई स्ट्रीट के पास स्थित एक हाउसिंग सोसाइटी में रहता था। उसने वहां के निवासियों के सामने अपनी पहचान आईएएस अधिकारी के रूप में पेश की। लोगों को प्रभावित करने के लिए वह सम्मान समारोहों की तस्वीरें और अखबारों में प्रकाशित खबरें भी दिखाता था। उसने अपने कथित प्रशासनिक पद और प्रभाव का इस्तेमाल करके सोसाइटी के लोगों के बीच अपनी मजबूत पहचान बनाई। धीरे-धीरे निवासियों को उसकी बातों पर विश्वास होने लगा। इसी भरोसे का फायदा उठाकर उसने सोसाइटी के चेयरमैन का पद हासिल कर लिया। चेयरमैन बनने के बाद उसे सोसाइटी के प्रशासनिक और वित्तीय कामकाज तक पहुंच मिल गई, जिसका कथित तौर पर उसने अपने निजी फायदे के लिए इस्तेमाल किया। आरोपी ने सोसाइटी के लोगों को यह भी भरोसा दिलाया था कि वह अपने संपर्कों के माध्यम से उन्हें लॉटरी के जरिए बिना बिके फ्लैट दिलवा सकता है। उसने लोगों के सामने खुद को प्रभावशाली अधिकारी के रूप में पेश किया और फ्लैट आवंटित कराने का आश्वासन देकर उनसे पैसे लेने शुरू कर दिए।

दिल्ली के 827 प्रदूषण जांच केंद्रों को मिलेंगे 1-1 लाख रुपये, कैबिनेट ने दी अपग्रेडेशन योजना को मंजूरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली। दिल्ली में वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण लगाने और प्रदूषण जांच व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के लिए दिल्ली सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में राजधानी के सभी अधिकृत प्रदूषण जांच केंद्रों (पीयूसी सेंटर) को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने की योजना को मंजूरी दी गई। इसके तहत दिल्ली के सभी 827 अधिकृत पीयूसी केंद्रों के संचालकों को अपग्रेडेशन के लिए एक-एक लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस पूरी योजना पर सरकार करीब 5 करोड़ रुपये खर्च करेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि इस योजना के दायरे में दिल्ली के लगभग 500 स्थानों पर संचालित 827 अधिकृत प्रदूषण जांच केंद्र शामिल होंगे। इन केंद्रों को आधुनिक बनाने के साथ ही वहां जांच प्रक्रिया की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। सरकार का उद्देश्य प्रदूषण जांच की पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना और वाहनों के उत्सर्जन की जांच में होने वाली अनियमितताओं पर प्रभावी तरीके से अंकुश लगाना है। विशेष रूप से प्रॉक्सी वाहनों के माध्यम से वास्तविक जांच किए बिना प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र जारी करने जैसी गड़बड़ियों को रोकने में सीसीटीवी निगरानी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण करना सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। वाहनों से निकलने वाले प्रदूषक तत्व भी वायु प्रदूषण के प्रमुख कारणों में से एक हैं। ऐसे में वाहनों के उत्सर्जन की जांच करने वाले केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करना आवश्यक है। सरकार चाहती है कि राजधानी के सभी पीयूसी केंद्रों में जांच के उपकरण, बुनियादी ढांचा और अन्य सुविधाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप उपलब्ध हों, ताकि वाहन मालिकों को जांच कराने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े और जांच प्रक्रिया में एकरूपता बनी रहे। योजना के तहत प्रत्येक पीयूसी केंद्र को मिलने वाली एक लाख रुपये की सहायता राशि का उपयोग निर्धारित मानकों के अनुसार जरूरी उपकरणों और बुनियादी सुविधाओं को विकसित करने के लिए किया जाएगा। इसके अलावा केंद्रों के आंतरिक लेआउट और साइनेज यानी सूचना पट्टों की व्यवस्था को भी एक समान बनाया जाएगा। इससे वाहन चालकों को केंद्रों पर उपलब्ध सुविधाओं और जांच प्रक्रिया की जानकारी आसानी से मिल सकेगी। सरकार की ओर से दी जाने वाली वित्तीय सहायता का इस्तेमाल निर्धारित लेआउट और आवश्यक सुविधाओं को विकसित करने पर ही किया जा सकेगा। परिवहन विभाग के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल, सीएनजी और डीजल से चलने वाले वाहनों के उत्सर्जन की जांच के लिए लगभग 500 स्थानों पर 827 अधिकृत पीयूसी केंद्र संचालित हैं। हालांकि, इन केंद्रों का विकास अब तक एक समान मानकों के आधार पर नहीं हुआ है। इसके कारण अलग-अलग केंद्रों पर बुनियादी ढांचे, जांच उपकरणों, सुविधाओं और सूचना पट्टों की व्यवस्था में अंतर देखने को मिलता है। कई केंद्रों पर पर्याप्त निगरानी व्यवस्था नहीं होने के कारण जांच प्रक्रिया पर प्रभावी नजर रखना भी चुनौतीपूर्ण होता है।

नागपुर में बुजुर्ग महिला को कार ने मारी जोरदार टक्कर



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में सड़क हादसे का एक गंभीर मामला सामने आया है। मनीष नगर इलाके में सड़क पर पैदल जा रही एक बुजुर्ग महिला को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि महिला सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद कार चालक ने वाहन रोकने और घायल महिला की मदद करने के बजाय मौके से फरार होना उचित समझा। पूरी घटना पास की एक दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है। घायल महिला की हालत नाजुक बताई जा रही है और उनका एक निजी अस्पताल में उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार, यह घटना सोमवार शाम करीब 6 बजे नागपुर के मनीष नगर इलाके में हुई। बुजुर्ग महिला सड़क पर पैदल जा रही थीं। इस दौरान सड़क पर अन्य वाहनों की आवाजाही भी जारी थी। तभी अचानक एक कार वहां पहुंची और महिला को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही महिला अपना संतुलन खो बैठीं और सड़क पर गिर पड़ीं। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पास की एक दुकान में लगे कैमरे में पूरी घटना रिकॉर्ड हुई है। फुटेज में देखा जा सकता है कि महिला सड़क पर पैदल जा रही थीं, तभी एक कार उन्हें टक्कर मार देती है। टक्कर के बाद महिला सड़क पर गिर जाती हैं, लेकिन चालक वाहन रोकने के बजाय वहां से निकल जाता है। हादसे के बाद चालक द्वारा घायल महिला की मदद नहीं किए जाने को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। घटना के समय आसपास मौजूद लोगों ने जब बुजुर्ग महिला को घायल अवस्था में सड़क पर पड़ा देखा तो वे तुरंत उनकी मदद के लिए पहुंचे। स्थानीय लोगों ने बिना देरी किए महिला को पास के एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज किया जा रहा है। चिकित्सकों के अनुसार, महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। मामले को लेकर नागपुर के बेलतरोड़ी पुलिस थाने में कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने घटना से जुड़े सीसीटीवी फुटेज को जांच का अहम आधार बनाया है। फुटेज के जरिए दुर्घटना में शामिल कार की पहचान करने और उसके चालक तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस आसपास के क्षेत्र में उपलब्ध अन्य कैमरों की फुटेज भी खंगाल सकती है, ताकि हादसे से जुड़ी पूरी जानकारी जुटाई जा सके। इस घटना ने एक बार फिर सड़क पर पैदल चलने वाले लोगों की सुरक्षा और दुर्घटना के बाद घायलों की मदद करने की जिम्मेदारी को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और फरार कार चालक की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

दिल्ली में ट्रांसजेंडर समुदाय को 10 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा, कैबिनेट ने दी मंजूरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो



दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में ट्रांसजेंडर समुदाय के पात्र सदस्यों और उनके परिवारों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) के दायरे में शामिल करने की मंजूरी दी गई है। इस फैसले के बाद दिल्ली में ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों को सालाना 10 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य सुरक्षा कवच मिलेगा। इसके तहत लाभार्थियों को देशभर के सूचीबद्ध अस्पतालों में बिना नकद भुगतान के इलाज कराने की सुविधा उपलब्ध होगी। योजना के अंतर्गत 27 चिकित्सा विशेषज्ञताओं से जुड़े कुल 1,961 उपचार पैकेज शामिल किए गए हैं। प्रत्येक परिवार को कुल 10 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवर दिया जाएगा। इसमें 5 लाख रुपये केंद्र सरकार की ओर से आयुष्मान भारत योजना के तहत उपलब्ध कराए जाएंगे, जबकि शेष 5 लाख रुपये का अतिरिक्त योगदान दिल्ली सरकार करेगी। सरकारी बयान के अनुसार, इस पहल से दिल्ली के लगभग 5,656 ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को सीधे लाभ मिलने की उम्मीद है। वर्ष 2026 के लिए लाभार्थियों की अनुमानित संख्या वर्ष 2011 की जनगणना में दर्ज 4,213 ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के आंकड़ों को आधार बनाकर तय की गई है। योजना का लाभ देने के लिए पात्र व्यक्तियों की पहचान दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग की सत्यापित सूची के माध्यम से की जाएगी। इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदकों के पास संबंधित जिला मजिस्ट्रेट की ओर से जारी वैध ट्रांसजेंडर पहचान प्रमाण पत्र होना अनिवार्य होगा। दिल्ली सरकार के अनुमान के मुताबिक, इस योजना को लागू करने से सरकारी बजट पर सालाना लगभग 1.19 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने फैसले पर कहा कि इस पहल का उद्देश्य ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों पर इलाज के खर्च का बोझ कम करना है। सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि किसी भी व्यक्ति की आर्थिक या सामाजिक परिस्थितियां उसे बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त करने से वंचित न कर सकें। उन्होंने कहा कि बिना नकद भुगतान के इलाज की सुविधा से लाभार्थियों को भेदभाव रहित और पूरी गरिमा के साथ स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त करने में मदद मिलेगी। वहीं, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ मिलने से ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों को गंभीर बीमारियों और महंगे उपचार के दौरान आर्थिक परेशानियों का सामना कम करना पड़ेगा। इसके साथ ही उन्हें सम्मानजनक और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में भी मदद मिलेगी। इस फैसले को ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा का दायरा बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नेपाल को भारत से 350 मेगावाट बिजली आयात करने की मंजूरी मिली

जलविद्युत उत्पादन में कमी के कारण निर्णय लिया

काठमांडू ।

नेपाल को आगामी शीतकाल में घरेलू बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भारत से 350 मेगावाट तक बिजली आयात करने की मंजूरी मिल गई है। जलविद्युत उत्पादन में कमी और हाल की बाढ़ से कई परियोजनाओं को हुए नुकसान के कारण यह निर्णय लिया गया है। नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के अधिकारियों के अनुसार भारत के केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने एनईए को भारतीय ऊर्जा एक्सचेंज (आईईएक्स) से प्रतिस्पर्धी दरों पर बिजली खरीदने की अनुमति दी है। यह मंजूरी 17 नवंबर, 2026 से 31 जुलाई, 2027 तक वैध है, जिससे नेपाल को भविष्य में भी मौसमी अंतर को पाटने में मदद मिलेगी। नेपाल की बिजली आपूर्ति मुख्य रूप से नदी के प्रवाह पर निर्भर जलविद्युत परियोजनाओं पर आधारित है। सर्दियों में जलस्तर घटने से उत्पादन कम हो जाता है। इसके अतिरिक्त, अगस्त में रसुवा-भोटेकोशी क्षेत्र में आई बाढ़ से 431 मेगावाट क्षमता वाली परियोजनाएं अभी भी राष्ट्रीय ग्रिड से जुड़ नहीं पाई हैं, जिससे संकट और गहरा गया है। हालांकि, अप्रैल के मध्य से नदियों का जलस्तर बढ़ने पर घरेलू उत्पादन में सुधार की उम्मीद है, जिससे आयात पर निर्भरता कम होगी और नेपाल फिर से बिजली निर्यात शुरू कर सकेगा।

दिल्ली का खान मार्केट दुनिया के सबसे महंगे खुदरा बाजारों में 24वें स्थान पर

न्यूयॉर्क का अपर फिफ्थ एवेन्यू दुनिया में सबसे महंगा, सालाना किराया 2700 डॉलर प्रति वर्ग फुट

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट सलाहकार कुशमैन एंड वेकफील्ड की ताजा रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली का प्रतिष्ठित खान मार्केट दुनिया के सबसे महंगे प्रमुख खुदरा बाजारों की सूची में 24वें स्थान पर अपना दबदबा बनाए हुए है।

यह भारत का सबसे महंगा खुदरा बाजार भी है, जहां सालाना किराया 238 डॉलर प्रति वर्ग फुट पहुंच गया है। कुशमैन एंड वेकफील्ड की मेन स्ट्रीट्स अक्रॉस द वर्ल्ड 2026 रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूयॉर्क का अपर फिफ्थ एवेन्यू 35 फीसदी की वृद्धि के साथ 2,700 डॉलर प्रति वर्ग फुट सालाना किराये के साथ दुनिया का सबसे महंगा खुदरा बाजार बन गया है। लंदन का न्यू बॉन्ड स्ट्रीट (2,230 डॉलर) दूसरे और मिलान का विया मोंटेनापोलियोने (2,160 डॉलर) तीसरे स्थान पर रहे। दिल्ली के खान मार्केट में मजबूत मांग के कारण सालाना किराया 14 प्रतिशत बढ़कर करीब 238 डॉलर प्रति वर्ग फुट (लगभग 1,875 रुपये प्रति वर्ग फुट प्रति माह) हो गया है। सर्वेक्षण में शामिल करीब आधे बाजारों में किराये बढ़े, जबकि वैश्विक स्तर पर किराये की औसत वृद्धि 3 फीसदी रही। भारतीय खुदरा बाजार मजबूत खपत, खुदरा विक्रेताओं के विस्तार और प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती मांग के कारण मजबूत बना हुआ है, जो वैश्विक स्तर पर भारत के बढ़ते महत्व को दर्शाता है।

एनवीडिया ने सीईओ पद पर हुआंग की वापसी से किया इनकार

नई दिल्ली ।

चिप बनाने वाली दिग्गज कंपनी एनवीडिया ने अपने पूर्व सह-संस्थापक और सीईओ जेनसन हुआंग को कंपनी के शीर्ष पद पर बहाल करने की किसी भी योजना से स्पष्ट इनकार कर दिया है। चेयरमैन हार्वे जोन्स ने बुधवार को कहा कि हुआंग ने कंपनी की आचार संहिता के मानकों के अनुरूप नहीं होने वाले निजी व्यवहार के खुलासे के बाद स्वेच्छा से इस्तीफा दिया था। यह घोषणा हुआंग के उस बयान के कुछ ही घंटे बाद आई है, जिसमें उन्होंने वापसी की इच्छा जताई थी। न्स ने पुष्टि की कि निदेशक मंडल ने सर्वसम्मति से हुआंग का इस्तीफा स्वीकार कर लिया था और अब उन्हें सीईओ के रूप में बहाल करने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने बताया कि इस्तीफे की घोषणा के समय भले ही कारण नहीं बताया गया था, लेकिन हुआंग ने निजी व्यवहार के खुलासे के बाद ही पद छोड़ा था। फिलहाल, कंपनी की मुख्य वित्त अधिकारी कोलेट क्रेस अंतरिम सीईओ के रूप में कार्यरत हैं, और बोर्ड ने स्थायी सीईओ की तलाश के लिए हेड्रिक एंड स्ट्रगल्स को नियुक्त किया है। निदेशक मंडल ने क्रेस के नेतृत्व पर पूरा भरोसा जताया है और राष्ट्रीय सुरक्षा तथा निर्यात नियंत्रण निगरानी समिति भी गठित की है। इससे पहले, हुआंग ने सोशल मीडिया पर स्वीकार किया था कि उन्होंने निजी जीवन में गंभीर गलतियां की थीं, लेकिन वापसी की इच्छा भी जताई थी। इस बीच, एनवीडिया का शुद्ध लाभ दोगुने से अधिक होकर 65.3 अरब डॉलर हो गया है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 500, निफ्टी 159 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 500.38 अंकों की गिरावट के साथ ही 82,031.81 अंकों पर बंद हुआ। जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 159.45 अंक फिसलकर 25,227.95 अंकों पर बंद हुआ। आज एसबीआई, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों ने तेजी के साथ कारोबार बंद किया जबकि टाइटन, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एटरनल, इंडिगो, इन्फोसिस, टाटा स्टील के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। आज सेंसेक्स की 30 में से सिर्फ 8 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ लाभ पर बंद हुए और बाकी की सभी 22 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 की 50 में से सिर्फ 15 कंपनियों के शेयर ही तेजी के साथ बंद हुए और बाकी की सभी 35 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स की कंपनियों में एसबीआई के शेयर आज सबसे ज्यादा 2.26 फीसदी उछले जबकि टाटा समूह की प्रमुख कंपनी टाइटन के शेयर आज सबसे ज्यादा 4.82 फीसदी गिरे। सेंसेक्स की कंपनियों में आईटीसी , अल्ट्राटेक सीमेंट , पावरग्रिड ,



मारुति सुजुकी , ट्रेंट , सन फार्मा और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर बढ़त पर बंद हुए। वहीं टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एटरनल सहित इन शेयरों में गिरावट आई है। टीसीएस , बजाज फाइनेंस , एटरनल 2, इंडिगो , इन्फोसिस , टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा , एशियन पेंट्स के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सुबह सेंसेक्स 100 अंकों से अधिक की गिरावट के साथ 82,443.35 के स्तर पर वहीं निफ्टी भी 33.50 अंक गिरकर 25,353.90 पर आ गया है। अमेरिकी बाजार मंगलवार को गिरे, जबकि एशियाई बाजारों में बुधवार सुबह मिलाजुला कारोबार दिखा।

रुपया 24 पैसे चढ़कर 93.27 प्रति डॉलर पर

रुपया मंगलवार को 93.51 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था



मुंबई ।

रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 24 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.27 पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और घरेलू शेयर बाजारों में विदेशी पूंजी के भारी प्रवाह से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला।विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपये में मजबूती मुख्य रूप से रातोंरात अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी गिरावट से आई है। इससे भारत की आयात लागत और महंगाई को लेकर चिंताएं कम हुई हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 93.47 पर खुला और बढ़त हासिल करते हुए 93.27 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 24 पैसे की बढ़त है। रुपया मंगलवार को 43 पैसे मजबूत होकर सात महीने के उच्च स्तर 93.51 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 प्रतिशत बढ़कर 103.60 पर रहा।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर बातचीत तेज

- औपचारिक समझौते के बजाय अहम नीतिगत मुद्दों पर जोर

नई दिल्ली ।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) का एक उच्च-स्तरीय दल इन दिनों दिल्ली में भारतीय अधिकारियों के साथ गहन चर्चा कर रहा है। इन बैठकों का मुख्य एजेंडा बौद्धिक संपदा (आईपी), नियामकीय डेटा संरक्षण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और वित्तीय सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण नीतिगत मुद्दों पर द्विपक्षीय व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाना है। अमेरिकी दूतावास ने इन चर्चाओं की पुष्टि करते हुए इसे दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करने का निरंतर प्रयास बताया। यूएसटीआर के सहायक व्यापार प्रतिनिधि डैनियल ली सहित वरिष्ठ अधिकारियों का दल वाणिज्य, वित्त, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा औषध विभागों के प्रमुख भारतीय अधिकारियों से मिल रहा है। हालांकि, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि ये बातचीत भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते की औपचारिक वार्ता का हिस्सा नहीं हैं। फिलहाल दोनों देश पहले चरण के द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में जुटे हैं, जिसमें वस्तुओं के व्यापार, गैर-शुल्क बाधाओं और आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। अमेरिका का मानना है कि बौद्धिक संपदा जैसे मुद्दों पर भारत को गैर-शुल्क बाधाओं को समझौते के बिना भी दूर करना चाहिए।

कोटक म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया नया इक्विटी फंड

- बाजार जोखिम से बचाव पर रहेगा जोर

नई दिल्ली ।

कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी (कोटक म्यूचुअल फंड) ने अपने स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) प्लेटफॉर्म के तहत इन्फिनिटी इक्विटी लॉन्ग-शॉर्ट फंड लॉन्च किया है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी निवेश रणनीति है, जिसका मुख्य उद्देश्य शेयरों के सावधानीपूर्वक चयन के माध्यम से लंबी अवधि में पूंजी बढ़ाना और डेरिवेटिव्स का उपयोग करके बाजार के जोखिमों का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करना है। इस नए फंड ऑफर (एनएफओ) की अवधि 17 नवंबर से शुरू होकर 1 दिसंबर तक रहेगी। इस फंड में न्यूनतम 10 लाख रुपये का निवेश करना होगा, जो एएमसी की सभी एसआईएफ योजनाओं में पैन स्तर पर लागू होगा। निवेशकों को रोजाना निवेश और निकासी की सुविधा मिलेगी। फंड का बेंचमार्क निफ्टी 100 टीआरआई है, और कल्पेश जैन, रोहित टंडन तथा अभिषेक बिसेन इसके फंड मैनेजर होंगे। यह कोटक म्यूचुअल फंड की दूसरी एसआईएफ रणनीति है, इससे पहले कंपनी ने इन्फिनिटी हाइब्रिड लॉन्ग-शॉर्ट फंड लॉन्च किया था। फंड की निवेश रणनीति मुख्य रूप से बड़ी कंपनियों के शेयरों पर केंद्रित होगी, जिसमें कारोबार, विकास की संभावनाओं और उचित वैल्यूएशन के आधार पर शेयरों का चयन होगा। जोखिम को कम करने और निवेश के स्तर को समायोजित करने के लिए डेरिवेटिव्स का सक्रिय उपयोग किया जाएगा। इसमें कवर्ड कॉल और पुट ऑप्शन जैसी रणनीतियों से बाजार के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित किया जाएगा। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी के एमडी नीलेश शाह ने कहा कि इक्विटी निवेश में अवसरों के साथ-साथ बाजार में गिरावट के दौरान जोखिम संभालना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन आईपीओ खुला,कृषि क्षेत्र में निवेश का अवसर

- कंपनी का लक्ष्य 455 करोड़ जुटाना, 20 नवंबर तक आवेदन का मौका

नई दिल्ली ।

प्राथमिक बाजार में निवेश के इच्छुक निवेशकों के लिए बुधवार, 18 नवंबर को कृषि-रसायन कंपनी क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) खुल गया है। खेती से जुड़े रसायन, फसल सुरक्षा उत्पाद और बीज बनाने वाली यह भारतीय कंपनी इस आईपीओ के जरिए कुल 455.49 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन के आईपीओ का प्राइस बैंड 259 से 272 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है, और यह 20 नवंबर तक खुला रहेगा। निवेशकों को कम से कम 55 शेयरों के एक लॉट के लिए आवेदन करना होगा। इस इश्यू में 354.77 करोड़ रुपए के नए इक्विटी शेयर जारी होंगे, जबकि मौजूदा शेयरधारक बिक्री पेशकश (ओएफएस) के जरिए 100.71 करोड़ रुपए के शेयर बेचेंगे। शेयरों का अलॉटमेंट 23 नवंबर को होने की उम्मीद है, और कंपनी के शेयरों की बीएसई और एनएसई पर 26 नवंबर को लिस्टिंग संभव है। बाजार विश्लेषकों ने इस आईपीओ पर मिली-जुली राय दी है। कुछ ब्रोकरेज फर्मों ने कंपनी के विविध कारोबारी क्षेत्रों में मौजूदगी और अनुसंधान व विकास पर जोर को देखते हुए लंबी अवधि के लिए निवेश की सलाह दी है, हालांकि उन्होंने यह भी कहा है कि वैल्यूएशन बहुत सस्ता नहीं है। आईपीओ के अपर प्राइस बैंड पर कंपनी का कुल मार्केट कैप लगभग 4,437.9 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। वहीं, कुछ अन्य फर्मों ने कंपनी की कमाई पर मॉनसून और कृषि उत्पादों की मांग की निर्भरता जैसे जोखिमों के कारण आईपीओ पर न्यूट्रल रेटिंग दी है, हालांकि कंपनी का वित्तीय प्रदर्शन मजबूत रहा है।

महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी को अर्थशॉट पुरस्कार

कंपनी ने अब तक लाखों टन सीओ2 उत्सर्जन रोका

नई दिल्ली ।

महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी (एमएलएमएम) को इलेक्ट्रिक वाहनों के माध्यम से प्रदूषण कम करने और छोटे कारोबारियों व चालकों को सशक्त बनाने के उत्कृष्ट प्रयासों के लिए प्रतिष्ठित 'अर्थशॉट पुरस्कार 2026' के 'स्वच्छ हवा' श्रेणी का विजेता घोषित किया गया है।

यह वैश्विक सम्मान कंपनी की पर्यावरण-अनुकूल पहल और सामाजिक समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। कंपनी 10 लाख पाउंड (लगभग 11 लाख अमेरिकी डॉलर) की पुरस्कार राशि का उपयोग समावेशी इलेक्ट्रिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए करेगी। इसमें महिला चालकों को प्रशिक्षण देना, उन्हें किफायती वित्तपोषण उपलब्ध कराना, कम सुविधाओं वाले क्षेत्रों में चार्जिंग ढांचे का विस्तार करना और इलेक्ट्रिक रिक्शा को व्यापक समुदायों तक पहुंचाना शामिल है। एमएलएमएम ने अब तक चार लाख से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन बेचे हैं, जिससे 1.85 लाख टन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन रोकने में मदद मिली है।

भारत को कोकिंग कोयले की चिंता नही नवीन जिंदल

यूरोप 2035 के बाद ब्लास्ट फर्नेस से हटेगा, भारत में जारी निर्माण से होगी उपलब्धता सुनिश्चित

नई दिल्ली ।

भारतीय इस्पात संघ के अध्यक्ष नवीन जिंदल ने बुधवार को कहा कि यूरोप और अमेरिका जैसे प्रमुख इस्पात उत्पादक देश 2035 तक ब्लास्ट फर्नेस से दूर हो रहे हैं, ऐसे में भारत में जारी इन फर्नेस के निर्माण से भविष्य में कोकिंग कोयले की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

यह एक महत्वपूर्ण राहत होगी, क्योंकि भारत अपनी कोकिंग कोयले की लगभग 90 प्रतिशत जरूरत आयात से पूरी करता है। नवीन जिंदल ने आईएसए कमिंग कोल समिट में बताया कि जहां वैश्विक स्तर पर अमेरिका और यूरोप में ब्लास्ट फर्नेस बंद किए जा रहे हैं, वहीं भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां अब भी बड़े ब्लास्ट फर्नेस स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चीन के पास भी बड़ी क्षमता है, लेकिन वह इसे धीरे-धीरे कम कर रहा है। यह वैश्विक बदलाव भारत के लिए शुभ संकेत है, क्योंकि कोकिंग कोयला लोहा और इस्पात उत्पादन में इस्तेमाल होने वाला एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है। यह घरेलू इस्पात कंपनियों द्वारा अपनाई जाने वाली ब्लास्ट फर्नेस-बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस प्रक्रिया का अभिन्न अंग है। जिंदल के अनुसार, यूरोप 2035 के बाद पूरी तरह से ब्लास्ट फर्नेस तकनीक से हट जाएगा और अमेरिका भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

एनवीडिया ने कमाई के नए रिकॉर्ड बनाए, कुल राजस्व सालाना 100 अरब डॉलर के पार

वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के लिए कंपनी 130 अरब डॉलर की बिक्री का अनुमान जताया

नई दिल्ली।

एनवीडिया ने हाल ही में जारी वित्त वर्ष 2027 की तीसरी तिमाही के नतीजों में कमाई के नए रिकॉर्ड बनाए हैं, जिसमें कंपनी का राजस्व पहली बार 100 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर गया। कंपनी का कुल राजस्व सालाना आधार पर 103 फीसदी बढ़कर 115.8 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह कम था। यह प्रभावशाली प्रदर्शन ऐसे समय में हुआ जब कंपनी के पूर्व सीईओ जेनसेन हुआंग के इस्तीफे और उनके संभावित वापसी पर अटकलें लगाई जा रही थीं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नेतृत्व में अनिश्चितता के बावजूद, कंपनी के कारोबार पर इसका कोई नकारात्मक असर नहीं दिखा है। तीसरी तिमाही में एनवीडिया का मुनाफा भी बाजार के अनुमानों से बेहतर रहा, जिसमें प्रति शेयर आय 2.68 डॉलर रही, जो जानकारों के 2.47 डॉलर के अनुमान से ज्यादा थी। कंपनी के डेटा सेंटर व्यवसाय ने इस शानदार वृद्धि में अहम भूमिका निभाई, जिसकी बिक्री दोगुने से ज्यादा बढ़कर 107.6 अरब डॉलर तक पहुंच गई। एआई मॉडल को प्रशिक्षण देने और चलाने के लिए जरुरी चिप्स की बढ़ती मांग इस सेगमेंट की बिक्री में भारी उछाल का प्रमुख कारण है।

कंपनी ने आगामी वित्त वर्ष के लिए भी मजबूत वृद्धि का अनुमान लगाया है, जिसमें राजस्व में 75फीसदी तक की बढ़ोतरी की संभावना है, जो पहले लगाए गए 70फीसदी के अनुमान से ज्यादा है। वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के लिए, एनवीडिया ने करीब 130 अरब डॉलर की बिक्री का अनुमान जताया है। कंपनी की अंतरिम सीईओ और सीएफओ कोलेट क्रेस ने पुष्टि की है कि कंपनी का कारोबार सामान्य तरीके से चल रहा है और उसे अपने ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं और व्यापारिक भागीदारों का लगातार समर्थन मिल रहा है।

मोतीलाल ओसवाल के पांच पसंदीदा शेयर, 27 फीसदी उछाल का अनुमान

- ब्रोकरेज फर्म को दमदार फंडामेंटल वाले शेयरों में दिख रहा दम

नई दिल्ली ।

विदेशी निवेशकों की भारतीय शेयर बाजार में वापसी ने उत्साह भर दिया है, जिससे बेंचमार्क इंडेक्स एक महीने में करीब 10 फीसदी ऊपर चढ़ गए हैं। इस तेजी के माहौल के बीच, घरेलू ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने निवेशकों को दमदार फंडामेंटल वाले पांच शेयरों पर खरीदारी की सलाह दी है।

ब्रोकरेज फर्म को इन शेयरों में सालभर में 27 फीसदी तक की तेजी का अनुमान है, जिससे निवेशकों को अच्छा मुनाफा कमाने का अवसर मिल सकता है।

मोतीलाल ओसवाल की सूची में स्पेशियलिटी केमिकल सेक्टर की आरती इंडस्ट्रीज शामिल है, जिसके लिए 600 रुपए का लक्ष्य रखा गया है, जो इसके 470.85 रुपए के बंद भाव से काफी अधिक है। दूसरा नाम संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल है, जिसके शेयरों पर 200 रुपए का अपसाइड टारगेट दिया गया है, जबकि यह 164 रुपए पर बंद हुआ था।

ब्रोकरेज फर्म नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के शेयरों पर भी बुलिश है, जिसके लिए 2300 रुपए का लक्ष्य है, जबकि यह 2061.85 रुपए पर बंद हुआ था। मजबूत फंडामेंटल वाले शेयरों में एनबीएफसी सेक्टर से बजाज फाइनेंस को भी चुना गया है, जिसका टारगेट 1250 रुपए है (मौजूदा भाव 1120.35 रुपए)। पांच शेयरों की इस सूची में अंतिम नाम टेलीकॉम दिग्गज भारती एयरटेल का है, जिसके लिए 2395 रुपए का अपसाइड टारगेट दिया गया है, जबकि यह 2140 रुपए पर बंद हुआ था। जानकारों के अनुसार, इन कंपनियों का मजबूत प्रदर्शन और सकारात्मक आउटलुक निवेशकों के लिए आकर्षक अवसर प्रस्तुत कर सकता है।

अदाणी एयरपोर्ट्स ने लॉन्च किया अदाणी रिवॉर्ड्स

- मुंबई, जयपुर सहित आठ एयरपोर्ट्स पर सुविधा उपलब्ध

जयपुर ।

अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से अदाणी रिवॉर्ड्स नामक एक नया और उन्नत सदस्यता कार्यक्रम शुरू किया है। मुंबई, नवी मुंबई, जयपुर, अहमदाबाद, लखनऊ, गुवाहाटी, मंगलुरु और तिरुवनंतपुरम सहित कंपनी द्वारा संचालित आठ हवाई अड्डों पर यह सुविधा उपलब्ध होगी, जिसके तहत सदस्य सालाना 65,000 रुपये तक के आकर्षक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यह नया कार्यक्रम अदाणी वन ऐप के साथ एकीकृत है और सदस्यता की श्रेणी के आधार पर कई प्रकार की सुविधाएं प्रदान करता है। इनमें खरीदारी और खानपान पर विशेष छूट, एयरपोर्ट लाउंज में निःशुल्क प्रवेश, सुरक्षा जांच के लिए प्राथमिकता, सुविधाजनक पार्किंग विकल्प और यात्रियों को उनकी आवश्यकतानुसार विशेष हवाई अड्डा सहायता शामिल हैं। एएएचएल के एक अधिकारी ने इस पहल पर टिप्पणी करते हुए कहा कि पिछले अदाणी रिवॉर्ड्स 1.0 कार्यक्रम को मिली शानदार प्रतिक्रिया (70 लाख सदस्यों) ने यह दर्शाया कि यात्रियों की रुचि अब केवल हवाई यात्रा तक सीमित नहीं है, बल्कि वे हवाई अड्डों पर मिलने वाली सेवाओं से भी गहरा जुड़ाव चाहते हैं। उन्होंने बताया कि यह उन्नत कार्यक्रम यात्रा, खुदरा खरीदारी, खानपान और आतिथ्य सेवाओं से जुड़े सभी लाभों को एक ही मंच पर एकीकृत करता है, जिससे यात्रियों को एक सहज और समृद्ध अनुभव मिल सके। यह कार्यक्रम हवाई अड्डे को सिर्फ एक ट्रांजिट पॉइंट नहीं, बल्कि एक जीवनशैली गंतव्य के रूप में स्थापित करने की कंपनी की रणनीति का हिस्सा है।



कहीं आपके बच्चे को दिल की बीमारी तो नहीं? पसीने से करें पहचान

क्या आप जानते हैं कि शिशुओं को असल में ज़्यादा पसीना नहीं आता? वयस्कों के विपरीत, उनके छोटे शरीर तापमान को अलग तरह से नियंत्रित करते हैं क्योंकि उनकी पसीने की ग्रंथियां अभी भी विकसित हो रही होती हैं। इसलिए, अगर आपके शिशु को बार-बार या बहुत ज़्यादा पसीना आता है, तो यह कभी-कभी दिल की बीमारीका संकेत भी हो सकता है।

बच्चे ज़्यादा पसीना क्यों नहीं आता?

डॉक्टरों के अनुसार, नवजात और छोटे बच्चों के शरीर में पसीना ग्रंथियां पूरी तरह विकसित नहीं होतीं। इसलिए वे वयस्कों की तरह बहुत पसीना नहीं बहाते। उनके शरीर का तापमान नियंत्रण सिस्टम अभी छोटा और संवेदनशील होता है। इस वजह से वे सामान्य तौर पर बहुत कम या बिलकुल नहीं पसीना बहाते।

किन बच्चों को आता है ज्यादा पसीना

विशेषज्ञों के अनुसार, अगर आपका बच्चा दूध पीते समय, सोते हुए, या जरा-सा हिलते-डुलते ही बहुत ज़्यादा पसीना बहा रहा है तो यह दिल की किसी समस्या का संकेत हो सकता है। जिस बच्चे के दिल में कोई जन्मजात दोष होता है, तो दिल को शरीर में खून पंप करने के लिए बहुत ज़्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इस अतिरिक्त मेहनत से शरीर की ऊर्जा जल्दी खर्च होती है, बच्चा जल्दी थक जाता है और शरीर तापमान को कम करने के लिए ज़्यादा पसीना बहाने लगता है।

ऐसे लक्षणों पर ध्यान दें:

- बच्चे को दूध पीते समय बहुत पसीना आता है।
- जल्दी थक जाता है या दूध अधूरा छोड़ देता है।
- तेज सांस लेता है या साँस फूलती है
- वजन नहीं बढ़ रहाया बहुत कमजोर लग रहा है
- त्वचा या होंठ नीले पड़ने लगते हैं

इस तरह रखें बच्चों का ख्याल

बच्चे को ठंडी जगह पर रखें, बहुत गर्म कपड़े न पहनाएं। डॉक्टर की सलाह के बिना कोई दवा या घरेलू नुस्खा न दें। अगर डॉक्टर सुझाएं तो इकोकार्डियोग्राम या ईसीजी जांच करवाएं। ध्यान रखें कि हर बच्चे को थोड़ा-बहुत पसीना आना सामान्य है, लेकिन अगर पसीना बहुत ज़्यादा है तो शरीर किसी अंदरूनी परेशानी का इशारा कर रहा है।'

बच्चों को नहीं लगेगा चश्मा, पेरेंट्स जरुर खिलाएं ये फूड्स



ज्यादातर मोबाइल और लैपटॉप इस्तेमाल करने के कारण आजकल बच्चों की आंखे कमजोर होने लगी हैं। इसके अलावा गलत खान-पान भी बच्चों की आंखे कमजोर होने के मुख्य कारण है। ऐसे में छोटी उम्र में ही उन्हें चश्मा लगने लगा है। एक्सपर्ट्स की मानें तो आजकल काफी उम्र से ही बच्चे लंबे समय तक टीवी, मोबाइल आदि देखने लगते हैं और पोषण की कमी के कारण बच्चों की आंखे कम उम्र में ही कमजोर होने लगती हैं। ऐसे में आज आपको कुछ ऐसे फूड्स बताते हैं जो बच्चों की आंखों को मजबूत बनाएंगे। आइए जानते हैं....

विटामिन-ई

विटामिन-ई से भरपूर आहार आप बच्चों की डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके लिए आप बच्चों को बादाम, मूंगफली, मक्के का तेल, सरसों के बीज जैसी चीजें खिला सकते हैं।

सेलेनियम

यह एक ऐसा एंटीऑक्सीडेंट है जो यीस्ट और सीफूड में मौजूद होता है। आप इसका सेवन बच्चों को करवाने के लिए उन्हें सप्लीमेंट के तौर पर दे सकते हैं।

विटामिन-ए

यह शरीर की इम्यूनिटी मजबूत बनाने और आई साइट को मजबूत बनाने में मदद करता है। शरीर में यदि इस विटामिन की कमी हो जाए तो बच्चों की आंखे तेजी से कमजोर होने लगती है। ऐसे में आप उन्हें डाइट में अंडा, लीवर, दूध, हरी सब्जियां, स्वीट पोटैटो, रंग-बिरंगे फल आदि खाने के लिए दें।

जिंक

जिंक की कमी भी आंखों में रोशनी कम होने की समस्या बढ़ सकती है। जिकं की कमी बच्चों के शरीर से पूरी करने के लिए आप उन्हें ओएस्टर, गेंहू और तरह के नट्स दे सकते हैं।

ओमेगा 3 फैटी एसिड

इसकी कमी होने के कारण भी बच्चों की आंखें कमजोर हो सकती हैं। ऐसे में बच्चों के शरीर में से ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी पूरी करने के लिए आप ड्राई फ्रूट्स, कोल्ड वॉटर फिश, ब्रोकली उन्हें दे सकते हैं।

जंगल सफारी का नया ठिकाना

राजस्थान के जवाई में देखें तेंदुए और

जंगल सफारी के शौकीनों के लिए राजस्थान का जवाई नेशनल पार्क एक बेहतरीन विकल्प है, जहाँ आप तेंदुए, मगरमच्छ और अन्य जंगली जानवरों को उनके प्राकृतिक आवास में देख सकते हैं। पाली जिले में स्थित यह तेंदुआ संरक्षण रिजर्व अपनी अद्वितीय विशेषता के लिए जाना जाता है, जहाँ ग्रामीण और तेंदुए साथ रहते हैं। यह ट्रिप आपको एडवेंचर और रोमांच से भरपूर एक यादगार अनुभव देगी।



जंगल सफारी करने का एक अलग ही आनंद होता है। अगर आपको भी जंगली जानवर देखने का शौक हैं, लेकिन जब नेशनल पार्क में जाते हैं तो सिर्फ हिरन और बंदर को देखकर आ जाते हैं। हालांकि, शेर, चीता और बाघ न मिले तो मजा नहीं आता है। हर किसी का बजट साउथ अफ्रीका और केन्या जाने का तो होता नहीं। जहां पर मसाई मारा जैसे नेशनल पार्क में जा पाएं और जंगली जानवर देख पाएं। लेकिन आपको ज्यादा दूर जाने की जरुरत नहीं है। आप राजस्थान के जवाई नेशनल पार्क में, जहां पर तेंदुआ, मगरमच्छ जैसे जंगली जीव खुले घूमते दिख जाएंगे और आपको यहां पर सैर करके काफी सुंदर नजारे दिखेंगे।

जवाई नेशनल पार्कट

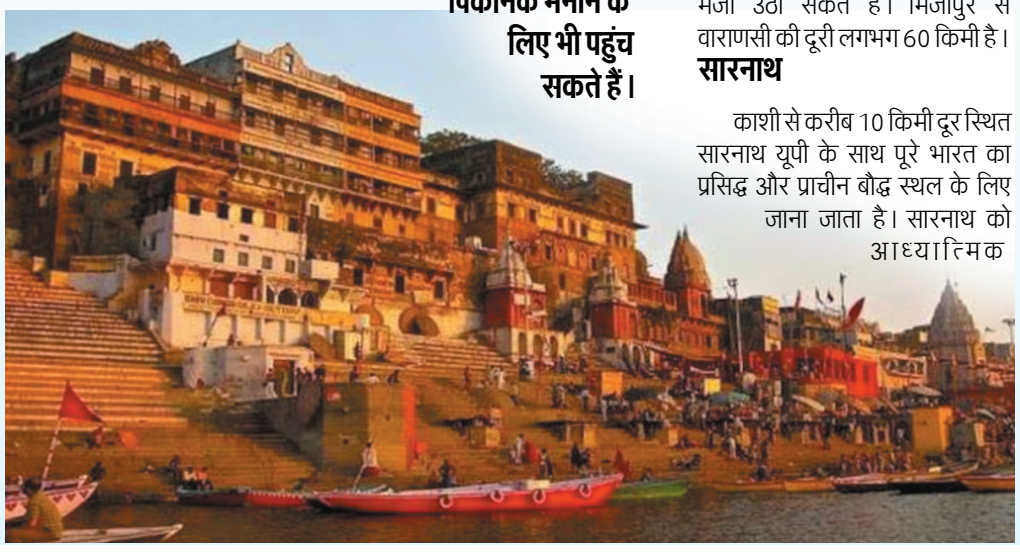
जवाई नेशनल पार्क राजस्थान के पाली जिले में मौजूद है। यह एक तेंदुआ सरंक्षण रिजर्व सेंटर है। इस पार्क में आपको तेंदुआ की काफी आबादी देखने को मिल जाएगी। यहां पर जवाई बांध भी है। बता दें कि, 60 किलोमीटर एरिया में फैले इस नेशनल पार्क में 16 गांव बसे हैं। जहां पर तेंदुआ और ग्रामीण लोग साथ में रहते है। तेंदुआ और दूसरे जंगली जानवरों को देखने आप यहां जरुर जाएं। ट्रिप आपकी रोमांच से भर जाएगी। यहां पर तेंदुआ की अलग-अलग प्रजाति के अलावा जंगली बिल्ली, भेड़िया, सियार और धारीदार लकड़बग्घे भी रहते हैं। आपको 100 से ज्यादा वैराइटी के प्रवासी और लोकल पक्षी भी देखने को मिल जाएंगे। ग्रेनाइट की पहाड़ियों के लिए सुंदर नजारों के बीच वाइल्ड लाइफ का करीब से दीदार होगा।

कैसे पहुंचे

जवाई जाने के लिए बाय रोड भी जा सकते हैं। उदयपुर या जयपुर एयरपोर्ट से यहां प्राइवेट साधन के जरिए जा सकते हैं। नजदीकी एयरपोर्ट उदयपुर है जो करीब 150 किमी दूर है। इसके अलावा, सिर्फ 4 किमी की दूरी पर मोरी बेरा रेलवे स्टेन है। जो जयपुर, दिल्ली, मुंबई से जुड़ा हुआ है। सर्दियों के मौसम में यहां पर जाना अच्छा माना जाता है।

मिर्जापुर से बनाएं यादगार वन-डे ट्रिप

मिर्जापुर का नाम सुनते ही अधिकतर लोगों के जहन में सबसे पहले मिर्जापुर वेब सीरीज का ही ध्यान आता है। हालांकि इस वेब सीरीज से अलग हटकर मिर्जापुर का जिक्र किया जाता है, तो यह शहर हाथों द्वारा निर्मित कालीन और दरियों का सबसे बड़ा उत्पादन भी करता है। उत्तर प्रदेश में स्थित मिर्जापुर एक ऐसा शहर है, जोकि पहाड़ियों से घिरा है। वहीं इस शहर में बहुत कम ऐसी जगहें हैं, जहां पर लोग घूमने के लिए जाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मिर्जापुर के आसपास स्थित कुछ ऐसी खूबसूरत और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको आप एक दिन की ट्रिप में एक्सप्लोर कर सकते हैं। वहीं आप इन जगहों पर वीकेंड पर पिकनिक मनाने के लिए भी पहुंच सकते हैं।



वाराणसी

जब भी मिर्जापुर के आसपास में किसी शानदार और चर्चित जगह घूमने की बात की जाती है, तो कई लोग सबसे पहले वाराणसी का नाम लेते हैं। यह यूपी का एक चर्चित धार्मिक स्थल है।

गंगा नदी के तट पर स्थित वाराणसी में आप काशी विश्वनाथ मंदिर, मणिकर्णिका घाट, अस्सी घाट, दशाश्वमेध यज्ञ और भारत माता मंदिर जैसे कई विश्व प्रसिद्ध धार्मिक जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसलिए वाराणसी में दूर-दूर से पर्यटक घूमने के लिए आते हैं। आप यहां पर बोटिंग का भी मजा उठा सकते हैं। मिर्जापुर से वाराणसी की दूरी लगभग 60 किमी है।

सारनाथ

काशी से करीब 10 किमी दूर स्थित सारनाथ यूपी के साथ पूरे भारत का प्रसिद्ध और प्राचीन बौद्ध स्थल के लिए जाना जाता है। सारनाथ को आध्यात्मिक स्थानों में से एक माना जाता है।

सारनाथ में आप धमेख स्तूप से लेकर चौखंडी स्तूप, अशोक स्तंभ और थाई मंदिरों जैसे बौद्ध स्थलों को देख सकते हैं। वहीं सारनाथ में स्थित मूलगंध कुटी विहार और हिरण उद्यान को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। मिर्जापुर से सारनाथ की दूरी लगभग 75 किमी है।

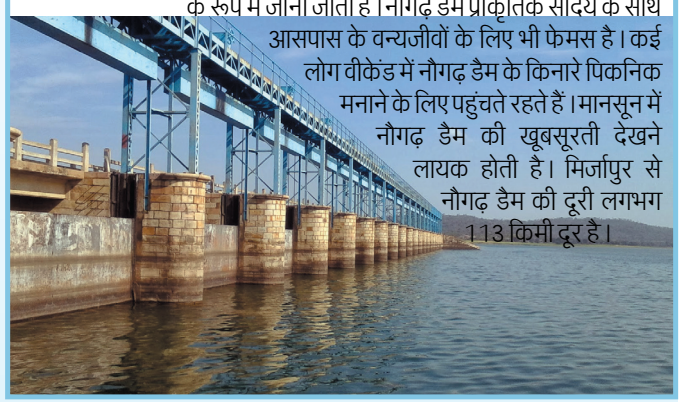
प्रयागराज

प्रयागराज यूपी का एक बेहद खूबसूरत और प्रमुख शहर है। इस शहर को कई लोग इलाहाबाद के नाम से भी जानते हैं। यह हिंदुओं के लिए एक प्रमुख तीर्थ स्थल है। क्योंकि प्रयागराज एक ऐसा शहर है, जो गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती नदियों के संगम पर स्थित है। प्रयागराज महाकुंभ मेले के लिए भी जाना जाता है।

यहां पर कई ऐतिहासिक और खूबसूरत जगहें मौजूद हैं, जिनको आप एक्सप्लोर कर सकते हैं। यहां पर आप प्रयागराज फोर्ट, खुसरो बाग, त्रिवेणी संगम और चन्द्रशेखर आजाद पार्क को एक्सप्लोर कर सकते हैं। मिर्जापुर से प्रयागराज की दूरी 88 किमी है।

नौगढ़ डैम

यूपी के चंदौली जिले में स्थित नौगढ़ डैम राज्य का खूबसूरत डैम है। यह डैम चंद्रप्रभा वन्यजीव अभ्यारण में स्थित है, इस डैम का निर्माण 1956 में किया गया था। नौगढ़ डैम का पानी सिंचाई के तौर पर इस्तेमाल होता है। इसको पर्यटन स्थल के रूप में जाना जाता है। नौगढ़ डैम प्राकृतिक सौंदर्य के साथ आसपास के वन्यजीवों के लिए भी फेमस है। कई लोग वीकेंड में नौगढ़ डैम के किनारे पिकनिक मनाने के लिए पहुंचते रहते हैं। मानसून में नौगढ़ डैम की खूबसूरती देखने लायक होती है। मिर्जापुर से नौगढ़ डैम की दूरी लगभग 113 किमी दूर है।



खिलाड़ियों और स्टाफ के अनुभव गोपनीय रखे जाएंगे

सीए 'सैंडपेपरगेट कांड' एक फोरम बनाएगा



होबार्ट । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने घोषणा की है कि वह 2018 के दक्षिण अफ्रीका दौरे में शामिल खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए एक इंडिपेंडेंट फोरम बनाएगा, ताकि वे अपनी गवाही दोबारा सुन सकें। बोर्ड ने कहा कि केपटाउन घटना की जांच दोबारा नहीं शुरू की जाएगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन डेविड बून ने कहा, 'ध्यान से सोचने के बाद, सीए बोर्ड ने एक ऐसा फोरम बनाने का फैसला किया है जो 2018 में साउथ अफ्रीका की घटनाओं में शामिल खिलाड़ियों और स्टाफ को अपने अनुभव और नजरिए शेयर करने की इजाजत देगा।' उन्होंने कहा, 'हमारा मानना ??है कि यह खेल के सबसे अच्छे हित में है। लगभग एक दशक से, उन घटनाओं के नतीजे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के बारे में बातचीत का हिस्सा रहे हैं। यह कई लोगों के लिए एक मुश्किल चैप्टर रहा है और, तेजी से, चल रही बहस खेल से ध्यान भटकाने वाली बन गई है। हमारा मानना ??है कि अब सर्किट ब्रेकर का समय आ गया है। यह फोरम अतीत पर फिर से बात करने के बारे में नहीं है। यह उन लोगों के लिए एक मौका बनाने के बारे में है जो एक सम्मानजनक माहौल में अपनी कहानियां सुनाना चाहते हैं, और हमारे खेल को सुनने के लिए।'

उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट तब सबसे मजबूत होता है जब वह एकजुट होता है। हम उन सभी के प्रति जिम्मेदार हैं जो खेल से प्यार करते हैं कि हम समझ, सम्मान और नजरिए के साथ एक साथ आगे बढ़ने की हर मुमकिन कोशिश करें। एक पूर्व खिलाड़ी के तौर पर, मैं जानता हू कि क्रिकेट हमें सबसे जरूरी चीजों में से एक देता है, वे रिश्ते जो हम बनाते हैं और वह दोस्ती जो खेल करियर खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक बनी रहती है। मेरी उम्मीद है कि यह प्रक्रिया उन कनेक्शन को मजबूत करने में मदद कर सकता है और हमें आगे क्या होने वाला है, इस पर ध्यान देने दे सकता है।' डेविड बून ने कहा, 'मैं सभी को प्रोत्साहित करूंगा कि वे इस प्रक्रिया को सम्मानपूर्वक और निजी तौर पर आगे बढ़ने दें। हमारा ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि खेल आगे भी बढ़ता रहे।'

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा, 'पिछले सप्ताह हमने 2018 में केपटाउन टेस्ट में जो हुआ उसके बारे में कई अलग-अलग बातें सुनी हैं। यह खेल और इससे जुड़े सभी लोगों के लिए बहुत मुश्किल और असहज समय रहा है।

स्मैट 2026: बंगाल ने झारखंड को 7 विकेट से हराया आंध्र-छत्तीसगढ़ और बिहार ने दर्ज की जीत

नई दिल्ली । सैयद मुश्ताक अली (स्मैट) एलीट 2026 में बुधवार को बंगाल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए डिफेंडिंग चैंपियन झारखंड को 7 विकेट से हराया। वहीं, बिहार, आंध्र और छत्तीसगढ़ ने भी जीत दर्ज की। छत्तीसगढ़ बनाम ओडिशा : ग्रुप डी के मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर स्कोबोर्ड पर 228 रन लगाए। टीम की तरफ से कप्तान विकल्प तिवारी ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। उन्होंने 56 गेंदों का सामना करते हुए 119 रनों की दमदार पारी खेली। 229 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए ओडिशा की टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर 177 रन ही बना सकी। टीम की ओर से सर्वाधिक 57 रन कार्तिक बिस्वाल ने बनाए। आंध्र बनाम केरल : आंध्र ने ग्रुप सी के मुकाबले में केरल को 29 रनों से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आंध्र ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 225 रन बनाए। टीम की तरफ से सीरम वेंकट राहुल ने सर्वाधिक 64 रन बनाए, जबकि शेख रशीद ने 39 गेंदों में 60 रनों का योगदान दिया। इसके जवाब में केरल की टीम 5 विकेट खोकर 196 रन ही बना सकी।



पहला टेस्ट आज से



WTC फाइनल के लिए भारत को क्या करना होगा?: मोर्कल ने सिराज-बुमराह से इस चुनौती से निपटने को कहा; और क्या बोले?

वेलिंगटन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज सिर्फ एक द्विपक्षीय मुकाबला नहीं है, यह आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 के फाइनल की दौड़ में भारत के लिए अपनी स्थिति मजबूत करने का बड़ा मौका भी है। फिलहाल न्यूजीलैंड अंक तालिका में शीर्ष पर है, जबकि भारतीय टीम चौथे स्थान पर है। ऐसे में भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने टीम को फाइनल तक पहुंचने का एक अहम मंत्र दिया है। उनका मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों को अब अपने सहज दायरे से बाहर निकलकर ज्यादा मेहनत करनी होगी। जरूरत पड़ने पर तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त ओवर करने और मुश्किल परिस्थितियों में भी टीम के लिए जिम्मेदारी उठाने को तैयार रहना होगा।



गेंदबाजी संयोजन को लेकर मोर्कल को पूरा भरोसा

सीरीज से पहले भारतीय टीम के तेज गेंदबाजी संयोजन को लेकर भी चर्चा है। जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, अंशुल कंबोज और हाल ही में टीम में शामिल किए गए गुरनूर बराड़ जैसे विकल्प मौजूद हैं। ऐसे में प्लेइंग-11 चुनना टीम प्रबंधन के लिए चुनौती हो सकता है। हालांकि, मोर्कल को उपलब्ध गेंदबाजों की क्वालिटी पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि टीम जिस भी गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरेगी, उसमें 20 विकेट लेने की क्षमता है। उन्होंने कहा, 'गौतम (गंभीर) को मेरा फीडबैक यही था कि इस दौरे पर हम जिस भी गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरेंगे, हमारे पास 20 विकेट लेने के लिए पर्याप्त क्षमता है। मुझे इस पर भरोसा है। हर गेंदबाज में अलग तरह की खूबी है और सभी कुशल हैं। मेरा मानना है कि सभी खेलने के लिए तैयार हैं।' मोर्कल ने सिराज को विश्वस्तरीय प्रदर्शन करने वाला गेंदबाज बताया। उन्होंने कहा कि जब भी सिराज को भारतीय टीम की जर्सी में मौका मिला है, उन्होंने खुद को साबित किया है।



पिछले नतीजों की निराशा पीछे छोड़ना चाहता है भारत

मोर्कल ने स्वीकार किया कि हाल के टेस्ट नतीजों से भारतीय ड्रेसिंग रूम में निराशा रही है। उनके मुताबिक, टीम कुछ अहम खिलाड़ियों के जाने के बाद अपनी लय तलाश रही थी। हालांकि, आगामी दो टेस्ट को लेकर खिलाड़ियों के बीच बातचीत सकारात्मक रही है।

उन्होंने कहा कि टीम को पता है कि वह इससे बेहतर क्रिकेट खेल सकती है और अगले 10 से 13 दिनों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए सभी में मजबूत इच्छाशक्ति है। भारत ने डब्ल्यूटीसी के पहले दो फाइनल खेले थे और अब 2027 में द ओवल में होने वाले फाइनल में वापसी करना चाहेगा। इसके लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट भारत के अभियान में अहम साबित हो सकते हैं।

'फाइनल में पहुंचना है तो आराम के दायरे से बाहर निकलना होगा'

मोर्कल ने कहा कि भारत को डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने के लिए अब खुद को पहले से ज्यादा चुनौती देनी होगी। टीम को ऐसे काम करने के लिए तैयार रहना होगा, जो शायद उसने पहले नहीं किए हैं। उन्होंने खास तौर पर तेज गेंदबाजों के लंबे स्पेल और अतिरिक्त ओवर करने की जिम्मेदारी का जिक्र किया। मोर्कल ने कहा, 'फाइनल में पहुंचने के लिए हमें अब खुद को थोड़ा और आगे बढ़ाना होगा। हमें अपने सहज दायरे से बाहर निकलकर ऐसी स्थिति में जाना होगा, जहां शायद हम पहले कभी नहीं गए हैं। अगर किसी मौके पर टीम को जरूरत हो कि कोई गेंदबाज दो या तीन ओवर अतिरिक्त करे, हवा के विपरीत गेंदबाजी करे और मुश्किल जिम्मेदारी निभाए, तो हमें इसके लिए तैयार रहना होगा।'

वेलिंगटन की हवा और न्यूजीलैंड का निचला क्रम भी चुनौती

न्यूजीलैंड दौरे पर वेलिंगटन की तेज हवाएं भी भारतीय गेंदबाजों के लिए चुनौती बन सकती हैं। मोर्कल के मुताबिक, दोनों टीमों को इन परिस्थितियों का सामना करना होगा।

ऐसे में खिलाड़ियों को मजबूत मानसिकता के साथ मैदान पर उतरना होगा। उन्होंने कहा कि किसी एक छोर से गेंदबाज को जिम्मेदारी उठानी होगी और खिलाड़ियों की बॉडी लैंग्वेज ऐसी होनी चाहिए कि वे लगातार गेंदबाजी करने के लिए तैयार दिखें। इसके अलावा मोर्कल ने न्यूजीलैंड के निचले क्रम को भी भारत के लिए अहम चुनौती बताया।

फ्रेंडली मैच में अर्जेंटीना ने कोस्टा रिका को 7-0 से हराया

ब्यूनस आयर्स । निको पाज, जूलियन अल्वारेज और फ्रैंको मास्टैंटुओनो के दो-दो गोल की मदद से अर्जेंटीना ने एक मैत्री मैच में कोस्टा रिका को 7-0 से हरा दिया। कोस्टा रिका ने एक तिहाई से भी कम पजेशन पर कंट्रोल किया। टीम मुश्किल से अपने अटैकिंग थर्ड में घुस पाई। गेम शुरू होने के सिर्फ सात मिनट बाद, पाज ने पेनल्टी एरिया के किनारे पर एक रिबाउंड पर झपट्टा मारा और एक शानदार

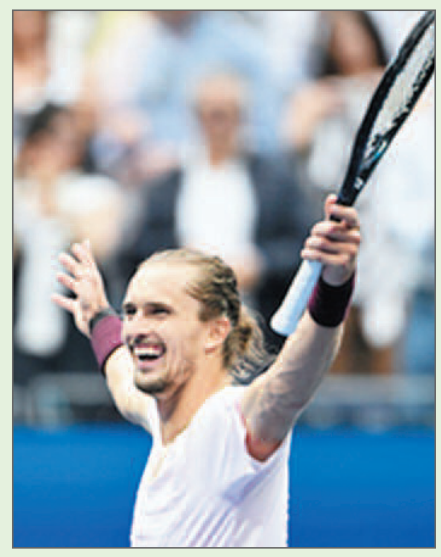


फिनिश के साथ पहला गोल किया। गोल के बाद के मिनट पूरी तरह से लियोनेल स्कालोनी की टीम के कंट्रोल में थे, जिन्होंने मिडफील्डर्स के बीच बॉल को मूव किया और विंग्स से अटैक करने की कोशिश की। इसके बावजूद, कोस्टा रिका ने एक काउंटर-अटैक के बाद कप्तान एमिलियानो मार्टिनेज को एक शानदार सेव करने पर मजबूर कर दिया। बाद में, लगभग 30 मिनट के बाद, नेशनल टीम ने एक और अच्छा अटैकिंग खेल दिखाया। कुछ देर बाद, एन्जो फर्नांडीज की एक शानदार थ्रू बॉल और गिया के विंग से नीचे दौड़ने के बाद, जूलियन अल्वारेज को पास मिला और उन्होंने मैच का दूसरा गोल किया। फिर, पाज ने एक सोलो रन बनाया, एक डिफेंडर को पीछे छोड़ते हुए, अंदर कट करते हुए, और एक जोरदार शॉट मारा जो पैट्रिक सेक्वेरा को छकाते हुए टॉप कॉर्नर में चला गया। पहला हाफ 4-0 के साथ समाप्त हुआ। दूसरे हाफ के तीन मिनट बाद, फ्रैंको मास्टैंटुओनो ने पास के पोस्ट पर गोलकीपर को पीछे छोड़ते हुए एक लो शॉट मारा, जिससे अर्जेंटीना के लिए उनका दूसरा और पांचवां गोल हुआ।

दूसरे हाफ के बीच में, नेशनल टीम ने बॉल पर कब्जा बनाए रखा और विंग्स से अटैक किया। इसके बाद एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने पेनल्टी एरिया में दो डिफेंडरों को छकाते हुए छठा गोल किया। गेम के आखिर में, मास्टैंटुओनो ने फिर से गोल किया। गिउलिआनो शिमोन के साथ वन-टू के बाद, मिडफील्डर ने सटीकता से गोल करके 7-0 की जीत पक्की कर दी।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने बनाई एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह, बेन शेल्टन को हराया

ट्यूरिन । अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने राउंड-रॉबिन मुकाबले में बेन शेल्टन को हराकर साल 2026 के एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। जर्मन खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शेल्टन को 6-2, 7-6(4) से हराया। एक घंटे और 34 मिनट तक चले इस मुकाबले में जीत के साथ ही उन्होंने अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली। ज्वेरेव इस प्रतिष्ठित सीजन-एंडिंग टूर्नामेंट में नौवीं बार हिस्सा ले रहे हैं। इससे पहले, उन्होंने 2018 में



लंदन में और 2021 में ट्यूरिन में ट्रॉफी जीती थी। एटीपी के आंकड़ों के अनुसार, 2018, 2019, 2021 और 2024 के बाद यह पांचवीं बार है जब वह इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। शेल्टन, जो लगातार दूसरे साल इस सीजन-फिनाले में खेल रहे हैं, अब जॉन मैकेनरो ग्रुप में 1-1 की स्थिति में हैं। अमेरिकी खिलाड़ी ने रविवार को आर्थर फिल्स को हराकर एटीपी फाइनल्स में अपनी पहली जीत दर्ज की थी। अब उनका ध्यान गुरुवार को राफेल जोडार के खिलाफ होने वाले मुकाबले पर है।

फुटबॉल: भारत के खिलाफ मैच में फिलिस्तीन के खिलाड़ियों पर नस्लवाद का आरोप



नई दिल्ली । भारत ने मंगलवार को कुआलालंपुर में खेले गए एफसी अंडर-17 एशियन कप 2027 क्वालिफायर में फिलिस्तीन को 4-1 से हरा दिया। इस मैच में भारतीय कप्तान डल्लालमुऑन गंगटे को नस्लभेदी व्यवहार का सामना करना पड़ा। घटना के कैमरे में रिकॉर्ड होने के बाद भी रेफरी ने कोई एक्शन नहीं लिया। मुकाबले में भारत और फिलिस्तीन दोनों टीमें क्वालिफाइंग ग्रुप में टॉप स्पॉट के लिए लड़ रही थीं। इस वजह से दोनों टीमें एक दूसरे पर हावी होने का प्रयास कर रही थीं। इस दौरान फिलिस्तीनी खिलाड़ी बार-बार भारतीय खिलाड़ियों को शारीरिक रूप से चुनौती देने और परेशान करने की कोशिश कर रहे थे। विवाद तब बढ़ गया जब फिलिस्तीन के नंबर 19 खिलाड़ी को भारतीय कप्तान डल्लालमुऑन गंगटे के पास नाक पर पंखा झलते हुए देखा गया। इस हरकत को नस्लभेदी माना गया। लाइव ब्रॉडकास्ट में दिखने के बावजूद, मैच अधिकारियों ने इस घटना पर बिना किसी कार्रवाई के खेल जारी रहने दिया।

फिलिस्तीनी खिलाड़ी मोहम्मद जमहूर ने नौवें मिनट के आस-पास एक भारतीय खिलाड़ी को पीछे से दो बार लात मारी और फिर फुटबॉलर के जमीन पर गिरने के बाद उसके हाथ पर पैर पटक दिया। इस घटना के बाद रेफरी ने फिलिस्तीन के खिलाड़ी को रेड कार्ड दिया था। मैच के दौरान इन तनावपूर्ण क्षणों को बावजूद भारतीय टीम ने अपना धैर्य नहीं खोया और शानदार प्रदर्शन करते हुए 4-1 के अंतर से जोरदार जीत हासिल की।

आईसीसी रैंकिंग: टॉम बैंटन ने लगाई लंबी छलांग

अर्शदीप को मिला न्यूजीलैंड के खिलाफ दमदार प्रदर्शन का इनाम

दुबई । न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन का इनाम अर्शदीप सिंह को आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में मिला है। वह 12 स्थान ऊपर चढ़कर गेंदबाजों की रैंकिंग में संयुक्त रूप से 19वें नंबर पर पहुंच गए हैं। इस हफ्ते गेंदबाजी रैंकिंग में सबसे ज्यादा सुधार करने वाले खिलाड़ियों में अर्शदीप शामिल हैं। अफगानिस्तान के स्पिन गेंदबाज राशिद खान 50 ओवर के फॉर्मेट में दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी भी 15 स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 12वें नंबर पर आ गए हैं, जबकि उनके साथी खिलाड़ी काइल जैमीसन 15 स्थान ऊपर चढ़कर 45वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, इंग्लैंड के बल्लेबाज टॉम बैंटन को भी ताजा रैंकिंग में फायदा पहुंचा है। उन्होंने एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में जीत दिलाने वाली शतकीय पारी खेली थी। बैंटन ने 99 गेंदों पर 121 रन बनाए, जो उनका दूसरा वनडे शतक था। उनकी इस पारी की मदद से इंग्लैंड ने सीरीज में बराबरी की और वह बल्लेबाजी रैंकिंग में 34 स्थान की छलांग लगाकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनके साथी खिलाड़ी जो रूट भी टॉप 10 में वापस आ गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में अर्धशतक लगाने के बाद रूट दो स्थान ऊपर चढ़कर नौवें नंबर पर पहुंच गए हैं। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल वनडे में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं।



इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने भी वनडे गेंदबाजों की टॉप 10 सूची में वापसी की है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे मैचों में एक-एक विकेट लेने के बाद, वह चार स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर आ गए हैं। इस बीच, शारजाह में जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान के बीच खेली गई कड़े मुकाबले वाली टेस्ट सीरीज (जिसे जिम्बाब्वे ने 2-0 से जीता) के बाद, दोनों टीमों के खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी काफी सुधार हुआ है।

टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को सबसे ज्यादा फायदा हुआ। उन्होंने दूसरे और निर्णायक टेस्ट मैच में छह विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, जिससे वह पांच स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 16वें नंबर पर आ गए हैं। स्पिनर ग्रीम क्रेमर भी छह स्थान की छलांग लगाकर 65वें नंबर पर आ गए हैं। बल्लेबाजों की रैंकिंग में जिम्बाब्वे के ओपनर इनोसेंट काइया 20 स्थान की छलांग लगाकर 50वें नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि अनुभवी ब्रेंडन टेलर 40 स्थान ऊपर चढ़कर 62वें नंबर पर आ गए हैं। अफगानिस्तान के ऑलराउंडर नसीर मारूफखिल ने अपने टेस्ट डेब्यू में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच की पहली पारी में शतक लगाया और सात विकेट लिए। पुरुषों के टेस्ट क्रिकेट में ऐसा कारनामा करने वाले वह केवल चौथे खिलाड़ी बने।



साई पल्लवी के सपोर्ट में उतरे धनुष

नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में सीता का किरदार निभाने को लेकर साई पल्लवी लगातार चर्चा में हैं। फिल्म में उनकी कास्टिंग को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। अब अभिनेता धनुष ने साई पल्लवी का समर्थन करते हुए उनकी जमकर तारीफ की है। उन्होंने साई की भक्ति, व्यक्तित्व और एक्टिंग की तारीफ करते हुए उनके सीता के किरदार को लेकर हो रही आलोचना पर सवाल उठाए हैं। दरअसल, धनुष और साई पल्लवी जल्द ही फिल्म 'ओम' में एक साथ नजर आने वाले हैं। दोनों करीब नौ साल बाद साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने फिल्म 'मारी 2' में साथ काम किया था। फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान धनुष ने साई पल्लवी के साथ काम करने का अनुभव साझा किया और उनकी तारीफ की।

इवेंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें धनुष साई पल्लवी के सीता बनने को लेकर हो रही चर्चाओं पर बात करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि साई के किरदार को लेकर इतना शोर क्यों मचाया जा रहा है। धनुष ने बताया कि शूटिंग के दौरान भी साई ब्रेक के समय लगातार भगवान की प्रार्थना किया करती थीं। धनुष ने कहा, 'उनके सीता के किरदार को लेकर इतनी बातें और चर्चाएं हो रही हैं। मुझे समझ नहीं आता कि ऐसा क्यों है। शूटिंग के दौरान शॉट्स के बीच मिलने वाले ब्रेक में भी वह लगातार प्रार्थना करती रहती थीं। अगर आप पूरे भारत में भी तलाश करेंगे, तो आपको उनके जैसी दूसरी सीता नहीं मिलेगी। वह भगवान के प्रति गहरी आस्था रखने वाली और बेहद साफ दिल की इंसान हैं। वह बेहद खूबसूरत हैं और एक शानदार कलाकार भी हैं।'

नौ साल में साई पल्लवी में आया बड़ा बदलाव

धनुष ने साई पल्लवी के साथ अपनी पहली फिल्म 'मारी 2' को भी याद किया। उन्होंने बताया कि उस समय साई काफी शांत स्वभाव की थीं और बहुत कम बोलती थीं। वह कुछ भी कहने से पहले काफी सोचती थीं। हालांकि, नौ साल बाद फिल्म 'ओम' के सेट पर उनसे दोबारा मिलकर धनुष उनके बदले हुए अंदाज को देखकर हैरान रह गए। उन्होंने कहा, 'जब मैं पहली बार 'मारी 2' के दौरान साई पल्लवी से मिला था, तब वह बहुत मासूम थीं और काफी कम बोलती थीं। कुछ भी कहने से पहले सोचती थीं और बात करने में भी हिचकिचाती थीं। लेकिन नौ साल बाद इस फिल्म के सेट पर उनसे मिला, तो वह पूरी तरह बदली हुई नजर आईं। वह सिनेमा की कला में पूरी तरह माहिर हो चुकी थीं। उनके बोलने के अंदाज, चलने के तरीके और एक्सप्रेशंस में एक अलग ही आत्मविश्वास और ठहराव दिखाई दे रहा था। यह देखकर मैं हैरान रह गया।'

मुश्किल किरदार को साई ने हिम्मत के साथ निभाया

धनुष ने अपनी आने वाली फिल्म 'ओम' में साई पल्लवी के काम की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि फिल्म में उनका किरदार निभाना आसान नहीं था, लेकिन साई ने इसे पूरी हिम्मत के साथ स्वीकार किया और शानदार अभिनय किया। धनुष के मुताबिक, 'इस किरदार को निभाना बिल्कुल आसान नहीं है। साई पल्लवी ने इसे बहुत हिम्मत और साहस के साथ स्वीकार किया और शानदार परफॉर्मेंस दी।'

'ओम' में साई पल्लवी ने निभाया ये किरदार

बता दें कि फिल्म 'ओम' में धनुष और साई पल्लवी एक बार फिर साथ नजर आएंगे। फिल्म में ममूटी भी अहम भूमिका में हैं। साई पल्लवी फिल्म में नित्या रेड्डी नाम की सीबीआई अधिकारी का किरदार निभा रही हैं, जो लाल चंदन की अवैध तस्करी के मामले की जांच करती हैं। वहीं, नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में रणबीर कपूर भगवान राम, यश रावण, रवि दुबे लक्ष्मण और सनी देओल भगवान हनुमान की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का पहला पार्ट 5 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुआ था, जबकि इसका दूसरा पार्ट 2028 में रिलीज होने वाला है।





आवारा पागल दीवाना 2 पर बोले सुनील शेट्टी

साल 2002 में रिलीज हुई फिल्म 'आवारा पागल दीवाना' का सीक्वल बनने जा रहा है। अभिनेता सुनील शेट्टी ने फैंस को यह खुशखबरी दी है। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है।

सुनील शेट्टी ने हाल ही में बातचीत में फिल्म 'आवारा पागल दीवाना 2' के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'फिल्म का सीक्वल बनने जा रहा है, इस पर काम जारी है।' इस पर उनसे सवाल हुआ कि क्या इसकी शूटिंग अगले साल शुरू हो सकती है? इसके जवाब में शेट्टी ने कहा कि हां ऐसा हो सकता है।

सफलता से खुश हैं अभिनेता

इस बातचीत में आगे सुनील शेट्टी ने 2026 के प्रोजेक्ट्स पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'मैंने बॉर्डर 2 में भी काम किया है। मैं उसमें सिर्फ एक सीन में था, लेकिन मैं इसे एक सफलता मानता हूं क्योंकि आखिरकार यह हमारी फ्रेंचाइज बन गई है। जिस तरह से चीजें आगे बढ़ रही हैं, उससे मैं बहुत खुश हूं। साथ ही, भारत के सुपर फाउंडर्स के पहले सीजन की सफलता से भी मुझे बहुत खुशी है।'

साल 2002 में रिलीज हुई आवारा पागल दीवाना का निर्माण फिरोज नाडियाडवाला ने किया था और फिल्म को सारे किरदार काफी मजेदार थे। सुनील शेट्टी के अलावा, इस एक्शन – कॉमेडी में अक्षय कुमार, आफताब शिवदासानी, परेश रावल, अमृता अरोरा, आरती छाबड़िया, प्रीति झंगियानी, सुप्रिया पिलगांवकर, ओम पुरी, जॉनी लीवर और राहुल देव ने अभिनय किया था। इतने सारे लोकप्रिय कलाकारों के एक साथ आने से फिल्म में भरपूर कॉमेडी और एक्शन देखने को मिला था।



जॉन डो से ड्रीम डेब्यू कर भावुक हुईं सृष्टि सिंह



अभिनेत्री सृष्टि सिंह ने 13 नवंबर को रिलीज हुई फिल्म 'जॉन डो' के साथ अपना 'ड्रीम डेब्यू' किया है। तमिल फिल्म उद्योग में अपने पहले कदम को लेकर उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट उनके दिल में हमेशा एक खास जगह बनाए रखेगा। अपनी पहली फिल्म के दर्शकों तक पहुंचने पर खुशी जाहिर करते हुए सृष्टि ने इस अनुभव को बेहद अविश्वसनीय बताया। उन्होंने कहा, 'किसी ऐसी यात्रा को बड़े पर्दे पर जीवंत होते देखना, जिसकी शुरुआत कई अनिश्चितताओं के साथ हुई थी, अपने आप में बेहद खास एहसास है। मुझे दर्शकों से मिल रहे प्यार, प्रोत्साहन और सराहना से बेहद खुशी हो रही है। लोगों को फिल्म से जुड़ते और इसे इतना स्नेह देते देख जो एहसास हो रहा है, उसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है।' सृष्टि ने उन सभी लोगों का आभार भी व्यक्त किया जिन्होंने उनके सपने को साकार करने का अवसर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं निर्देशक मधुमिता, निर्माताओं और अपने सह-कलाकारों की बेहद आभारी हूं, जिन्होंने इस सफर को खास बनाया। मैं विशेष रूप से अर्का मीडिया वर्क्स और खासकर प्रसाद गरु, शोबू गरु, किशोर और सौम्या का धन्यवाद करना चाहती हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया और मुझे यह अवसर दिया। उनके विश्वास ने ही यह सब संभव बनाया और मैं इसके लिए हमेशा आभारी रहूंगी।' उन्होंने कहा, 'मैं अपनी अभिनय प्रशिक्षक कलई रानी का भी धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने एक कलाकार के रूप में मेरा मार्गदर्शन किया। साथ ही मेरी तमिल भाषा प्रशिक्षक माधुरी मैम का भी आभार, जिन्होंने मुझे एक नई भाषा को समझने और इस अनुभव को आत्मविश्वास के साथ अपनाने में मदद की। इस यात्रा को सफल बनाने में हर व्यक्ति का योगदान रहा है। मैं इससे बेहतर शुरुआत की कल्पना नहीं कर सकती थी और 'जॉन डो' हमेशा मेरे दिल के बेहद करीब रहेगी।' अर्का मीडिया वर्क्स के बैनर तले निर्मित इस ड्रामा फिल्म में अर्जुन दास, संचना नटराजन और सृष्टि सिंह मुख्य भूमिकाओं में हैं। इनके अलावा जारा विनीत, नीरव एस, बडावा गोपी, कार्तिक कुमार, अनुपमा कुमार और अर्चना चंदोके भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं।



प्यार का प्रेशर कुकर शो होस्ट करेंगी शिल्पा शेट्टी

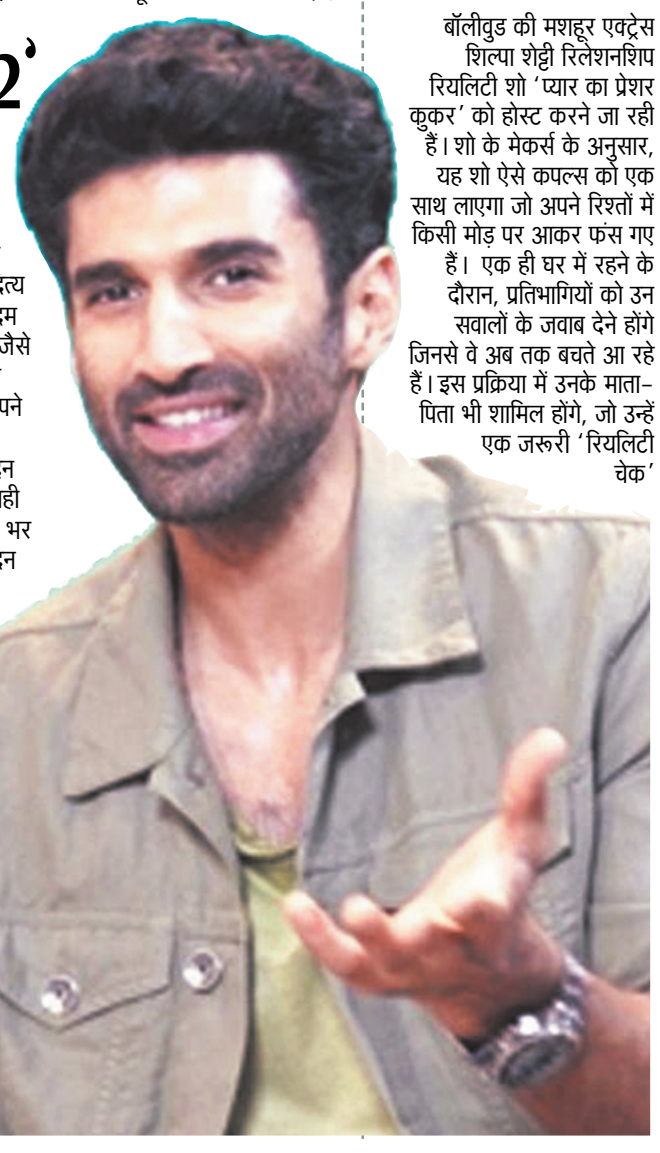
बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी रिलेशनशिप रियलिटी शो 'प्यार का प्रेशर कुकर' को होस्ट करने जा रही हैं। शो के मेकर्स के अनुसार, यह शो ऐसे कपल्स को एक साथ लाएगा जो अपने रिश्तों में किसी मोड़ पर आकर फंस गए हैं। एक ही घर में रहने के दौरान, प्रतिभागियों को उन सवालों के जवाब देने होंगे जिनसे वे अब तक बचते आ रहे हैं। इस प्रक्रिया में उनके माता-पिता भी शामिल होंगे, जो उन्हें एक जरूरी 'रियलिटी चेक' देंगे, ताकि स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सके और सच सामने आ सके।

शो के बारे में बात करते हुए शिल्पा ने कहा, 'आजकल रिश्तों में कई नए शब्द जुड़ गए हैं, जैसे 'सिचुएशनशिप', 'ब्रेडक्रंबिंग' और 'बैंचिंग'। इस सब के बीच असल स्पष्टता कहीं खो गई है। चाहे रिश्ता नया हो या वर्षों से चला आ रहा कोई पुराना रिश्ता, एक ऐसा मोड़ जरूर आता है, जब किसी को सही और जरूरी सवाल पूछने ही पड़ते हैं। 'प्यार का प्रेशर कुकर' की जो बात मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित करती है, वह है रियलिटी फॉर्मेट पर इसका एक नया नजरिया।'

अपनी बात कहने के लिए प्रेरित करता है शो

शिल्पा ने आगे कहा 'यह भारत का पहला ऐसा रिलेशनशिप शो है, जहां माता-पिता प्रतिभागियों को 'रियलिटी चेक' देते हैं। यह शो कपल्स के साथ-साथ उनके माता-पिता के लिए भी काफी दिलचस्प है, जो यह जानने के लिए उत्सुक रहते हैं कि असल में क्या चल रहा है। यह एक ऐसा शो है जो लोगों को वह बात कहने के लिए प्रेरित करता है जो वे वास्तव में कहना चाहते हैं। मैं इसे होस्ट करने के लिए बहुत उत्साहित हूं।' यह शो जल्द ही जियो हॉटस्टार और कलर्स पर आएगा।

सलमान-अजय के साथ किया डेब्यू, 'आशिकी 2' ने आदित्य रॉय कपूर को दिलाई असली पहचान



अपनी शानदार पर्सनैलिटी, दमदार आवाज और सहज अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले आदित्य रॉय कपूर आज लाखों लड़कियों के दिलों पर राज करते हैं। हालांकि, बहुत कम लोग जानते हैं कि आदित्य कभी अभिनेता बनना ही नहीं चाहते थे। उनका सपना तो एक प्रोफेशनल क्रिकेटर बनने का था लेकिन किस्मत उन्हें क्रिकेट के मैदान से उठाकर फिल्मों की दुनिया में ले आई। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत सलमान खान और अजय देवगन जैसे सुपरस्टार्स के साथ फिल्म 'लंदन ड्रीम्स' से की थी लेकिन उन्हें असली पहचान 'आशिकी 2' से मिली। आदित्य रॉय कपूर का जन्म 16 नवंबर 1985 को मुंबई में हुआ था। उनका परिवार पहले से ही फिल्मी दुनिया से जुड़ा हुआ था। उनके दादा रघुपत रॉय कपूर 1940 के दशक में फिल्म निर्माता थे। वहीं, उनके बड़े भाई सिद्धार्थ रॉय कपूर बॉलीवुड के जाने-माने फिल्म निर्माता हैं। उनकी शादी अभिनेत्री विद्या बालन से हुई है। आदित्य के दूसरे बड़े भाई कुणाल रॉय कपूर भी अभिनेता हैं। आदित्य की मां सलोमी रॉय कपूर (सलोमी आरोन) पूर्व मिस इंडिया और कोरियोग्राफर रह चुकी हैं। ऐसे में उनके परिवार का मनोरंजन जगत से पुराना नाता रहा है। इसके बावजूद आदित्य ने कभी बचपन से अभिनेता बनने का सपना नहीं देखा था। आदित्य को बचपन से ही क्रिकेट खेलने का बहुत शौक था। वह एक प्रोफेशनल क्रिकेटर बनना चाहते थे और इसके लिए उन्होंने क्रिकेट की कोचिंग भी ली थी। हालांकि, छठी कक्षा के बाद उन्होंने कोचिंग छोड़ दी।

फिल्मों में आने से पहले आदित्य ने बतौर वीडियो जॉकी अपने करियर की शुरुआत की थी। उनके मजाकिया अंदाज, बेबाक बातचीत और शानदार स्क्रीन प्रेजेंस को दर्शकों ने खूब पसंद किया। 'पकाऊ' और 'इंडियाज हॉटेस्ट' जैसे शो के जरिए वह युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हो गए थे। इसी दौरान उनकी मुलाकात फिल्मी दुनिया के लोगों से होने लगी और धीरे-धीरे उनके लिए फिल्मों के दरवाजे खुलने लगे। आदित्य ने साल 2009 में फिल्म 'लंदन ड्रीम्स' से बॉलीवुड में कदम रखा था। इस फिल्म में सलमान खान और अजय देवगन जैसे बड़े सितारे मुख्य भूमिकाओं में थे। हालांकि, दिलचस्प बात यह है कि आदित्य ने यह फिल्म बड़ा अभिनेता बनने के सपने के साथ साइन नहीं की थी।

एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि फिल्म की शूटिंग लंदन में होनी थी और उन्हें वहां घूमने का मौका मिल रहा था। यही बात उन्हें इतनी पसंद आई कि उन्होंने फिल्म के लिए हामी भर दी। उस समय उनके लिए अभिनय से ज्यादा आकर्षण लंदन घूमने और गिटार बजाने का था। इसके बाद वह 'एक्शन रिप्ले' और 'गुजारिश' जैसी फिल्मों में भी नजर आए। हालांकि, इन फिल्मों से उन्हें वह पहचान नहीं मिली, जिसकी एक अभिनेता को तलाश होती है।

आदित्य रॉय कपूर की जिंदगी में सबसे बड़ा बदलाव साल 2013 में आया, जब मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म 'आशिकी 2' रिलीज हुई। इस फिल्म में उन्होंने श्रद्धा कपूर के साथ मुख्य भूमिका निभाई। आदित्य ने फिल्म में राहुल जयकर नाम के एक ऐसे गायक का किरदार निभाया, जिसकी जिंदगी प्यार, दर्द और संघर्ष के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म की कहानी और गानों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। वहीं, आदित्य और श्रद्धा की केमिस्ट्री भी खूब पसंद की गई।

सोनिया गांधी की किताब पर शिवसेना के प्रदर्शन में विवाद, शाइना एनसी ने फाड़ी बाल ठाकरे की तस्वीर;

संजय राउत ने दी पिटाई की धमकी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' के खिलाफ शिवसेना की ओर से किए जा रहे प्रदर्शन के दौरान बुधवार को विवाद हो गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में किताब फाड़ने के दौरान शिवसेना नेता शाइना एनसी से गलती से पार्टी संस्थापक बाल ठाकरे की तस्वीर भी फट गई। जब वहां मौजूद लोगों ने उन्हें इस बारे में बताया तो वे असहज हो गईं। इस घटना के बाद राजनीतिक विवाद और बढ़ गया। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने इस घटना को लेकर शिवसेना नेताओं पर बालासाहेब ठाकरे के अपमान का आरोप लगाया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'जहां भी ये लोग दिखें, इनकी पिटाई करो।' राउत के इस बयान ने मामले को और तूल दे दिया है। दरअसल, शिवसेना सोनिया गांधी की किताब पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर रही है। पार्टी का आरोप है कि किताब में स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर और मराठी अस्मिता का अपमान किया गया है। इसी विरोध में पार्टी की ओर से प्रदर्शन किया जा रहा था। सोनिया गांधी की यह किताब 10 नवंबर को बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध हुई थी और 16 नवंबर को इसका औपचारिक विमोचन किया गया था। इस किताब को लेकर कांग्रेस की सहयोगी रही वाईएसआर कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने भी नाराजगी जताई है। शिवसेना की आपत्ति मुख्य रूप से किताब के दो हिस्सों को लेकर है। पार्टी ने पृष्ठ संख्या 201 पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विनायक दामोदर सावरकर से जुड़ी टिप्पणियों पर सवाल उठाए हैं। इस हिस्से में इंदिरा गांधी की आरएसएस की राजनीति को लेकर नाराजगी का उल्लेख किया गया है। इसमें कहा गया है कि जब कांग्रेस के नेता अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष कर रहे थे और जेल जा रहे थे, तब सावरकर अंग्रेजों के सामने दया याचिकाएं लिख रहे थे। साथ ही आरएसएस के कुछ सदस्यों पर अंग्रेज अधिकारियों के लिए मुखबिरी करने



का आरोप भी उल्लेखित है। इसी अंश में आरएसएस की विचारधारा को लेकर भी टिप्पणी की गई है। इसमें कहा गया है कि संघ कांग्रेस और उसकी विचारधारा को हिंदू राष्ट्र के निर्माण की राह में बाधा मानता था और इस सोच में दूसरे धर्मों के लोगों को दूसरे दर्जे का नागरिक समझा जाता था। किताब में आरएसएस के कुछ विचारकों की ओर से हिटलर और अल्पसंख्यकों से जुड़ी उसकी नीतियों की तारीफ किए जाने का भी उल्लेख है। इसमें इंदिरा गांधी की इस आशंका का जिक्र किया गया है कि ऐसी विचारधारा देश की एकता के लिए खतरा बन सकती है। शिवसेना की दूसरी आपत्ति किताब के पृष्ठ संख्या 443 पर लिखी गई टिप्पणी को लेकर है। इस पृष्ठ पर सावरकर को हिंदुत्व विचारधारा का जनक बताते हुए उनके विचारों को भारत में हिंदुओं की सर्वोच्चता से जोड़कर प्रस्तुत किया गया है। इसमें कहा गया है कि संघ परिवार और भाजपा इसी विचारधारा को आगे बढ़ा रहे हैं। शिवसेना ने इस टिप्पणी को गलत बताते हुए आरोप लगाया है कि इसके जरिए सावरकर और हिंदुत्व को लेकर झूठी कहानी फैलाने की कोशिश की गई है। किताब को लेकर वाईएसआर कांग्रेस ने भी सवाल उठाए हैं। पार्टी के सांसद मड्डिला गुरुमूर्ति ने पूछा कि सोनिया गांधी ने अपनी किताब में वाईएस राजशेखर रेड्डी के योगदान का उल्लेख क्यों नहीं किया। उनका कहना है कि वाईएसआर ने पदयात्रा के माध्यम से आंध्र प्रदेश में कांग्रेस को मजबूत किया था। उनके नेतृत्व में 2004 और 2009 में कांग्रेस को बड़ी जीत मिली थी और केंद्र में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार बनने में भी उनकी भूमिका रही थी। वहीं, भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष और तेलंगाना के पूर्व मंत्री केटी रामा राव ने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी के दिल में तेलंगाना के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी की किताब में तेलंगाना का नाम तक नहीं है। इस तरह किताब के अलग-अलग हिस्सों को लेकर शिवसेना के साथ-साथ वाईएसआर कांग्रेस और बीआरएस ने भी अपनी आपत्तियां जताई हैं।

गुजरात की राजनीति में बड़ा उलटफेरः ढाई साल में ही क्यों छोड़नी पड़ी थी आनंदीबेन पटेल को मुख्यमंत्री की कुर्सी?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात के राजनीतिक इतिहास में जब भी सबसे शक्तिशाली और प्रभावशाली नेताओं की चर्चा होती है, तो पहली महिला मुख्यमंत्री के रूप में आनंदीबेन पटेल का नाम प्रमुखता से सामने आता है। नरेंद्र मोदी के देश का प्रधानमंत्री बनने के बाद जब उन्होंने गुजरात की सत्ता की जिम्मेदारी छोड़ी, तब प्रदेश की कमान पूरी तरह विश्वास के साथ आनंदीबेन पटेल को सौंपी गई थी। गुजरात



की पहली महिला मुख्यमंत्री बनना उनके लिए गौरव की बात थी, लेकिन उनका कार्यकाल उम्मीदों से काफी छोटा साबित हुआ। महज ढाई साल के भीतर ही उन्हें अचानक अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। आखिर ऐसे कौन से बड़े राजनीतिक कारण और परिस्थितियां थीं, जिनके चलते आनंदीबेन पटेल को मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़नी पड़ी? आइए जानते हैं इसके पीछे की पूरी कहानी। आनंदीबेन पटेल के शासनकाल के सामने सबसे बड़ी चुनौती हार्दिक पटेल के नेतृत्व में शुरू हुआ पाटीदार आरक्षण आंदोलन बना। गुजरात का पाटीदार समाज परंपरागत रूप से भारतीय जनता पार्टी का सबसे मजबूत और भरोसेमंद मतदाता वर्ग माना जाता था, लेकिन आरक्षण की मांग को लेकर यही समाज सड़कों पर उतर आया। आंदोलन ने देखते ही देखते बड़े जनआंदोलन का रूप ले लिया। इस दौरान हुई हिंसा, पुलिस लाठीचार्ज और गोलीबारी की घटनाओं ने पूरे प्रदेश में सरकार के खिलाफ नाराजगी बढ़ा दी थी। भाजपा के मजबूत माने जाने वाले क्षेत्रों में भी मंत्रियों और विधायकों के प्रवेश का विरोध होने लगा था। सरकार आंदोलन को नियंत्रित करने और नाराज युवाओं को समझाने में सफल नहीं हो पा रही थी। इस स्थिति ने पार्टी नेतृत्व की चिंता बढ़ा दी थी और सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े होने लगे थे। पाटीदार आंदोलन का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि गिर सोमनाथ जिले के ऊना में दलित युवकों के साथ अत्याचार की अमानवीय घटना सामने आ गई। इस घटना ने गुजरात सरकार की छवि को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ा नुकसान पहुंचाया। घटना के विरोध में प्रदेशभर में दलित समाज ने प्रदर्शन शुरू कर दिए। कई स्थानों पर सरकार और प्रशासन के खिलाफ आक्रोश देखने को मिला। कानून व्यवस्था को लेकर भी गंभीर सवाल उठने लगे। पहले से ही पाटीदार आंदोलन के कारण राजनीतिक दबाव का सामना कर रही सरकार के लिए ऊना की घटना एक और बड़ी चुनौती बन गई। इन घटनाओं ने आनंदीबेन पटेल के नेतृत्व वाली सरकार की मुश्किलें और बढ़ा दी थीं। आनंदीबेन पटेल के कार्यकाल के दौरान स्थानीय निकायों के चुनावों में भी भाजपा को ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ा झटका लगा। ग्राम पंचायत, तालुका पंचायत और जिला पंचायत के चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। पाटीदार समाज की नाराजगी का असर चुनाव परिणामों में भी दिखाई दिया और कांग्रेस ने ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी स्थिति मजबूत की। भाजपा की सीटों में गिरावट ने पार्टी नेतृत्व को आने वाले राजनीतिक संकट का संकेत दे दिया था। वर्ष 2017 में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन और नेतृत्व में बदलाव की जरूरत महसूस होने लगी थी। पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती ग्रामीण क्षेत्रों में खोया हुआ जनाधार वापस हासिल करने की थी। इन सभी राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच भाजपा की 75 वर्ष की आयु सीमा का मुद्दा भी सामने आया। आनंदीबेन पटेल ने स्वयं फेसबुक पर एक पोस्ट साझा कर अपने पद से हटने की इच्छा जाहिर की थी।

सूरत भाजपा में 19 लाख रुपये के कथित समझौते और पार्षदों को 2-2 लाख बांटने की चर्चा से मचा सियासी भूचाल

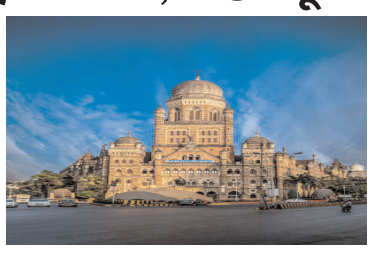
महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत, प्रतिनिधि। गुजरात की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी का मजबूत गढ़ माने जाने वाले सूरत शहर में पार्टी के अंदर कथित आर्थिक लेन-देन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। अनुशासन, संगठनात्मक मजबूती और पारदर्शिता का दावा करने वाली भाजपा के आंतरिक व्हाट्सऐप ग्रुप में ही 19 लाख रुपये के कथित समझौते और कुछ पार्षदों को 2-2 लाख रुपये दिए जाने की चर्चा सामने आने से राजनीतिक माहौल गरमा गया है। पार्टी के भीतर चल रहे इस विवाद ने अब संगठन की कार्यप्रणाली और स्थानीय नेतृत्व की भूमिका को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि सूरत भाजपा से जुड़े एक आंतरिक व्हाट्सऐप ग्रुप में अचानक आर्थिक लेन-देन को लेकर संदेशों का आदान-प्रदान शुरू हुआ। इन संदेशों में कथित तौर पर आरोप लगाया गया कि किसी बड़े विवाद या मामले को शांत कराने के लिए 19 लाख रुपये का समझौता किया गया। इसके साथ ही यह भी चर्चा की गई कि इस कथित लेन-देन में कुछ पार्षदों को 2-2 लाख रुपये का हिस्सा मिला। इन संदेशों के सामने आने के बाद पार्टी के स्थानीय राजनीतिक गलियारों में हलचल बढ़ गई है। इस पूरे प्रकरण में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आरोप किसी बाहरी राजनीतिक दल या विरोधी संगठन की ओर से ही नहीं लगाए गए, बल्कि पार्टी से जुड़े आंतरिक समूह में ही इस तरह की चर्चा होने की बात सामने आई है।

वीआईपी के दौरे पर ही क्यों चमकती हैं मुंबई की सड़कें? हाईकोर्ट ने बीएमसी को लगाई फटकार, कहा- पूरे साल शहर साफ रखें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को मुंबई की सड़कों की सफाई और शहर में कचरा प्रबंधन को लेकर बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) को फटकार लगाई। अदालत ने सवाल उठाया कि जब किसी वीआईपी या खास मेहमान का दौरा होता है, तभी शहर की सड़कें साफ-सुथरी क्यों दिखाई देने लगती हैं? आम मुंबईकरों को भी साफ-सुथरी सड़कें और बेहतर सुविधाएं मिलनी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि खास मेहमानों के आने पर दो दिन सफाई का दिखावा करने के बजाय शहर को पूरे साल साफ रखने की स्थायी व्यवस्था की जानी चाहिए। दरअसल, ब्रिटेन के प्रिंस विलियम और प्रिंसेस कैथरीन के मुंबई दौरे से पहले शहर की सड़कों और आसपास के इलाकों में सफाई कराई गई थी। दोनों 16 नवंबर को मुंबई पहुंचे थे और 17 नवंबर को अर्थशॉट पुरस्कार समारोह में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने गली क्रिकेट खेला था। वहीं, प्रिंस विलियम इलेक्ट्रिक ऑटो चलाते हुए भी नजर आए थे। इसी संदर्भ में हाईकोर्ट ने सवाल उठाया कि जब विदेशी मेहमानों



के दौरे पर शहर को साफ रखा जा सकता है, तो आम दिनों में ऐसा क्यों नहीं किया जाता। जस्टिस गिरीश कुलकर्णी और जस्टिस नीला गोखले की पीठ शहर में बढ़ते वायु प्रदूषण और कांजुरमार्ग डंपिंग ग्राउंड के पास जहरीली गैसों के रिसाव से जुड़े मामले की सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि जब खास लोग शहर में आते हैं, तब बीएमसी सड़कें साफ-सुथरी कर देती है। ऐसी व्यवस्था हमेशा के लिए क्यों नहीं लागू की जा सकती? अदालत ने कहा कि सफाई केवल कुछ दिनों या चुनिंदा स्थानों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि शहर के हर हिस्से में नियमित रूप से होनी चाहिए। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल उन सड़कों और इलाकों को बेहतर बनाने का तरीका सही नहीं है, जहां से खास मेहमानों का गुजरना होता है। मुंबई के सभी नागरिकों को स्वच्छ वातावरण मिलना चाहिए। अदालत ने बीएमसी से सफाई व्यवस्था को स्थायी बनाने की दिशा में काम करने पर जोर दिया। मामले में अगली सुनवाई 7 दिसंबर को होगी। सुनवाई के दौरान अदालत ने सड़कों और समुद्र किनारे प्लास्टिक कचरा मिलने पर भी गंभीर चिंता जताई। जजों ने सवाल किया कि प्लास्टिक के इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक लगाने की दिशा में कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे हैं। अदालत ने सरकार से प्लास्टिक को लेकर बनाई गई नीति की जानकारी मांगी और लोगों को इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान चलाने का सुझाव दिया। इससे पहले मंगलवार को हाईकोर्ट के जजों ने कांजुरमार्ग डंपिंग ग्राउंड का दौरा किया था। वहां प्लास्टिक से भरे कचरे के बड़े-बड़े ढेर देखकर उन्होंने चिंता जताई। अदालत ने मॉनिटरिंग कमेटी को डंपिंग ग्राउंड में फैल रही बदबू और प्रदूषण की स्थिति की जांच करने तथा 7 दिसंबर तक रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है।

दाहोद जिले में 18 से 30 नवंबर तक निषेधाज्ञा लागू, पांच या अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवगढ़ बारिया, प्रतिनिधि। गुजरात के दाहोद जिले में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। जिले में 18 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर रोक रहेगी। इस अवधि में सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना किसी भी प्रकार की सार्वजनिक सभा आयोजित करने या जुलूस निकालने की अनुमति नहीं होगी। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन की ओर से यह निर्णय पुलिस अधीक्षक दाहोद के प्रस्ताव और जिले में पूर्व में सामने आई सामुदायिक तनाव की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। अपर जिला मजिस्ट्रेट, दाहोद ने गुजरात पुलिस अधिनियम, 1951 की धारा 37(3) के तहत पूरे जिले की राजस्व सीमा में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी करते हुए सार्वजनिक अधिसूचना प्रकाशित की है। जारी आदेश के अनुसार, 18 नवंबर 2026 से 30 नवंबर 2026 तक यह प्रतिबंध प्रभावी रहेगा। दोनों तिथियां इसमें शामिल हैं। इस दौरान किसी भी व्यक्ति, संस्था या समूह को सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना पांच या अधिक लोगों के साथ एकत्र होने की अनुमति नहीं होगी। सार्वजनिक सभा और जुलूस आयोजित करने से पहले संबंधित अधिकारी से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 और गुजरात पुलिस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है। इस आदेश का उद्देश्य जिले में शांति, सामाजिक सौहार्द और कानून-व्यवस्था की स्थिति बनाए रखना तथा किसी भी संभावित तनाव या अप्रिय घटना को रोकना है। हालांकि, प्रतिबंधात्मक आदेशों में कुछ आवश्यक गतिविधियों और सरकारी कार्यों को छूट भी दी गई है। सरकारी विभागों और कार्यालयों की ओर से आयोजित आधिकारिक कार्यक्रमों तथा रैलियों को इस प्रतिबंध से बाहर रखा गया है। इसके अलावा सरकारी ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों, कर्मचारियों, होमगार्ड और अन्य अर्धसैनिक बलों के जवानों को भी उनके कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान छूट रहेगी।सामाजिक और पारिवारिक परंपराओं को ध्यान में रखते हुए अंतिम संस्कार के लिए निकाली जाने वाली शवयात्रा तथा विवाह समारोह के दौरान निकलने वाले वरघोड़े को भी प्रतिबंध से मुक्त रखा गया है।

सीजेआई सूर्यकांत पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले वकील को सुप्रीम कोर्ट का अवमानना नोटिस, 20 जनवरी तक मांगा जवाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले वकील को बुधवार को अवमानना नोटिस जारी किया। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) की याचिका पर की गई है। बार एसोसिएशन ने वकील के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की मांग की थी। जस्टिस दीपांकर दत्ता, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की तीन सदस्यीय पीठ ने वकील से जवाब मांगा है। अदालत ने नोटिस का जवाब दाखिल करने के लिए 20 जनवरी 2027 की तारीख तय की है। दरअसल, सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एक वकील ने सीजेआई सूर्यकांत के साथ तीखी बहस की थी। वकील अपने खिलाफ चल रहे अवमानना के मामले में जल्द सुनवाई चाहते थे। जब सीजेआई ने उन्हें थोड़ा इंतजार करने और आवेदन देखने की बात कही, तो वकील नाराज हो गए। उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि सीजेआई इस कुर्सी पर बैठने के लायक नहीं हैं और उनमें ईमानदारी नहीं है। यह घटना सोमवार दोपहर करीब दो बजे की बताई गई। उस समय सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना भी मौजूद थे। सुनवाई के दौरान वकील ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना अपना मामला रखने के लिए पहले माफी मांगी थी। इस पर जस्टिस वी. मोहना ने उन्हें समझाया कि वे इस तरह मामले का उल्लेख नहीं कर सकते। इसके बाद सीजेआई ने कहा कि उनका आवेदन देखा जाएगा और उन्हें कुछ देर इंतजार करना चाहिए। इसी बात पर वकील भड़क गए। हालांकि, उन्होंने पीठ में मौजूद अन्य दोनों न्यायाधीशों के प्रति सम्मान भी जताया। वकील की आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद अदालत की कार्यवाही का ऑडियो और वीडियो बंद कर दिया गया। कोर्ट में मौजूद वकीलों के मुताबिक, बाद में सुरक्षाकर्मी संबंधित वकील को कोर्ट रूम से बाहर ले गए। घटना के बाद वहां मौजूद कुछ वकीलों ने सीजेआई से इस व्यवहार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने एससीबीए की याचिका पर अवमानना नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इससे पहले जुलाई में भी सीजेआई सूर्यकांत से जुड़ी एक ऐसी ही घटना सामने आई थी। उस समय याचिकाकर्ता प्रबल प्रताप ने सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान हंगामा किया था और सीजेआई के खिलाफ अपशब्द कहे थे। हालांकि, उस मामले की सुनवाई कर रही पीठ में सीजेआई सूर्यकांत शामिल नहीं थे। पीठ ने अवमानना की कार्यवाही शुरू करने से इनकार करते हुए कहा था कि याचिकाकर्ता परेशान दिखाई दे रहा था और उसे कुछ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं थीं। इस घटना के बाद सुप्रीम कोर्ट ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होने वाली सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से पेश होने वाले याचिकाकर्ताओं का ऑडियो और वीडियो बंद करना शुरू किया था। अक्टूबर 2025 में भी सुप्रीम कोर्ट में तत्कालीन सीजेआई बीआर गवई के साथ बदसलूकी की घटना हुई थी। 6 अक्टूबर को सुनवाई के दौरान 71 वर्षीय वकील राकेश किशोर ने उनकी ओर जूता फेंकने की कोशिश की थी। बताया गया था कि वकील भगवान विष्णु की मूर्ति से जुड़े एक मामले में सीजेआई गवई की टिप्पणी से नाराज थे। घटना के दौरान उन्होंने धार्मिक नारे भी लगाए थे। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें तुरंत कोर्ट रूम से बाहर कर दिया था। सीजेआई गवई ने घटना के बाद सुनवाई जारी रखने को कहा था। इस मामले में बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने संबंधित वकील को वकालत करने से निलंबित कर दिया था।

डभोई रेलवे पुलिस थाने में एसीबी की कार्रवाई, 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते महिला पीएसआई एकताबेन पंड्या गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार से जुड़ा एक मामला सामने आया है। वडोदरा जिले के डभोई रेलवे पुलिस थाने में तैनात महिला पुलिस उपनिरीक्षक एकताबेन पंड्या को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने 20 हजार रुपये की कथित रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। आरोप है कि शराबबंदी से जुड़े एक मामले में जब्त किए गए मोबाइल फोन को वापस लौटाने के बदले महिला अधिकारी ने शिकायतकर्ता से इस रकम की मांग की थी। एसीबी की कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग में इस मामले को लेकर चर्चा तेज हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, डभोई रेलवे पुलिस थाना क्षेत्र में शराबबंदी से जुड़े एक मामले में शिकायतकर्ता का मोबाइल फोन पुलिस ने जब्त किया था। इस मामले में कानूनी प्रक्रिया के तहत शिकायतकर्ता ने गुजरात उच्च न्यायालय से अग्रिम जमानत प्राप्त कर ली थी। इसके बाद वह जब्त मोबाइल फोन वापस लेने और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के लिए डभोई रेलवे पुलिस थाने पहुंचा था। आरोप है कि इसी दौरान वहां तैनात महिला पुलिस उपनिरीक्षक एकताबेन पंड्या ने मोबाइल फोन लौटाने के बदले 20 हजार रुपये की मांग की। शिकायतकर्ता ने कथित तौर पर रिश्वत की मांग को स्वीकार करने के बजाय इसकी जानकारी एसीबी को दी और लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद एसीबी की टीम ने मामले की प्राथमिक जांच और आवश्यक तथ्यों की पुष्टि की। इसके बाद डभोई रेलवे पुलिस थाने में जाल बिछाने की योजना बनाई गई, ताकि कथित रिश्वत मांगने के मामले में कार्रवाई की जा सके। एसीबी की पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार, शिकायतकर्ता 20 हजार रुपये लेकर महिला पीएसआई की चेंबर में पहुंचा। आरोप है कि एकताबेन पंड्या ने जैसे ही रकम स्वीकार की, मौके पर मौजूद छापामार टीम ने कार्रवाई करते हुए उन्हें पकड़ लिया।

बनासकांठा में शराब तस्करों का पुलिस टीम पर हमला, सरकारी वाहन में तोड़फोड़ कर मौके से फरार हुए आरोपी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

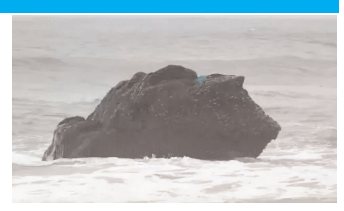
गुजरात के बनासकांठा जिले में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची पुलिस टीम पर हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि शराब तस्करों और उनके साथ मौजूद लोगों ने पुलिसकर्मियों को घेरकर पथराव और मारपीट की। इस दौरान सरकारी पुलिस वाहन के शीशे भी तोड़ दिए गए। हमले के बीच आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और पुलिस विभाग में हलचल मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बनासकांठा क्षेत्र में अवैध शराब की आवाजाही और तस्करी की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस की एक टीम कार्रवाई के लिए मौके पर पहुंची थी। पुलिस का उद्देश्य शराब के अवैध कारोबार पर रोक लगाना और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करना था। बताया जा रहा है कि पुलिस टीम को देखकर वहां मौजूद लोगों ने सहयोग करने के बजाय विरोध शुरू कर दिया। आरोप है कि शराब कारोबार से जुड़े लोगों ने अपने अन्य साथियों को भी मौके पर बुला लिया और देखते ही देखते स्थिति तनावपूर्ण हो गई। पुलिस टीम जब संदिग्ध गतिविधियों के संबंध में कार्रवाई कर रही थी, उसी दौरान भीड़ ने पुलिसकर्मियों को निशाना बनाते हुए पथराव शुरू कर दिया। हमलावरों ने पुलिस के सरकारी वाहन पर भी पत्थर फेंके, जिससे गाड़ी के शीशे टूट गए। इसके अलावा पुलिसकर्मियों के साथ कहासुनी और हाथापाई किए जाने की भी जानकारी सामने आई है। अचानक हुए विरोध और हमले के कारण मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिसकर्मियों को स्थिति संभालने में परेशानी का सामना करना पड़ा।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवात अकवान हुआ ताकतवर, 145 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से टकरा सकता है तट;

8 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

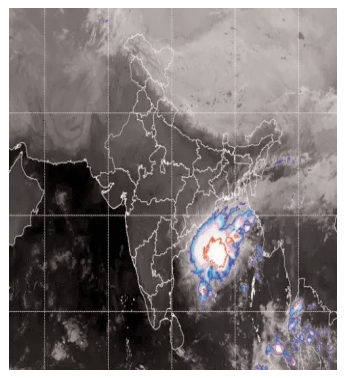
नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवाती तूफान अकवान बुधवार को और ताकतवर हो गया। इसकी रफ्तार 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई है और यह आंध्र प्रदेश के तट की ओर बढ़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, 20 नवंबर की दोपहर इसके यनम तट से टकराने की आशंका है। इस दौरान हवा की रफ्तार 130 से 145 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। तूफान के असर से आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तेलंगाना में चार दिन तक भारी बारिश होने का अनुमान है, जबकि तमिलनाडु समेत देश के 8 राज्यों में इसका प्रभाव पड़ सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, बुधवार सुबह 5 बजे चक्रवात विशाखापत्तनम से 610 किलोमीटर और चेन्नई से 580 किलोमीटर दूर था। इसके आगे बढ़ने के साथ ही तटीय इलाकों में तेज हवाओं, भारी बारिश और समुद्र में ऊंची लहरें उठने की आशंका बढ़ गई है। आंध्र



प्रदेश में इसका सबसे ज्यादा असर देखने को मिल सकता है। 19 और 20 नवंबर को तटीय क्षेत्रों में भारी से बेहद भारी बारिश का अनुमान है। यहां राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की 13 और राज्य आपदा मोचन बल की 11 टीमें तैनात की गई हैं। मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने और किसानों को अपनी फसल सुरक्षित रखने की सलाह दी गई है। ओडिशा में भी चक्रवात को लेकर बड़े स्तर पर बचाव की तैयारी की जा रही है। रायगढ़ा जिले में भूस्खलन के खतरे को देखते हुए 55 गांव चिह्नित किए गए हैं। इन गांवों को खाली कराने की तैयारी है। प्रशासन ने 8 जिलों के 87 प्रखंडों में 1,902 संवेदनशील स्थानों की पहचान की है। जरूरत पड़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए 3,329 राहत शिविर तैयार रखे गए हैं। राज्य में 18 से 21 नवंबर के बीच भारी बारिश का अनुमान है। गंजाम, गजपति, रायगढ़ा, कोरापुट और मलकानगिरी जैसे दक्षिणी जिलों में इसका ज्यादा असर हो सकता है। निचले इलाकों में जलभराव और पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। तमिलनाडु के उत्तरी हिस्सों में 18 और 19 नवंबर को भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। चेन्नई सहित तटीय इलाकों में जलभराव की आशंका है। पुडुचेरी और कराईकल में भी 18 से 20 नवंबर के बीच तेज बारिश और हवाएं चलने का अनुमान है। तेलंगाना में 20 और 21 नवंबर को भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। पश्चिम बंगाल के दक्षिणी जिलों में 19 और 20 नवंबर को बारिश हो सकती है। झारखंड और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में भी 20 और 21 नवंबर को बारिश होने का अनुमान है। चक्रवात का असर पहाड़ी इलाकों में भी दिखाई दे सकता है। ओडिशा के पहाड़ी जिलों में भूस्खलन की आशंका के बीच प्रशासन सतर्क है। समुद्र में ऊंची लहरें उठने की चेतावनी भी दी गई है। मछुआरों को समुद्र से दूर रहने और तटीय



इलाकों के लोगों को प्रशासन की सलाह का पालन करने को कहा गया है। इस चक्रवात का नाम ईरान ने अकवान रखा है। बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में उठने वाले चक्रवातों के नाम तय करने की प्रक्रिया वर्ष 2000 में शुरू हुई थी। इसके लिए भारत सहित कई देशों ने मिलकर नामों की सूची तैयार की थी। वर्ष 2018 में ईरान, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और यमन भी इस समूह में शामिल हुए। अकवान ईरान की पौराणिक कथाओं में एक राक्षस का नाम है। इसका उल्लेख फारस के प्रसिद्ध



महाकाव्य 'शाहनामा' में मिलता है। इधर, देश के दूसरे हिस्सों में सर्दी का असर बढ़ने लगा है। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और बारिश के कारण उत्तराखंड में तापमान में गिरावट आई है। गंगोत्री में बर्फबारी के बाद पारा शून्य से 14 डिग्री नीचे पहुंच गया। राजस्थान के कई शहरों में मंगलवार को तापमान 5 डिग्री तक गिर गया, जबकि उत्तर प्रदेश में कोहरे का असर दिखाई दे रहा है। कश्मीर में इस मौसम की अब तक की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई। गुलमर्ग में तापमान शून्य से 3.4 डिग्री नीचे पहुंच गया।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.